अब हर
रोज दर्पण
» 3

जबलपुर गुरुवार 20 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण शुक्ल पक्ष अष्टमी

वर्ष 32 अंक 53 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 26.7°C
न्यूनतम तापमान 23.8°C
सूर्योदय - 5.49 | सूर्यास्त - 6.39

ग्राम सभा में चप्पल कांड! सवालों पर भड़कीं ... » 5

शादी के सिर्फ तीन दिन बाद सेट पर लौटीं आकांक्षा... » 7

नाग पंचमी पर सर्प मित्र अमिता श्रीवास की ... » 9

एसबीआई ने बदला नियम : अब बैंक से पैसा निकालना पड़ेगा महंगा!

"1 अक्टूबर 2026 से एसबीआई ब्रांच से निकासी के दौरान एक महीने में पहले चार मुफ्त निकासी के बाद अतिरिक्त नकद निकासी पर शुल्क 15 रुपये प्रति लेनदेन के साथ जीएसटी भी लगेगा।"

नई दिल्ली

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया अपने अकाउंट होल्डर्स के लिए अलर्ट जारी किया है। साथ ही नियम में बदलाव भी किया है। बैंक का अलर्ट है कि अगर आप एसबीआई के ब्रांच से 4 बार से ज्यादा बार पैसा निकालते हैं तो आपको एक शुल्क देना पड़ सकता है। नए बदलाव के तहत अब सिर्फ ब्रांच से निकासी पर पहले 4 ट्रांजेक्शन को फ्री किया गया है। 5वीं ट्रांजेक्शन से शुल्क लागू होगा। ये नियम 1 अक्टूबर, 2026 से लागू होगा। एसबीआई ने अकाउंट होल्डर्स को जानकारी दी है कि ये बदलाव सभी अकाउंट होल्डर्स पर लागू नहीं होंगे। सिर्फ बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट खाते के लिए सर्विस चार्ज लागू होगा। अगर आपका भी ये अकाउंट है, तो आप बैंक के ब्रांच से 1 महीने में सिर्फ 4 बार मुफ्त निकासी कर सकते हैं। इससे ज्यादा बार की निकासी पर आपको चार्ज देना पड़ेगा। एसबीआई की वेबसाइट के मुताबिक, पहले भी महीने में 4 निकासी मुफ्त थी, लेकिन इसमें एसबीआई एटीएम, दूसरे बैंक का एटीएम, ब्रांच से निकासी, माइक्रो एटीएम आदि शामिल किए गए थे। सिर्फ डिजिटल ट्रांजेक्शन जैसे यूपीआई, एनईएफटी, आरटीजीएस, आईएमपीएस जैसे माध्यमों को छोड़ा गया था। नए बदलाव के तहत अब सिर्फ ब्रांच चैनल से निकासी के लिए महीने के पहले 4 ट्रांजेक्शन को फ्री किया गया है। हालांकि, इसका मतलब ये नहीं है कि अगर आप इस अकाउंट के तहत एटीएम से पैसे निकालते हैं तो आपको पहले ही ट्रांजेक्शन से चार्ज देना पड़ेगा। बस नए नियम में एसबीआई एटीएम, दूसरे बैंक का एटीएम, ब्रांच से निकासी, माइक्रो एटीएम आदि को नए नियम में नहीं जोड़ा गया है। इसपर पुराना नियम काम करेंगे।

भारत ने खत्म किया पाकिस्तान का सफर

एम्सटलवीन (नीदरलैंड)। भारत ने हॉकी विश्व कप 2026 के महामुकाबले में पाकिस्तान को 5-3 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। एम्सटलवीन के वेगनर स्टेडियम में खेले गए पूल डी के इस मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही पाकिस्तान पर दबाव बनाए रखा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह और अभिषेक के दो-दो गोल की बदौलत भारत ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत की, जबकि हार्दिक सिंह ने भी एक गोल दागा। पाकिस्तान की ओर से हन्नान शाहिद ने दो और सुफियान खान ने एक गोल किया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने पाकिस्तान के विश्व कप सफर को भी समाप्त कर दिया। पाकिस्तान के लिए हन्नान शाहिद ने दो और सुफियान खान ने एक गोल दागा।

जेन-जी के बीच जाएंगे मोदी सरकार के मंत्री

नई दिल्ली

केंद्र की मोदी सरकार देश के युवाओं, खासकर जेन-जी तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए एक बड़ा आउटरीच कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी में है। इसके तहत केंद्रीय मंत्री देशभर की यूनिवर्सिटीज का दौरा करेंगे और छात्रों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं और चिंताओं को समझेंगे। सरकार की इस पहल को 'वन डे, वन यूनिवर्सिटी' नाम दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत एक केंद्रीय मंत्री किसी विश्वविद्यालय का दौरा करेगा और वहां छात्रों के साथ संवाद करेगा। इस दौरान शिक्षा, रोजगार और युवाओं से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री छात्रों की समस्याओं और उनकी अपेक्षाओं को जानने की कोशिश करेंगे। इसके साथ ही युवाओं और विद्यार्थियों के लिए केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं और पहलों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी।

800 शहरों में जारी रहेगी 'छात्रों की गूंज'

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में विधानसभा चुनाव की रणनीति पर भी मंथन

नई दिल्ली

नई दिल्ली में बुधवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें देश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा के साथ-साथ छात्रों से जुड़े मुद्दों और राम मंदिर के लिए मिले चंदे में कथित गड़बड़ी को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर दबाव बढ़ाने की रणनीति पर भी मंथन हुआ। कांग्रेस कार्यसमिति यानी सीडब्ल्यूसी की बैठक इंदिरा भवन में हुई। इसकी अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष खडगे ने की। पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल बैठक में शामिल हुए। बैठक के बाद वेणुगोपाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में विस्तार से चर्चा हुई। इसमें 88 नेताओं ने हिस्सा लिया और 33 नेताओं ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान तीन-चार मुद्दों पर है। पहला मुद्दा पेपर लीक का है। देश के लोगों ने इसके खिलाफ जो आंदोलन किया और सरकार ने जिस तरह उस आंदोलन से निपटा, उस पर चर्चा हुई। वेणुगोपाल ने कहा कि सीडब्ल्यूसी ने माना कि संसद का मानसून सत्र विपक्ष के लिए सफल रहा और सरकार बैकफुट पर रही। उन्होंने कहा कि गांधी की 'छात्रों की गूंज' जारी रहेगी। इसके तहत 800 शहरों में और सभाएं की जाएंगी। इनमें से कुछ सभाओं की अगुवाई कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष करेंगे। वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष खडगे ने पार्टी के मुख्यमंत्रियों से शिक्षा विशेषज्ञों के साथ काम करने को कहा है। उनसे शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में बदलाव के लिए रोडमैप तैयार कर खडगे को रिपोर्ट देने को कहा गया है।

गांवों तक उठेगा राम मंदिर चंदे का मुद्दा

वेणुगोपाल ने कहा, चंदा चोरी देश के लोगों के बीच चिंता का गंभीर मुद्दा है। यह लोगों की भावनाओं से जुड़ा मामला है। जिन्होंने लोगों को बांटने के लिए राम मंदिर का इस्तेमाल किया, वे अब बेनकाब हो चुके हैं। उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे को जमीनी स्तर तक ले जाएंगे। हमने प्रदेश कांग्रेस समितियों को इसे गांव और पंचायत स्तर पर उठाने का निर्देश दिया है।

अरुणाचल में चीनी घुसपैठ पर भी चर्चा

वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में अरुणाचल प्रदेश में 'चीनी घुसपैठ' के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर पार्टी की चिंता बैठक में रखी गई। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस की मांग है कि महिलाओं के लिए आरक्षण लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या के आधार पर लागू किया जाए।

जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री से माफी मांगने को कहा

जयराम रमेश ने उत्तराखंड में खडगे के कार्यक्रम के बाद हुए 'शुद्धिकरण' को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश से माफी मांगने की मांग की। बैठक में मुकुल वासनिक और पी चिदंबरम समेत कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी तेलंगाना, वीडी सतीशन केरल, सुखविंदर सिंह सुक्खू हिमाचल प्रदेश और डीके शिवकुमार कर्नाटक भी बैठक में मौजूद रहे।

कोलकाता के होटल में आग लगने से 5 बांग्लादेशियों सहित 9 की मौत

कोलकाता। कोलकाता से बुधवार तड़के एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई। शहर के बीचोंबीच मिर्जा गालिब स्ट्रीट पर स्थित एक होटल में अचानक भीषण आग लग गई, जिसमें कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। हादसा उस वक्त हुआ जब होटल में ठहरे ज्यादातर मेहमान गहरी नींद में सो रहे थे। पुलिस के मुताबिक, मरने वालों में 5 बांग्लादेशी नागरिक बताए जा रहे हैं, जो इलाज के सिलसिले में कोलकाता आए हुए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार आग बुधवार तड़के करीब 1.45 बजे लगी। देखते ही देखते धुएं का गुबार पूरी इमारत में फैल गया और लपटें ऊपरी मंजिलों तक जा पहुंचीं। होटल में मौजूद लोगों को जब आग का एहसास हुआ, तब तक हालात काफी बिगड़ चुके थे। परिसर में चीख-पुकार मच गई और मेहमान अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। गौर करने वाली बात यह है कि जिस मिर्जा गालिब स्ट्रीट पर यह हादसा हुआ, उसी सड़क के करीब पश्चिम बंगाल फायर सर्विस का मुख्यालय भी स्थित है। इसके बावजूद घना धुआं इतनी तेजी से फैला कि दमकलकर्मियों को सीढ़ियों के रास्ते ऊपरी मंजिलों तक पहुंचने में भारी दिक्कत हुई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि धुएं की वजह से बचाव अभियान में रुकावट आई। मिर्जा गालिब स्ट्रीट, जो पहले फ्री स्कूल स्ट्रीट के नाम से जानी जाती थी, कोलकाता के सबसे व्यस्त और भीड़भाड़ वाले इलाकों में शुमार है। यहां सस्ते और बजट होटलों की भरमार है, जहां बड़ी संख्या में विदेशी यात्री और मरीज ठहरते हैं।

इलाज कराने आए थे बांग्लादेशी

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आग में जान गंवाने वाले 5 लोग बांग्लादेशी नागरिक थे, जो कोलकाता में इलाज कराने के मकसद से आए हुए थे। कोलकाता लंबे समय से बांग्लादेश के मरीजों के लिए एक पसंदीदा मेडिकल डेस्टिनेशन रहा है, क्योंकि यहां भाषा और सांस्कृतिक समानता के चलते इलाज कराना आसान माना जाता है। हर दिन बड़ी संख्या में बांग्लादेशी मरीज शहर के अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचते हैं और आस-पास के सस्ते होटलों में ठहरते हैं।

रिश्वत लेते सहकारी बैंक मैनेजर पकड़ाया

सतना (स्वतंत्र मत)

लोकायुक्त रीवा की टीम ने जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के प्रबंधक केसी शर्मा को बुधवार को 96 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई उनके प्रेम नगर स्थित आवास पर की गई। जानकारी के अनुसार, यह रिश्वत नागौद स्थित जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के प्रबंधक सिद्धार्थ ओझा से मांगी गई थी। आरोप है कि धान खरीदी की राशि के भुगतान के एवज में कुल राशि का 3 प्रतिशत कमीशन के रूप में मांगा जा रहा था, जो लगभग एक लाख रुपये था।

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला

13041 करोड़ रुपये के रेल-रोड प्रोजेक्ट मंजूर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में रेल और सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कुल 13,041 करोड़ रुपये की लागत वाली 5 बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें चार रेलवे प्रोजेक्ट और एक हाईवे प्रोजेक्ट शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि तीन रेलवे परियोजनाएं हावड़ा-चेन्नई हाई डेंसिटी नेटवर्क का हिस्सा हैं। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद हावड़ा से चेन्नई तक लगातार चार रेलवे लाइन का कॉरिडोर तैयार करने में मदद मिलेगी। इससे ज्यादा ट्रेनें चलाना आसान होगा और माल ढुलाई की क्षमता भी बढ़ेगी। हावड़ा-चेन्नई रेल मार्ग देश के सबसे महत्वपूर्ण रेलवे कॉरिडोर में से एक है। इस रूट से पूर्वी भारत और दक्षिण भारत के बीच बड़ी संख्या में यात्री और मालगाड़ियां चलती हैं। कैबिनेट ने इस रूट पर तीन प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें खड़गपुर-भद्रक के बीच चौथी लाइन, भद्रक-हरिदासपुर के बीच चौथी लाइन और गुम्मिडीपुंडी-गुडूर के बीच तीसरी और चौथी लाइन का निर्माण शामिल है।

बिहार में नेपाल सीमा तक बनेगा 4-लेन हाईवे

कैबिनेट ने बिहार के मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए सोनबरसा (नेपाल सीमा) तक 83 किमी लंबे 4-लेन हाईवे के निर्माण को मंजूरी दी है। इसकी लागत 3,591 करोड़ रुपये है। इस प्रोजेक्ट को 30 महीने में पूरा करने का लक्ष्य है। इसमें सात बड़े पुल, तीन रोड ओवर ब्रिज, छह व्हीकुलर अंडरपास और बागमती नदी पर 340 मीटर लंबा पुल शामिल होगा।

पानी से भरे गड्ढे में डूबने से 3 बच्चों की मौत

सीहोर। सीहोर में बारिश के पानी से भरे गड्ढे में डूबने से तीन बच्चों की मौत हो गई। इनमें दो सगे भाई थे। तीनों बच्चे खेलते-खेलते गड्ढे के पास पहुंचे। फिर नहाने के लिए उसमें उतर गए। स्थानीय लोगों ने शव तैरते देखे तो हादसे का पता चला। घटना इछावर में मोगरा रोड पर बुधवार दोपहर करीब एक बजे की है। मृतकों की पहचान 12 वर्षीय प्रशांत, 10 वर्षीय पृथ्वीराज और 11 वर्षीय दीक्षांत के रूप में हुई है। प्रशांत और पृथ्वीराज पुत्र सुभाल बागरी सगे भाई थे। दीक्षांत के पिता का नाम अखिलेश बागरी है।

मां शारदा लोक निर्माण से मैहर में धार्मिक तीर्थाटन में होगी वृद्धि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शारदा माता मंदिर में किया पूजन-अर्चन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मैहर स्थित विश्वप्रसिद्ध मां शारदा माता मंदिर पहुंचकर विधि-विधानपूर्वक मां शारदा का पूजन-अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मां शारदा के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं कल्याण की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पूजन के बाद मंदिर प्रबंधन एवं जिला प्रशासन द्वारा मां शारदा का चित्र भेट कर सम्मान किया गया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का अवलोकन भी किया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, दर्शन व्यवस्था एवं मंदिर परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां शारदा की पावन नगरी मैहर देश-प्रदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मां शारदा का आशीर्वाद प्रदेशवासियों पर सदैव बना रहे।

सही समय पर खोलूंगा इनकी करप्शन फाइल

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके पर निशाना साधा। सदन में टीवीके और डीएमके विधायकों में हंगामे के दौरान विजय ने कहा कि उनके पास पिछली डीएमके सरकार से जुड़ी भ्रष्टाचार की दो फाइलें हैं। उन्होंने कहा, मैं पिछली डीएमके सरकार की भ्रष्टाचार की फाइलें सही समय पर सामने लाऊंगा। मेरी मेज पर दो फाइलें हैं। मुझे अभी ऐसा करने के लिए मजबूर मत कीजिए। सीएम विजय का यह बयान विधानसभा में सड़क निर्माण में कथित गड़बड़ी को लेकर हुए विवाद के बीच आया। टीवीके विधायकों ने सड़क बनाने में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया था। इसी दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच बहस बढ़ गई। विजय ने हस्तक्षेप करते हुए पिछली सरकार के कथित भ्रष्टाचार की फाइलें सामने लाने की बात कही। विजय सरकार ने अब भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों पर नजर रखने के लिए एक बड़ा कदम भी उठाया है। तमिलनाडु सरकार राज्य की भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी डीवीएसी के तहत सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेंटर यानी एसएमएमसी बनाने जा रही है। इसके लिए सरकार ने 50 लाख रुपये का बजट रखा है।

'जम्मू-कश्मीर भारत का अहम हिस्सा'

सीएम उमर से मुलाकात के बाद बोले अमेरिकी राजदूत

श्रीनगर

अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर बुधवार को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहे। इस यात्रा के दौरान उन्होंने बुधवार को श्रीनगर का दौरा किया है। कश्मीर पहुंचने के बाद सर्जियो गोर ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक बेहद अहम हिस्सा है। भारत की लंबे समय से चली आ रही स्थिति पर अमेरिकी दूत का यह बयान काफी मजबूत समर्थन माना जा रहा है। गौरतलब है, आर्टिकल 370 हटने और हालिया सुरक्षा घटनाओं के बाद किसी अमेरिकी राजदूत का यह पहला कश्मीर दौरा है। श्रीनगर पहुंचने के बाद अमेरिकी दूत सर्जियो गोर ने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक के दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए सर्जियो गोर ने बताया कि इस बैठक का मुख्य केंद्र कश्मीर के विकास से जुड़े मुद्दे और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच आपसी साझेदारी को और मजबूत करने के नए अवसरों पर भी चर्चा की गई है। श्रीनगर में सीएम उमर अब्दुल्ला से मुलाकात के बाद अमेरिकी राजूदत सर्जियो गोर ने कहा, यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह भारत का एक अहम हिस्सा है। मैं यहां पहली बार आया हूं। यह जगह बहुत खूबसूरत है। मैं यहां आकर और इस जगह को देखकर बहुत उत्साहित हूं। उन्होंने कहा कि हमारी बहुत अच्छी मुलाकात हुई। कुछ आगे की बातें भी हैं, जिन्हें हम वॉशिंगटन और दिल्ली ले जाएंगे। लेकिन यह मुलाकात बहुत गर्मजोशी भरी और दोस्ताना रही, और हम इस रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं। अमेरिकी राजदूत का यह दौरा कूटनीतिक रूप से बेहद खास माना जा रहा है।

वाशिंगटन हमारी समस्याएं हल नहीं करेगा

एक तरफ जहां इस अमेरिकी दौरे को लेकर कूटनीतिक हलकों में काफी चर्चा हो रही है, वहीं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस पर बहुत अधिक प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया है। मीडिया से बातचीत करते हुए उमर अब्दुल्ला ने दो टूक शब्दों में कहा कि वाशिंगटन उनकी समस्याओं को हल नहीं करने वाला है, बल्कि केंद्र सरकार ही उनका समाधान करेगी। उन्होंने यह भी साफ किया कि वे अमेरिकी दूत के सामने किसी भी तरह की शिकायतें लेकर नहीं जाने वाले हैं। उनका मानना है कि स्थानीय मुद्दों का समाधान देश के अंदर से ही निकलेगा।

संभावनाओं पर हुई अच्छी चर्चा : उमर

वहीं मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर की। उन्होंने लिखा श्रीनगर में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का स्वागत करना उनके लिए बेहद सुखद रहा। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान जम्मू-कश्मीर और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच विशेष रूप से पर्यटन, बागवानी और नई अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में आपसी जुड़ाव को और अधिक बढ़ाने और गहरा करने की संभावनाओं पर बहुत अच्छी चर्चा हुई। उन्होंने इस जुड़ाव को निरंतर जारी रखने और बातचीत को आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई।

सुबह रिमझिम, शाम को तेज बौछारें, गिरा पारा

बंगाल की खाड़ी में सिस्टम सक्रिय, अगले 24 घंटों के लिए भारी बारिश का अलर्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बंगाल की खाड़ी से आए चक्रवात के कारण उत्तर-पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जिससे जबलपुर सहित आसपास के जिले अगले 24 घंटों के दौरान भारी बारिश के अलर्ट पर हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटों के दौरान जबलपुर में घने बादल छाए रहेंगे। जो भारी वर्षा कर सकते हैं। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद भी तापमान में गिरावट आई है। दिन और रात का तापमान अभी भी औसत से नीचे आ गया है। बुधवार को सुबह बारिश हुई और फिर दोपहर में बूंदाबांदी होती रही, शाम को झमाझम बारिश हुई। इस दौरान 17.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। स्थानीय मौसम केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार उड़ीसा और झारखण्ड में बने चक्रवात की वजह से तथा बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी भरी हवाओं के कारण जबलपुर में घने काले बादलों का डेरा जमा हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान जबलपुर का अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री

सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री कम दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 23.8 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रात: काल 96 प्रतिशत और सायंकाल 97 प्रतिशत आंकी गई। पिछले 24 घंटों के दौरान 17.8 मिमी बारिश हुई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 443.2 मिमी (लगभग 18 इंच) दर्ज की जा चुकी है। जबकि गत वर्ष आज के दिन 0.4 वर्षा हुई थी और कुल वर्षा 855.2 मिमी दर्ज की जा चुकी थी। पश्चिमी हवाएं 5 से 6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। अगले 24 घंटों के दौरान संभाग के कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है।

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

विशेषज्ञों का कहना है कि टीकमगढ़, पन्ना व नरसिंहपुर में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं जबलपुर, रायसेन, सागर, दमोह, कटनी, मंडला, शहडोल, सीधी, मऊगंज, रीवा, सतना और छतरपुर में भारी बारिश हो सकती है। भोपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा, इंदौर, धार, अलीराजपुर, बुरहानपुर, बड़वानी, खंडवा, खरगोन, झाबुआ, उज्जैन, नीमच, आगर-मालवा, मंदसौर, शाजापुर, देवास, रतलाम, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, डिंडोरी, पांढुर्णा, सिंगरौली, मैहर, उमरिया, अनूपपुर और निवाड़ी में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होगी। प्रदेश में अब तक 573.1 मिमी यानी, 22.6 इंच बारिश हो चुकी है। हालांकि, यह अब तक की सामान्य बारिश 25.6 इंच (651.4 मिमी) की तुलना में 3 इंच कम है। वहीं, ओवरऑल 12 प्रतिशत कम पानी गिरा है। पूर्वी हिस्से में 16 प्रतिशत व पश्चिमी हिस्से में औसत से 9 प्रतिशत बारिश कम हुई है।

कैंसर से न हारे कोई भी मासूम

बाल कैंसर की शीघ्र पहचान, रेफरल एवं समग्र उपचार को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जब किसी नन्हे मासूम को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी घेरती है, तो उसका असर केवल बच्चे पर ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीदों और सपनों पर पड़ता है। बीमारी की समय पर पहचान, उचित उपचार एवं आवश्यक सहयोग के अभाव में किसी भी बच्चे की मुस्कान न छिने-इसी मानवीय उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं कैनकिड्स संस्था के संयुक्त तत्वावधान में जबलपुर में बाल कैंसर की शीघ्र पहचान एवं समुचित प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के चिकित्सकों, ब्लॉक एवं जिला स्तर के कार्यक्रम अधिकारियों तथा स्वास्थ्यकर्मियों को बच्चों में कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों की पहचान, स्क्रीनिंग, आवश्यक जांच, समय पर रेफरल तथा उपचार के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य जिले के ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक बाल कैंसर की पहचान की व्यवस्था को मजबूत करना तथा चिन्हित बच्चों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं से जोड़ना रहा।

विशेषज्ञों ने दिया व्यावहारिक प्रशिक्षण- कार्यशाला का शुभारंभ सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर की पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजिस्ट एवं एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. श्वेता पाठक, डॉ. विनीता उप्पल, डॉ. एस.एस. दाहिया एवं ट्रेनिंग सेंटर के प्रिंसिपल डॉ. धीरज दवांडे द्वारा किया गया। मुख्य प्रशिक्षक पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. श्वेता पाठक ने उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को बच्चों में होने वाले कैंसर के प्रारंभिक संकेतों एवं लक्षणों की पहचान, शीघ्र चिन्हांकन, आवश्यक जांच, रेफरल प्रक्रिया तथा उपचार के दौरान बच्चों की समुचित देखभाल के संबंध में विस्तृत एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया।

कैनकिड्स द्वारा समग्र सहयोग की जानकारी- कैनकिड्स के स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर सौरभ सिंह चौहान ने बच्चों के उपचार के साथ-साथ परिवारों को उपलब्ध कराई जाने वाली समग्र सहायता के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा शासन के सहयोग से चिकित्सा एवं उपचार के अतिरिक्त बच्चों की शिक्षा, पोषण, मनोवैज्ञानिक सहयोग तथा घर से दूर घर जैसी सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है, ताकि कैंसर से जूझ रहे बच्चे और उनके परिवार उपचार की पूरी प्रक्रिया में अकेले न पड़ें। कार्यशाला के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने संकल्प लिया कि जबलपुर जिले के अंतिम छोर तक पहुंचकर प्रत्येक संभावित बाल कैंसर के मामले की समय पर पहचान की जाएगी तथा चिन्हित बच्चों को शीघ्र जांच, विशेषज्ञ परामर्श, रेफरल एवं शासन की योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध नि:शुल्क उपचार से जोड़ा जाएगा। यह पहल जबलपुर जिले में बाल कैंसर की शीघ्र पहचान एवं समयबद्ध उपचार की व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लोकगाथा शैली में जीवंत हुई वीरांगना रानी दुर्गावती की गौरव गाथा

लोकनृत्य, लोकसंगीत और चंपू शैली के माध्यम से प्रस्तुत हुआ रानी दुर्गावती का जीवन, व्यक्तित्व, शौर्य और बलिदान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, जबलपुर द्वारा शहीद स्मारक प्रेक्षागृह, गोलबाजार में "दुर्गावती गौरव गाथा" की प्रभावशाली प्रस्तुति की गई। दविन्दर सिंह ग्रोवर के निर्देशन में प्रस्तुत इस नाट्य प्रस्तुति में वीरांगना रानी दुर्गावती के व्यक्तित्व, कृतित्व, शौर्य और बलिदान की गाथा को लोकगाथा शैली में जीवंत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जेडीए के अध्यक्ष संदीप जैन अग्रवाल, शरद भाई पालन, डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, उदय परांजपे द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। 'दुर्गावती गौरव गाथा' में रानी दुर्गावती के जन्म से लेकर उनके अंतिम बलिदान तक की संपूर्ण जीवन यात्रा को चंपू शैली में प्रस्तुत किया गया। वाचन, लोकसंगीत, लोकनृत्य और अभिनय के सुंदर समन्वय ने प्रस्तुति को विशिष्ट लोक रंग प्रदान किया। प्रस्तुति में सैला, मूसल, करमा, डंडा और

चाटकोला जैसे लोकनृत्यों एवं लोक परंपराओं का प्रभावी प्रयोग किया गया नृत्य निर्देशन दविन्दर सिंह ग्रोवर का रहा। प्रस्तुति में रानी दुर्गावती के अदम्य साहस और मुगल आक्रमणकारियों के विरुद्ध उनके संघर्ष को विशेष रूप से उभारा गया। उन्होंने अपने राज्य और प्रजा की रक्षा के लिए मुगल सेनाओं का बार-बार वीरतापूर्वक सामना किया और कई संघर्षों में उन्हें गायन वृंद में मानसी सोनी, समीर सराठे, चेतना बेन, भावना विश्वकर्मा, अदिति पटेल, सुदामा चौधरी एवं कृष्ण नामदेव ने अपनी प्रस्तुतियों से प्रभाव छोड़ा। वहीं नृत्य दल में प्रेमराज विश्वकर्मा, पराग तेलंग, देवेंद्र झरिया, शंकर भूमिया, दीपाली ठाकुर, हंसिका मिश्रा, भूमिका झरिया एवं श्री गुप्ता शामिल रहे। प्रस्तुति की विशेषता यह रही कि इसमें रानी दुर्गावती के शौर्य और बलिदान को केवल नाटकीय संवादों के माध्यम से नहीं, बल्कि लोकगीत, लोकधुन, पारंपरिक नृत्य और गाथा-वाचन के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाया गया। इससे रानी दुर्गावती की वीरता और उनके संघर्ष की कथा को लोक संस्कृति की जड़ों से जोड़ते हुए एक प्रभावशाली रंगमंचीय स्वरूप मिला। आयोजन को सफल बनाने में श्री जानकी रमन महाविद्यालय, राज सगरी, अभिमन्यु जैन, सुरेश मिश्र विचित्र, राजेश दुबे, इंद्र पांडे, रविंद्र मुरहार, संजय गर्ग, राकेश कुरेले,सहित अनेक सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

विद्यार्थियों को सिखाए गए स्वस्थ जीवनशैली और मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के गुर

के.सी. चिल्ड्रेन एकेडमी स्कूल में मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार विषय पर कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

के.सी. चिल्ड्रेन एकेडमी स्कूल में मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार विषय पर एक दिवसीय स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में बी.एससी. नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया, जबकि सुश्री अर्निका जोसेफ एवं सुश्री आसिया ने कार्यक्रम का कुशल समन्वय किया। सत्र के दौरान नर्सिंग विद्यार्थियों ने स्कूली बच्चों को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य के महत्व से

अवगत कराया। उन्होंने संतुलित व पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और दैनिक व्यक्तिगत स्वच्छता को जीवनशैली में शामिल करने पर बल दिया। इसके अलावा, सही तरीके से हाथ धोने की विधि, मौखिक स्वच्छता (ओरल हाइजीन), आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने तथा मौसमी व संक्रामक बीमारियों से बचाव के व्यावहारिक उपाय भी प्रदर्शित किए। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देते हुए विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, भावनाओं की सही समझ और जरूरत पड़ने पर माता-पिता, शिक्षकों या विशेषज्ञों से संवाद करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए संवादात्मक सत्र, प्रश्नोत्तरी और स्वास्थ्य संबंधी लाइव डेमो आयोजित किए गए, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य संदेश रहा कि प्रत्येक बच्चे को बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षा और सही चिकित्सा जानकारी पाने का अधिकार है। विद्यालय परिवार ने इस सफल व ज्ञानवर्धक आयोजन की सराहना की।

13089 पूर्व चयनित प्राथमिक शिक्षकों को हाईकोर्ट की डबल बेंच से भी झटका

सभी अपीलें खारिज, आरसीआई बोनस अंक फर्जीवाड़ा मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा 2025 में अपात्र अभ्यर्थियों को गलत तरीके से मिले 5 प्रतिशत बोनस अंकों के मामले में माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर की खंडपीठ ने भी सिंगल बेंच के आदेश को सही ठहराते हुए समस्त रिट अपीलें खारिज कर दी हैं। इसके साथ ही पूर्व चयनित 13089 चयनित प्राथमिक शिक्षकों को दूसरा बड़ा झटका लगा है और अब नए सिरे से बनी मेरिट सूची ही लागू होगी। जानकारी अनुसार नरसिंहपुर निवासी सोनम अगरैया एवं अन्य द्वारा दायर रिट याचिका क्रमांक 12970/2026 में यह तथ्य कोर्ट के सामने रखा गया था कि भर्ती नियम पुस्तिका की कंडिका 7.7 के तहत केवल भारतीय पुनर्वास परिषद से मान्यता प्राप्त विशेष शिक्षा डिप्लोमा धारक अभ्यर्थियों को ही 5त्र बोनस अंक मिलने थे, किंतु 13089 पदों की चयन सूची में लगभग 14964 अभ्यर्थियों ने खुद को इस श्रेणी में दिखाकर बोनस अंक प्राप्त कर लिया, जबकि ऋष्ट्र के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वास्तव में केवल लगभग 5271 अभ्यर्थी ही मान्य आरसीआई योग्यता रखते थे। मामले में सिंगल बेंच का आदेश दिनांक 6 मई 2026 में न्यायमूर्ति विशाल

धगट की एकलपीठ ने 6 मई 2026 को पारित आदेश में पाया था कि बोर्ड द्वारा केवल ऑनलाइन आवेदन में हाँ विकल्प चुने जाने के आधार पर बिना दस्तावेज सत्यापन के बोनस अंक दिए गए, जिससे वास्तविक और पात्र अभ्यर्थियों की मेरिट प्रभावित हुई। कोर्ट ने यह भी कहा कि अभ्यर्थियों को सुधार हेतु पर्याप्त अवसर दिए जाने के बावजूद जिन्होंने गलत जानकारी दी, वे परिणाम आने के बाद अपने अंक कम करवाने की मांग नहीं कर सकते, क्योंकि इससे बेईमानी को बढ़ावा मिलेगा और ईमानदार अभ्यर्थी दंडित होंगे। एकलपीठ ने राज्य शासन को चयन सूची मंडल को वापस भेजने तथा मंडल को यह निर्देश दिया कि जिन अभ्यर्थियों ने आरसीआई डिप्लोमा हेतु हाँ विकल्प चुना था उनके लिए मंडल 15 दिन की एक अतिरिक्त विंडो खोलेगा, जिसमें अभ्यर्थी अपना आरसीआई मान्यता प्राप्त विशेष डी.एल.एड. डिप्लोमा अपलोड कर सकेंगे, तत्पश्चात मंडल अपनी सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण करेगा जिन्होंने प्रमाण पत्र अपलोड नहीं किया, उनका आवेदन निरस्त कर तीन माह की अवधि में संशोधित मेरिट सूची तैयार कर नियुक्ति देने के आदेश दिए थे, इस आदेश को प्रभावित पक्षों ने डबल बेंच में अपील दाखिल कर चुनौती दी थी।

सुधार के लिए नहीं प्रस्तुत की जानकारी - मामले में अपीलार्थियों का तर्क था कि उनके पास वास्तव में आरसीआई डिप्लोमा नहीं है, हाँ विकल्प चुनना केवल भूलवश हुआ था, और वे बोनस अंक की मांग नहीं कर रहे बल्कि केवल वास्तविक अंकों के आधार पर अपनी चयन प्रक्रिया में शामिल किए जाने की मांग कर रहे हैं।

गुप्तेश्वर महादेव का दिव्य काशी श्रृंगार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सावन माह के पावन अवसर पर गुप्तेश्वर पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी मुकुंददास महाराज के पावन सानिध्य में आज भगवान श्री गुप्तेश्वर महादेव का दिव्य काशी श्रृंगार किया गया। काशी के आध्यात्मिक स्वरूप को दर्शाते हुए मंदिर परिसर को आकर्षक रूप में सजाया गया, जहां सायंकाल बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पूजन-अर्चन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रृंगार एवं सेवा में सुषमा केसरवानी, मनप्रीत बजवा, संगीता परिहार, किरण साहू एवं रश्मि गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहीं तथा भगवान गुप्तेश्वर महादेव की सेवा एवं पूजा-अर्चना में सहभागिता की।

सावन में सजा संगीत-नृत्य का अनूठा रंग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पैशन म्यूजिक के तत्वावधान में शहीद स्मारक गोल बाजार में 'गीत-संगीत और प्रॉप डांस से सजा भव्य रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। सावन के सुहाने मौसम में आयोजित यह अनूठा कार्यक्रम दर्शकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहा। स्थानीय गायक कलाकारों ने अपनी सुरीली आवाज से समां बांधा, वहीं नागपुर से आए डांस टीम ने विभिन्न गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में 'कहो ना प्यार है', 'दगाबाज रे', 'हम तुम एक कमरे में बंद हैं', 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे', 'सुन बेलिया', 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा', 'मुझे नींद ना आए', 'तू मैं ना देखूं तो चौन मुझे आता नहीं', 'ए मेरे हमसफर', 'जीवन

के हर मोड़ पर', 'कह दूं तुम्हें या चुप रहूं', 'बचके रहना रे बाबा', 'ढोलना' और 'ऐसा दीवाना हुआ है ये दिल' जैसे लोकप्रिय गीतों पर प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम का संचालन सस्मी तिरपुड़े एवं अनिल श्रीवास्तव ने किया। संयोजन एवं कॉन्सेप्ट मनोहर सोनी का रहा। कार्यक्रम में नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मनोहर सोनी, बृजेश गुप्ता, सस्मी, श्रीराम टिकरिया एडवोकेट, विकास पटेल, महेश कुमार, सुरजीत सिंह खुराना, मनीष श्रीवास्तव, विश्वनाथ सिंह ठाकुर, योगेंद्र प्रधान, डॉ. अनिल करी सहित अनेक लोगों ने सहभागिता की।

दहेज की मांग: वधु पक्ष देखता रहा राह, भोपाल से नहीं पहुंची बारात

पीड़िता ने खमरिया थाने में वर और उसके पिता के खिलाफ दर्ज करायी शिकायत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शादी तय होने के बाद सगाई और सारी तैयारी होने के बाद वधु पक्ष बारात की राह देखता रहा, लेकिन भोपाल दहेज लोभी वर पक्ष बारात लेकर नहीं पहुंचे। जिसके पीछे का कारण द्वारचार में मांगी गई दस लाख रुपये की डिमांड पूरी न होना था। पीड़िता ने मामले की शिकायत खमरिया थाने में दर्ज करायी। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी वर व उसके पिता के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस ने बताया कि खमरिया निवासी पीड़ित युवती की शादी डॉट कॉम के माध्यम से वर्ष 2024 में सुमित सिंह निवासी कटारा हिल्स प्राईड सिटी भदभदा भोपाल से जान पहचान हुई थी। जिसके बाद दोनों परिवारों के बीच रिश्ते की बात तय हुई। 5 अगस्त 2025 को रसल चौक स्थित एक होटल में सगाई कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। लेकिन दिसंबर में युवती की माँ का निधन हो जाने के कारण शादी की तिथि आगे बढ़ गई और 19 जून 2026 शादी की तारीख तय हुई। इसके बाद 17 जून को लड़की वालों ने हल्दी, मेंहदी व शादी की अन्य रस्में की, इसके साथ ही 18 जून के लिये लड़के पक्ष के लिये रसल चौक स्थित होटल में बुकिंग भी कर दी। लेकिन उसी दिन सुबह लड़के सुमित के पिता महेंद्र लड़की वालों के घर

पहुंचे और कहा कि द्वारचार में दस लाख रुपये चाहिये। जिस पर युवती के परिजनों ने कहा कि इतनी राशि वह नहीं दे पायेंगे।

बारात लेकर नहीं पहुंचा वर पक्ष

19 जून को शादी और बारात की पूरी तैयारी लड़की पक्ष वालों ने कर ली। जिसके बाद पीड़िता ने अपनी होने वाली ननद दिव्या से वाट्सअप पर बात की, जिसने कहा कि हम लोग बस कुछ ही देर में बारात लेकर निकलने वाले है, लेकिन साढ़े आठ बजे तक बारात भोपाल से जबलपुर नहीं पहुंची। इतना ही नहीं लड़के सुमित व उसके पिता महेन्द्र ने उनका फोन काल भी रिसीव नहीं किया। जिससे लड़की पक्ष वालों को नाते रिश्तेदारों के बीच अपमानित होना पड़ा।

दस लाख दोगे तभी होगी शादी

पीड़ित परिवार ने जब भोपाल में लड़के वालों के यहां जाकर बारात न लाने का कारण पूछा तो लड़के और पिता महेन्द्र ने स्पष्ट कह दिया कि यदि दस लाख रुपये दोगे, तो ही शादी करेंगे। इतना ही नहीं पीड़ित पक्ष को अपमानित कर अपने घर से भगा दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी सुमित सिंह व उसके पिता महेन्द्र के खिलाफ दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

भौतिकीः रटें नहीं अवधारणा को समझें, टॉप करेंगे

आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है। हमारे दैनिक जीवन में भौतिकी हर कदम पर मौजूद है। पंखा, मोटर, टीवी, फ्रि ज, मोबाइल, वाहन और बिजली के उपकरणों से लेकर प्रकाश, ध्वनि और गुरुत्वाकर्षण तक, सबके पीछे भौतिकी के सिद्धांत काम करते हैं। फिर भी कई विद्यार्थी इसे सूत्रों और परिभाषाओं का कठिन विषय मानते हैं। सही अध्ययन पद्धति अपनाकर भौतिकी को न केवल आसान, बल्कि बेहद रोचक बनाया जा सकता है।

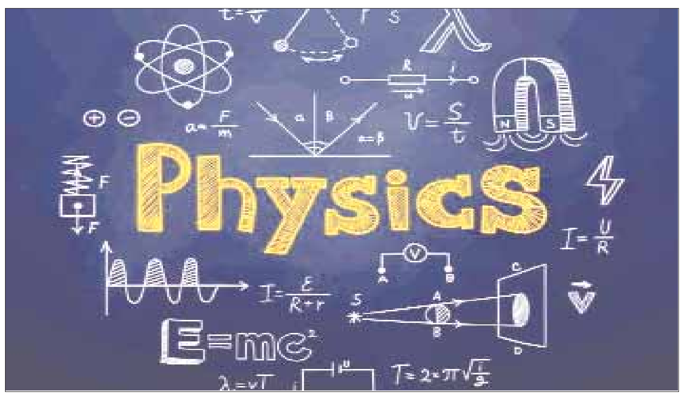

हर सवाल के पीछे खोजें 'क्यों' और 'कैसे'

भौतिकी पढ़ते समय विद्यार्थियों को हर घटना के पीछे कारण खोजने की आदत डालनी चाहिए। बिजली क्या है? मोटर कैसे चलती है? बादल में बिजली क्यों चमकती है और उसकी आवाज बाद में क्यों सुनाई देती है? इंद्रधनुष कैसे बनता है? सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सूर्य लाल क्यों दिखाई देता है? ऐसे सवालों के उत्तर खोजने से किताब में पढ़े सिद्धांत वास्तविक जीवन से जुड़ने लगते हैं।

गणितीय कौशल बनाएं मजबूत आधार

भौतिकी को समझने और संख्यात्मक प्रश्न हल करने के लिए गणित का ज्ञान आवश्यक है। विद्यार्थियों को मात्रकों की अच्छी समझ होनी चाहिए और एक मात्रक पद्धति से दूसरी में परिवर्तन करना आना चाहिए। मीटर से सेंटीमीटर, किलोमीटर से मीटर तथा घंटे से सेकंड जैसे रूपांतरणों का अभ्यास करें। साथ ही जोड़, घटाव, गुणा, भाग, दशमलव, भिन्न, अनुपात और घातांक जैसे मूलभूत गणितीय नियमों पर पकड़ मजबूत करें।

सरल से कठिन सवालों की ओर बढ़ें

सीधे कठिन संख्यात्मक प्रश्न हल करने के बजाय पहले अध्याय की मूल अवधारणाओं को समझें। इसके बाद सरल उदाहरण हल करें और धीरे-धीरे कठिन प्रश्नों की ओर बढ़ें। सूत्र को केवल याद न करें, बल्कि यह समझें कि उसमें शामिल प्रत्येक राशि क्या दर्शाती है और उसकी इकाई क्या है।

आरेख बनाकर समझें भौतिकी

कई प्रश्नों को चित्र बनाकर आसानी से समझा जा सकता है। बल से जुड़े सवालों में फ्री बॉडी डायग्राम और विद्युत के प्रश्नों में सरकिट डायग्राम उपयोगी होते हैं। प्रश्न पढ़कर आवश्यक आरेख बनाने की आदत कठिन सवालों को भी सरल बना देती है।

प्रयोग और तकनीक से सीखना बनाएं आसान

कठिन अवधारणाओं को केवल पढ़ने के बजाय प्रयोग, मॉडल, चित्र और शैक्षणिक एनीमेशन की मदद से समझें। अपने आसपास की घटनाओं को भौतिकी से जोड़कर देखना विषय को लंबे समय तक याद रखने में मदद करता है।

परीक्षा में सफलता के लिए गलतियों का विश्लेषण करें

बोर्ड परीक्षा की तैयारी में पाठ्यक्रम, सूत्र, चित्र, वस्तुनिष्ठ और संख्यात्मक प्रश्नों का नियमित अभ्यास करें। पिछले पांच वर्षों के प्रश्नपत्र हल करें और प्रत्येक पेपर के बाद अपनी गलतियों का विश्लेषण करें। कौन सा प्रश्न गलत हुआ, क्यों हुआ और किस अवधारणा में कमी रही, इसे लिखकर दोबारा पढ़ें। कमजोर अध्यायों पर विशेष ध्यान दें।

भौतिकी में सफ लता अधिक से अधिक प्रश्न रटने में नहीं, बल्कि अवधारणा समझने, गणितीय कौशल मजबूत करने, आरेख बनाने, प्रयोग करने और अपनी गलतियों से सीखने में है। जब विद्यार्थी भौतिकी को किताब से बाहर अपने आसपास की दुनिया में देखना शुरू कर देता है, तब यह कठिन विषय नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी को समझने का रोचक विज्ञान बन जाता है।

डॉ. कैलाश बालपांडे

विषय विशेषज्ञ
पूर्व प्राचार्य, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, जबलपुर।

पीसीओडी की बढ़ती समस्या और प्रभाव

आज बदलती जीवनशैली, अनियमित खान-पान, शारीरिक सक्रियता की कमी और बढ़ते तनाव के कारण किशोरियों व युवतियों में कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। इनमें पीसीओडी भी एक महत्वपूर्ण समस्या है। यह स्थिति हार्मोनल असंतुलन से जुड़ी होती है और इसका प्रभाव केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शिक्षा, मानसिक स्थिति और सामाजिक जीवन पर भी पड़ सकता है।

छात्र जीवन सीखने और व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण समय होता है। इस दौरान पीसीओडी से प्रभावित छात्राओं में अनियमित मासिक धर्म, वजन बढ़ना, अत्यधिक थकान, मुंहासे और बाल झड़ने जैसी समस्याएं दिखाई दे सकती हैं। इन शारीरिक बदलावों के कारण कई छात्राएं असहज महसूस करती हैं, जिसका असर उनके आत्मविश्वास पर भी पड़ सकता है।

पीसीओडी का प्रभाव पढ़ाई पर भी देखने को मिल सकता है। लगातार थकान, हार्मोनल बदलाव और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के कारण कक्षा में ध्यान केंद्रित करना कठिन हो सकता है। परीक्षा के समय तनाव बढ़ने से समस्या और अधिक महसूस हो सकती है। कुछ छात्राओं में चिंता, तनाव और सामाजिक रूप से अलग-थलग महसूस करने की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है।

हालांकि, सही जानकारी और समय पर चिकित्सकीय सलाह से पीसीओडी को काफ ी हद तक प्रबंधित किया जा सकता है। संतुलित आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और तनाव प्रबंधन इसमें सहायक हो सकते हैं। किसी भी लगातार या असामान्य लक्षण की स्थिति में डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है।

विद्यालय और परिवार का सहयोग भी महत्वपूर्ण है। छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर खुलकर बात करने का सुरक्षित और संवेदनशील वातावरण मिलना चाहिए। जागरूकता और उचित देखभाल के माध्यम से वे पढ़ाई और स्वास्थ्य के बीच बेहतर संतुलन बना सकती हैं। अंततः, पीसीओडी से घबराने के बजाय इसके बारे में सही जानकारी हासिल करना जरूरी है। स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही सफल शिक्षा तथा उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव हैं।

वैष्णवी राय

शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन अकादमी, गोविंदगंज, जबलपुर।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर मधुमेह से बचें

मधुमेह, जिसे सामान्य भाषा में शुगर कहा जाता है, आज के समय की सबसे तेजी से बढ़ने वाली स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। यह एक ऐसी बीमारी है जिसमें शरीर रक्त में मौजूद ग्लूकोज़ (शर्करा) की मात्रा को सामान्य स्तर पर नियंत्रित नहीं कर पाता। इसका मुख्य कारण शरीर में इंसुलिन हार्मोन का कम बनना या सही तरीके से काम न करना है। यदि समय रहते इसका सही इलाज और नियंत्रण न किया जाए, तो यह हृदय, किडनी, आंखों और नसों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। मधुमेह मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है। टाइप-1 मधुमेह में शरीर इंसुलिन बनाना लगभग बंद कर देता है, इसलिए रोगी को इंसुलिन के इंजेक्शन की आवश्यकता होती है। टाइप-2 मधुमेह सबसे सामान्य प्रकार है, जिसमें शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता या उसका सही उपयोग नहीं कर पाता। इसके अलावा गर्भावस्था के दौरान होने वाली गर्भकालीन मधुमेह भी एक महत्वपूर्ण प्रकार है।

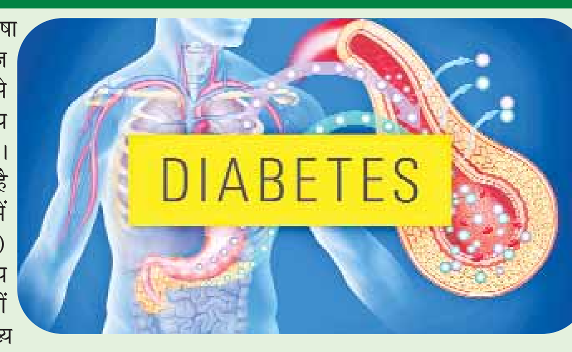

शुगर होने के कई कारण हो सकते हैं। अनियमित खान-पान, अधिक मीठे और जंक फू ड का सेवन, शारीरिक गतिविधि की कमी, मोटापा, तनाव, पर्याप्त नींद न लेना तथा पारिवारिक इतिहास इसके प्रमुख कारण हैं। बढ़ती उम्र के साथ भी मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है।

मधुमेह के कुछ सामान्य लक्षणों में बार-बार पेशाब आना, अत्यधिक प्यास लगना, बार-बार भूख लगना, वजन कम होना, थकान महसूस होना, धुंधला दिखाई देना, घाव का देर से भरना तथा हाथ-पैरों में झुनझुनी या सुन्नपन शामिल हैं। हालांकि कई लोगों में शुरुआती अवस्था में कोई विशेष लक्षण दिखाई नहीं देते, इसलिए समय-समय पर रक्त शर्करा की जांच कराना आवश्यक है। मधुमेह से बचाव के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना सबसे महत्वपूर्ण उपाय है। संतुलित और पौष्टिक भोजन करें, जिसमें हरी सब्जियां, फ ल, साबुत अनाज और दालें शामिल हों। मीठे पेय, अधिक चीनी और तले हुए भोजन से परहेज करे।

तृप्ति बघेल

शिक्षक
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

रासायनिक बंधनः परमाणु एक-दूसरे से क्यों जुड़ते हैं?

हमारे आसपास मौजूद लगभग हर पदार्थ परमाणुओं से बना है। लेकिन सवाल यह है कि ये छोटे-छोटे परमाणु आपस में जुड़कर अणु और पदार्थ कैसे बनाते हैं? इसका उत्तर है रासायनिक बंधन। सरल शब्दों में, परमाणु अधिक स्थिर अवस्था प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रॉनों के आदान-प्रदान या साझाकरण के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़ते हैं। इसी आधार पर आयनिक, सहसंयोजक और धात्विक बंधन को समझा जा सकता है।

आयनिक बंधन, इलेक्ट्रॉन का पूरा स्थानांतरण- जब कोई धातु परमाणु अपने बाहरी इलेक्ट्रॉन को आसानी से छोड़ सकता है और कोई अधातु उसे ग्रहण कर सकता है, तब आयनिक बंधन बनता है। उदाहरण के लिए, सोडियम अपने एक बाहरी इलेक्ट्रॉन को क्लोरीन को दे देता है। इससे सोडियम धनायन और क्लोरीन ऋणायन बन जाते हैं। विपरीत आवेश वाले ये आयन एक-दूसरे को आकर्षित करते हैं और सोडियम क्लोराइड जैसे आयनिक यौगिक का निर्माण होता है।

सहसंयोजक बंधन, इलेक्ट्रॉनों की साझेदारी- दो अधातु परमाणुओं के बीच सामान्यतः सहसंयोजक बंधन बनता है। इसमें परमाणु इलेक्ट्रॉन पूरी तरह किसी दूसरे को देने के बजाय उन्हें साझा करते हैं। उदाहरण के लिए, पानी के अणु में ऑक्सीजन और हाइड्रोजन के बीच इलेक्ट्रॉनों की साझेदारी होती है। साझा इलेक्ट्रॉन दोनों परमाणुओं को अधिक स्थिर इलेक्ट्रॉनिक विन्यास प्राप्त करने में मदद करते हैं।

धात्विक बंधन, इलेक्ट्रॉनों का साझा समुद्र- धातुओं में बाहरी इलेक्ट्रॉन किसी एक परमाणु से मजबूती से जुड़े नहीं रहते। वे धातु के पूरे ढांचे में अपेक्षाकृत स्वतंत्र रूप से गतिशील रहते हैं, जबकि धनावेशित धातु आयन व्यवस्थित जालक में स्थित होते हैं। यही मुक्त इलेक्ट्रॉन धातुओं को विद्युत और ऊष्मा का अच्छा चालक बनाते हैं। धात्विक बंधन धातुओं की तन्यता और आघातवर्धनीयता को भी समझाने में मदद करता है।

तीन बंधन, एक मूल विचार- आयनिक बंधन में इलेक्ट्रॉन स्थानांतरित होते हैं, सहसंयोजक बंधन में साझा किए जाते हैं और धात्विक बंधन में इलेक्ट्रॉन पूरे धातु ढांचे में विस्थापित रहते हैं। इसलिए इन तीनों को अलग-अलग रटने के बजाय एक ही मूल विचार से समझना अधिक आसान है, परमाणु अधिक स्थिर अवस्था प्राप्त करने के लिए अलग-अलग तरीकों से आपस में जुड़ते हैं।

मोबाइल कैमरा तस्वीर कैसे बनाता है?

आज मोबाइल फोन हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। हम एक क्लिक में तस्वीर खींच लेते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि मोबाइल कैमरा आखिर तस्वीर बनाता कैसे है? इसके पीछे प्रकाश, लेंस, सेंसर और कंप्यूटर तकनीक का अद्भुत मेल काम करता है।

पहला कदम- प्रकाश का प्रवेश

जब हम कैमरा खोलते हैं, तो सामने की वस्तु से परावर्तित प्रकाश मोबाइल के कैमरे के छोटे से लेंस में प्रवेश करता है। लेंस का काम इस प्रकाश को मोड़कर सही दिशा में कैमरा सेंसर तक पहुंचाना होता है। कैमरे का लेंस जितना बेहतर होगा, उतनी ही स्पष्ट और विस्तृत तस्वीर मिलने की संभावना होती है।

दूसरा कदम- सेंसर पकड़ता है रोशनी

लेंस से गुजरने वाला प्रकाश कैमरे के अंदर मौजूद इमेज सेंसर पर पड़ता है। मोबाइल में आमतौर पर एचडीआर सेंसर का इस्तेमाल होता है। सेंसर पर लाखों छोटे-छोटे प्रकाश-संवेदनशील हिस्से होते हैं, जिन्हें सरल भाषा में पिक्सेल से जोड़ा जा सकता है। ये प्रकाश की मात्रा को विद्युत संकेतों में बदलते हैं।

तीसरा कदम- रंगों की पहचान

सेंसर को केवल रोशनी ही नहीं, रंगों की जानकारी भी चाहिए। इसके लिए सेंसर के ऊपर सूक्ष्म रंग फि ल्टर लगाए जाते हैं, जो मुख्य रूप से लाल, हरे और नीले प्रकाश की जानकारी जुटाते हैं। कैमरे का प्रोसेसर इन संकेतों को मिलाकर प्रत्येक हिस्से का रंग निर्धारित करता है।

चौथा कदम- मोबाइल करता है 'कंप्यूटिंग'

यहां से मोबाइल की असली तकनीकी क्षमता सामने आती है। कैमरा प्रोसेसर प्राप्त आंकड़ों को संसाधित करता है। ऑटोफोकस, एक्सपोजर, व्हाइट बैलेंस, एचडीआर और नॉइज रिडक्शन जैसी प्रक्रियाएं तस्वीर को बेहतर बनाने में मदद करती हैं। आधुनिक स्मार्टफोन कई बार एक ही दृश्य की कई तस्वीरें तेजी से लेकर उनके आंकड़ों को मिलाकर अंतिम फोटो तैयार करते हैं।

पिक्सेल बनती है पूरी तस्वीर

अंत में सेंसर और प्रोसेसर से मिली जानकारी डिजिटल रूप में संगठित होती है। लाखों पिक्सेल मिलकर पूरी तस्वीर बनाते हैं। इसलिए तस्वीर को जितना ज्यादा जूम करेंगे, वह छोटे-छोटे पिक्सेल से बनी संरचना के रूप में दिखाई दे सकती है।

शब्द पहेली - 8952

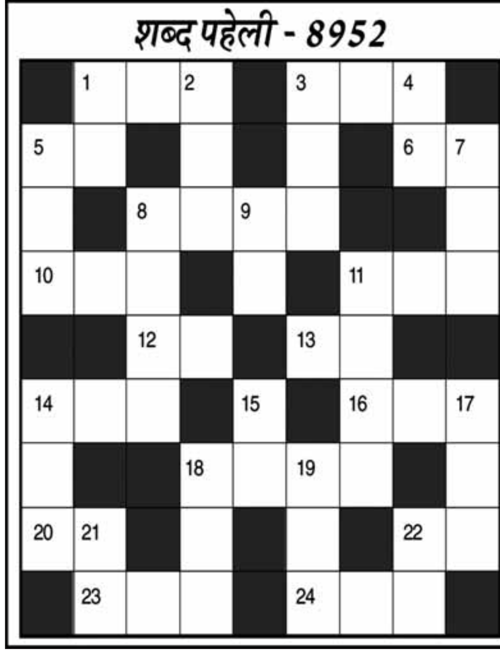

बाएँ से दाएँ

1.सरस्वती-3
3.किनारा,तट-3
5.मूल्य,कीमत-2
6.उस समय-2
8.प्रबंध,व्यवस्था-4
10.नमक-3
11.अधीन,मातहत-3
12.संज्ञा,संबोधन-2
13.मार्ग,रास्ता-2
14.तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16.धुन,आसक्ति-3
18.जमानत-4
20.रहस्य-2
22.पुत्र,तनय-2
23.मुलायम-3
24.गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1.संध्या,सांझ-2
2.असुर,दैत्य-3
3.शोरबा,रसा-3
4.बुरी आदत-2
5.प्रवेश,एडमिट-3
7.वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8.प्रियतम,साजन-4
9.अनाज-2
11.सनसनी,रोमांच-4
14.तृतीय-3
15.सच्चाई,सत्य-2
17.जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18.मुंशी,दीवान-3
19.रवैया,तरीका-3
21.आम जनता-2
22.लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8951 का हल

■	ना	ह	र	■	■	आ	■	सी
राँ	■	म	■	फ	स	ल	■	ल
क	म	ला	क	र	■	म	ही	न
■	■	व	■	क	म	■	र	■
ब	ना	र	स	■	द	र	क	ना
■	जु	■	म	य	■	ख	■	■
अ	क	ल	■	ती	मा	र	दा	री
स	■	क	र	म	■	खा	■	स
ली	■	वा	■	■	ह	व	न	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

ग्राम सभा में चप्पल कांड! सवालों पर भड़कीं सरपंच

ग्राम पंचायत मोवाड़ का मामला, कलेक्टर से शिकायत की तैयारी

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत खैरलांजी की ग्राम पंचायत मोवाड़ में 18 अगस्त को आयोजित ग्राम सभा उस समय हंगामे में बदल गई, जब पंचायत के कामकाज को लेकर ग्रामीणों ने सवाल उठाए। आरोप है कि सवालों से नाराज होकर सरपंच वर्षा पति होलूराम कहालकर ने पहले ग्रामीणों की ओर उंगली दिखाई और फिर पैर से चप्पल उठाकर हाथ में लेते हुए ग्रामीणों की ओर इशारा किया। इस घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैं। जानकारी के अनुसार, ग्राम सभा में सरपंच, उपसरपंच, सचिव, पंच, जनपद पंचायत के अधिकारी और ग्रामीण मौजूद थे। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने सरपंच से पंचायत के कार्यों को लेकर सवाल करते हुए कहा कि जवाब सरपंच स्वयं देंगी, उनके पति नहीं। ग्रामीणों ने पंचायत के कामकाज में सरपंच पति होलूराम कहालकर की कथित भूमिका को लेकर भी सवाल खड़े किए। ग्रामीणों का आरोप है कि इसी बात पर सरपंच वर्षा कहालकर आवेश में आ गईं। वायरल वीडियो में वह पहले सवाल पूछने वालों की ओर उंगली करती और इसके बाद चप्पल उठाकर उनकी ओर इशारा करती नजर आ रही हैं। इसके बाद ग्राम सभा का माहौल गरमा गया और हंगामे की स्थिति बन गई।

कलेक्टर के दरबार में पहुंचेगा मामला

घटना से नाराज ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम सभा में सवाल पूछना उनका अधिकार है। उनके मुताबिक, पंचायत की निर्वाचित सरपंच से जवाब मांगने पर इस तरह चप्पल उठाना ग्राम सभा की गरिमा और मर्यादा के खिलाफ है। ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया कि जब महिला सरपंच निर्वाचित हैं तो पंचायत के कामकाज और सरपंच की कुर्सी में उनके पति का कथित हस्तक्षेप क्यों हो। ग्रामीणों का दावा है कि घटना के बाद ग्राम सभा में ही आवेदन तैयार कर ग्रामीणों के हस्ताक्षर लिए गए हैं। अब एक दो दिवस के भीतर ही जिला कलेक्टर कुमार सत्यम को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच की मांग की जाएगी। वहीं सरपंच वर्षा कहालकर के पति होलूराम कहालकर ने घटना को लेकर अपना पक्ष रखते हुए कहा कि कुछ ग्रामीण उंगली उठाकर अभद्र भाषा में बात कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि कुछ ग्रामीण ग्राम सभा की टेबल तक आकर उसे ठोक रहे थे और सरपंच को लगातार उकसाने की कोशिश की जा रही थी। इसी दौरान माहौल बिगड़ने पर आवेश में आकर चप्पल उठाने की स्थिति बनी। ग्राम सभा में मौजूद लोगों ने घटनाक्रम का वीडियो बना लिया। वायरल वीडियो में कथित तौर पर सरपंच द्वारा पहले ग्रामीणों की ओर उंगली दिखाने और फिर चप्पल उठाने का दृश्य दिखाई दे रहा है। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। एक ओर ग्रामीण इसे ग्राम सभा की मर्यादा से जोड़कर कलेक्टर से जांच की मांग कर रहे हैं, वहीं सरपंच पति का कहना है कि ग्रामीणों के उकसाने और कथित अभद्र व्यवहार के कारण यह स्थिति बनी। अब देखना होगा कि शिकायत के बाद प्रशासन इस पूरे मामले में क्या कार्रवाई करता है।

सावन माह में आस्था का उमड़ा सैलाब ग्राम चीनी से निकली भव्य कांवड़ यात्रा

परसवाड़ा(स्वतंत्र मत)। पवित्र सावन माह में भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना और जलाभिषेक का विशेष महत्व माना जाता है। इसी धार्मिक आस्था और परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ग्राम चीनी के ग्रामीणों द्वारा भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और हर-हर महादेव एवं बोल बम के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो गया। ग्राम चीनी में छोटी सांवरझोड़ी के नाम से प्रसिद्ध चीनी महादेव मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। सावन माह के दौरान यहां भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इसी क्रम में ग्रामीणों ने चीनी महादेव मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और मंदिर परिसर से पवित्र जल लेकर कांवड़ यात्रा का शुभारंभ किया। कांवड़ियों ने कांवड़ में जल लेकर पैदल यात्रा करते हुए सावरझोड़ी कुंड की ओर प्रस्थान किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। जगह-जगह ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाया। पूरी यात्रा के दौरान भक्ति और आस्था का विशेष माहौल देखने को मिला। सावरझोड़ी कुंड पहुंचने के बाद कांवड़ियों ने पवित्र जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इसके पश्चात विधि-विधान से पूजा-अर्चना, आरती एवं प्रार्थना कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। हिंदू धर्म में सावन माह को भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष और पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि सावन में भगवान शिव का जलाभिषेक करने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। इसी धार्मिक भावना के साथ श्रद्धालु सावन के प्रत्येक सोमवार सहित पूरे माह भगवान शिव की पूजा-अर्चना, अभिषेक और उपासना करते हैं। ग्राम चीनी की यह कांवड़ यात्रा भी इसी आस्था और श्रद्धा का प्रतीक रही।

हरियाली अमावस्या पर ग्राम खजरी में हरियाली की गूंज

कटंगी (स्वतंत्र मत)

हरियाली अमावस्या के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, हरित चेतना और जनभागीदारी की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नवांकुर सखी हरियाली यात्रा के अंतर्गत सेक्टर तिरोड़ी के ग्राम खजरी स्थित शिव मंदिर परिसर में सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम जिला समन्वयक महेश पटले एवं विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र भगत के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ देवाधिदेव महादेव के विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजन तथा कलश पूजन के साथ किया गया। उपस्थित अतिथियों का स्वागत छायादार एवं फलदार पौधे भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने नवांकुर सखी हरियाली यात्रा की अवधारणा, उद्देश्य और पर्यावरण संरक्षण में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की महत्वपूर्ण सामाजिक जिम्मेदारी है। इसके बाद कलश यात्रा एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नवांकुर सखियों, समिति पदाधिकारियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न छायादार एवं फलदार पौधे रोपे। इस दौरान रोपित पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण की जिम्मेदारी लेने का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच सुरेंद्र कुमार राहांगडाले, उपसरपंच यशवंत चौहान, ग्राम सचिव गुलाबचंद पटले, विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र भगत, अभ्युदय सामाजिक विकास संस्था के अध्यक्ष संदीप शर्मा, परामर्शदाता अंजू डोंगरे सहित ईमरतचंद्र राहांगडाले, किशनलाल ठाकरे, परसराम नागेश्वर, राहुल पटले, धर्मेंद्र खरे, देवाराम नागफासे, गुरुदयाल बिसेन सहित नवांकुर सखियां, प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

शिवम कॉलेज में अखंड भारत दिवस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने लिया राष्ट्र की अखंडता का संकल्प

कटंगी (स्वतंत्र मत)

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल प्रखंड कटंगी के तत्वावधान में शिवम कॉलेज कटंगी में अखंड भारत दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं के साथ विहिप एवं बजरंग दल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं पूज्य संतों के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इस दौरान देश के विभाजन की त्रासदी और ऐतिहासिक संघर्षों का स्मरण करते हुए युवाओं को राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया। वक्ताओं ने युवा पीढ़ी को भारत की प्राचीन सनातन संस्कृति, ऐतिहासिक गौरव एवं राष्ट्रीय प्रतीकों से परिचित कराते हुए सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने पर जोर दिया। साथ ही समाज में जात-पात, ऊंच-नीच एवं अन्य भेदभाव समाप्त कर सामाजिक समरसता और एकजुटता के साथ सशक्त भारत के निर्माण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति तथा राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए युवाओं को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवम कॉलेज के प्राचार्य रामचरित्र मिश्रा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में प्रांत धर्म प्रसार प्रमुख दिग्विजय सिंह राजपूत उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में युवाओं से राष्ट्र, संस्कृति और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर विहिप जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र अग्रवाल, जिला सह मंत्री सुनील नागौसे, प्रखंड उपाध्यक्ष संतोष पटले, जिला गौ रक्षा प्रमुख विक्की देशमुख, प्रखंड मंत्री विजेंद्र गोलेन्द्र, प्रखंड उपाध्यक्ष सोनु चुटेलकर, बजरंग दल संयोजक निक्की ठाकुर, पूर्व खंड कार्यवाहक शेखर तुरकर एवं प्रखंड धर्म प्रसार प्रमुख सितेन्द्र पालीवाल सहित कॉलेज के छात्र-छात्राएं एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्र के इतिहास, संस्कृति, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

जोहिला डैम के तीन गेट खुले, जिले में 61.6 मिमी बारिश से नदी-नालों में बढ़ा पानी

उमरिया (स्वतंत्र मत)। जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच जोहिला डैम का जलस्तर बढ़ने के बाद प्रबंधन ने तीन गेट खोल दिए हैं। डैम के तीनों गेट 2-2 मीटर तक खोले गए हैं, जिससे कुल 6 मीटर तक पानी निकासी की जा रही है। डैम से पानी छोड़े जाने के बाद आसपास के नदी-नालों में जलस्तर बढ़ने की संभावना बनी हुई है। प्रशासन द्वारा लोगों को नदी और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी जा रही है। जिले में बीते 24 घंटे के दौरान औसतन 61.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। सबसे अधिक बारिश चंदिया तहसील में 86.2 मिमी दर्ज हुई। इसके अलावा बांधवगढ़ में 71.8 मिमी, मानपुर में 37.5 मिमी, पाली में 68.2 मिमी, नौरोजाबाद में 66.6 मिमी, करकेली में 65.8 मिमी तथा बिलासपुर तहसील में 35.1 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। लगातार बारिश के चलते जिले के कई नदी-नालों में पानी का बहाव तेज हो गया है। जोहिला डैम में पानी की आवक बढ़ने के बाद तीन गेट खोले जाने से जल निकासी की जा रही है। बारिश का दौर जारी रहने पर डैम के जलस्तर और गेटों की स्थिति में बदलाव हो सकता है। इस वर्ष अब तक हुई बारिश पिछले साल की तुलना में कम है, लेकिन लगातार सक्रिय मानसून ने एक बार फिर जिले में जलस्तर बढ़ा दिया है। जिले की वार्षिक सामान्य वर्षा 1215.7 मिमी है। ऐसे में मानसून के आगामी दिनों में सक्रिय रहने पर बारिश का आंकड़ा सामान्य वर्षा के करीब पहुंचने की उम्मीद है।

बोदलबेहरा में बाघ के हमले में ग्रामीण घायल

मशरूम संग्रहण के दौरान हुआ हमला, घायल ग्रामीण को बैहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया भर्ती

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

कान्हा टाईगर रिजर्व के वन परिक्षेत्र खापा बफर के अंतर्गत वृत्त मोवाला एवं बीट मोवाला के कक्ष क्रमांक 1106 के बोदल बेहरा क्षेत्र में 17 अगस्त 2026 को सुबह करीब 7 बजे बाघ के हमले में एक ग्रामीण घायल हो गया। घटना के बाद वन विभाग के मैदानी अमले ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घायल ग्रामीण को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बैहर पहुंचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम करेली, पोस्ट करेली, तहसील बैहर निवासी करीब 40 वर्षीय संतोष मेहराम पिता डिमन लाल मेहराम, मशरूम संग्रहण के लिए बफर क्षेत्र के वन में गए थे। इसी दौरान बाघ ने उन पर हमला कर दिया। हमले में ग्रामीण के हाथ, पैर एवं सिर पर चोटें आई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। घटना की सूचना वरिष्ठ वन अधिकारियों को भी दी गई। वन विभाग द्वारा घायल ग्रामीण को नियमानुसार अग्रिम सहायता राशि प्रदान की गई है। इसके साथ ही विभाग द्वारा घटना की परिस्थितियों तथा क्षेत्र में वन्यजीवों की गतिविधियों और उनके संभावित आवागमन मार्गों की जानकारी जुटाई जा रही है। क्षेत्र में निगरानी बढ़ाते हुए ग्रामीणों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर आवश्यक एहतियाती उपाय भी किए जा रहे हैं। वन विभाग ने आसपास के ग्रामीणों से अपील की है कि वे मशरूम संग्रहण अथवा अन्य कार्यों के लिए अकेले जंगल या वन क्षेत्र में न जाएं। वन क्षेत्र में जाते समय विशेष सावधानी बरतें और वन्यजीव दिखाई देने पर उससे सुरक्षित दूरी बनाए रखें। विभाग ने ग्रामीणों से यह भी कहा है कि क्षेत्र में किसी वन्यजीव की गतिविधि अथवा उपस्थिति की जानकारी मिलने पर तत्काल निकटतम वन अमले या वन विभाग को सूचित करें। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों की सुरक्षा के साथ-साथ वन्यजीवों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निगरानी एवं सुरक्षा संबंधी कार्रवाई लगातार की जा रही है।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त के आदेश पर जिले में लगातार छापेमारी, प्रतिबंधित घी सहित मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त

उमरिया (स्वतंत्र मत)

खाद्य सुरक्षा आयुक्त एवं स्थानीय प्रशासन के कड़े निर्देशों के बाद उमरिया जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। विभाग की टीमें लगातार होटल, किराना दुकानों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर रही हैं। कार्रवाई के दौरान संदिग्ध, अमानक एवं प्रतिबंधित खाद्य सामग्री को जब्त कर उसके नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। वहीं, जहां खाद्य सामग्री मानव उपयोग के लिए अनुपयुक्त पाई जा रही है, वहां नियमानुसार नष्टीकरण की कार्रवाई भी की जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग की इस लगातार कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। विभाग द्वारा दुकानदारों और होटल संचालकों को स्पष्ट रूप से सलाह दी जा रही है कि वे प्रतिबंधित घी, मिलावटी खाद्य पदार्थ अथवा अमानक सामग्री का भंडारण और बिक्री न करें। अधिकारियों ने खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी गुणवत्ता, पैकेजिंग, निर्माण एवं उपयोग की अंतिम तिथि सहित आवश्यक जानकारी की जांच करने की भी अपील की है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू वर्मा के अनुसार मंगलवार 18 अगस्त को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नगर के घघरी नाका स्थित संजू बर्मन के होटल में जांच की। निरीक्षण के दौरान लगभग 40 किलो मिल्क केक, लच्छा बर्फी तथा करीब 10 किलो अमानक खोवा पाया गया। खाद्य सामग्री की गुणवत्ता को लेकर संदेह होने पर विभागीय टीम ने इसे जब्त कर लिया। जब्त सामग्री के संबंध में नियमानुसार नष्टीकरण की कार्रवाई की जा रही है। अधिकारी के अनुसार खाद्य सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक नमूने भी लिए जा रहे हैं, ताकि प्रयोगशाला जांच के माध्यम से यह स्पष्ट किया जा सके कि संबंधित खाद्य पदार्थ निर्धारित खाद्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हैं या नहीं। इसी कार्रवाई के दौरान श्रेयांस किराना प्रतिष्ठान से करीब 6 किलो एनएफ गोल्ड घी भी जब्त किया गया है। विभाग द्वारा घी का नमूना लेकर जांच के लिए भोपाल स्थित प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। प्रयोगशाला से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग का कहना है कि जिले में संदिग्ध एवं अमानक खाद्य पदार्थों के संबंध में जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। विशेष रूप से घी, खोवा, मिठाई एवं अन्य दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता पर नजर रखी जा रही है, क्योंकि त्योहारी सीजन के दौरान इन खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका बढ़ जाती है। विभाग द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों से लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। प्रयोगशाला रिपोर्ट में यदि कोई खाद्य पदार्थ निर्धारित मानकों के विपरीत अथवा मिलावटी पाया जाता है, तो संबंधित खाद्य कारोबारी के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा कानून के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने खाद्य कारोबारियों से अपील की है कि वे उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ न करें और केवल मानक एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का ही विक्रय करें। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रतिबंधित घी एवं अन्य अमानक खाद्य सामग्री का भंडारण या बिक्री पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग की लगातार छापेमारी और जब्ती की कार्रवाई से जिले में मिलावट के खिलाफ प्रशासन की सख्ती साफ दिखाई दे रही है।

जन सेवा का कार्य किसी तपस्या और पुण्य से कम नहीं : सुश्री मीना सिंह

मानपुर (स्वतंत्र मत)

जन समस्या निवारण और सभी पात्रों को मिले शास्कीय योजनाओं का लाभ के उद्येश्य को लेकर मानपुर विधायक सघन जनसम्पर्क कार में बड़े तत्पर्यता से जुड़ी रहती हैं, किसी विशेष कार्य, क्षेत्रीय विकास कार्य के मांग को लेकर अथवा बैठक के लिये भोपाल जाना होता है इसके अलावा अपना पूरा समय जन्ता के बीच जन सेवा में लगाना मानपुर विधायक का पहल सदा से सराहनीय रहा है, इन्होंने मध्यप्रदेश शासन के मंत्री पद में रहकर बड़े जवाबदारी और ब्यस्थता के समय पर भी सघन सन सम्पर्क कार्य में जुड़ी रहती थीं, प्रदेश में कांग्रेस सरकार के समय में भी क्षेत्रीय विकास और जन सेवा में कोई कमी नहीं कीं। हमेशा प्रसन्नता पूर्वक जन्ताओं की सुनना, त्वरित समस्या निवारण करनें मे जुड़जाना, समस्या निवारण हुआ कि नहीं बार बार विभागीय समीक्षा करना, क्षेत्र के समस्त विभाग कार्यालयों पहुंच कर पेंडिंग आवेदनों पर त्वरित निराकरण करवाने के लिये समीक्षा करना, जन सेवा कार्य के लिये बीजेपी कार्यक्राओं को प्रेरित करते रहना, फोन के माध्यम से क्षेत्रीय महिला, बच्चे, यूवा, वृध्द लोग एवं सभी वर्ग के लोग जैसे किसान, ब्यापारी, मजदूर लोगों से सीधे जुड़े रहना इनका मुख्य लक्ष्य रहता हैं।द्य स्कूल में बच्चों के बीच पहुंचकर, सड़क किनारे सब्जी बेंच रहे फुटकर अथवा बड़े ब्यापारी हों, स्वास्थ्य केन्द्र में मरीज हों, खेत में काम कर किसान हों अथवा निर्माण कार्य स्थल में मजदूर इन सबसे मिलकर उनके विकास और सुख-दुख की जानकारी का साझा करते हुये समस्या निवारण में जुड़े रहते हैं, कभी आटो में बैठकर ते कभी बस में, ते कभी रास्ता में ही अपनी गाड़ी रोंक कर जन्ताओं से मिलकर उनका और उनके क्षेत्र के समाचार से रूबरू होना उनका दैनिक कार्य है, तभी तो सुश्री मीना सिंह मानपुर विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक बनी हुई हैं। इनके द्वारा हर गुरुवार को उमरिया स्थित आवास पर जन सुनवाई कार्य किया जाता है। जन सम्पर्क कर जन समस्या निवारण के दरम्यान 18 अगस्त मंगलवार को मानपुर के बल्हौंड़ के सांथ कई गाँवो में पहुंच कर जन्ताओं से मिलकर उनके समस्या सुनते हुये समस्या का निवारण करवाया।

समूह ने कलेक्टर को भेंट किया गिफ्ट

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नैनपुर विकासखंड के ग्राम सर्री की स्वदेशी स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर जिला कलेक्टर से सौजन्य मुलाकात की इस अवसर पर समूह की दीदियों ने कलेक्टर को गाय के गोबर से निर्मित पर्यावरण-अनुकूल वैदिक राखी का गिफ्ट हैम्पर भेंट किया कलेक्टर ने इस अभिनव एवं स्वदेशी प्रयास की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की उन्होंने स्थानीय स्तर पर निर्मित इन पर्यावरण-हितैषी राखियों के व्यापक प्रचार-प्रसार और बिक्री को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आगामी आयोजित होने वाली समय-सीमा की बैठक में योजना भवन परिसर में वैदिक राखी का विशेष स्टॉल लगाने के निर्देश दिए हैं।

आबकारी विभाग की दबिश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी सुश्री शैली सैयाम के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा राजस्व विभाग के सहयोग से मण्डला शहर में अवैध शराब के विक्रय एवं संग्रहण के विरुद्ध की गई कार्यवाही के दौरान रमपुरा क्षेत्र में सड़क किनारे एक व्यक्ति के कब्जे से विक्रय के लिए रखी गई देशी एवं विदेशी मदिरा बरामद कर जप्त की गई। इस मामले में आरोपी रतन सिंधिया के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया इसी प्रकार लिमरुआ क्षेत्र में बसंत टेकाम के कब्जे से 5 लीटर कच्ची मदिरा बरामद कर जप्त की गई दोनों मामलों में आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

60 अभ्यर्थियों का चयन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में मारुति सुजुकी मोटर्स गुजरात द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया इसमें आईटीआई के विभिन्न ट्रेडों से पासआउट 85 अभ्यर्थियों ने भाग लिया प्लेसमेंट ड्राइव के दौरान कंपनी द्वारा लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार लिया गया जिसमें सफल 60 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कंपनी द्वारा एक वर्षीय अप्रेंटिसशिप के दौरान स्टाइपेंड के रूप में 21 हजार 200 रुपये प्रतिमाह तथा एफटीसी के लिए 28 हजार 300 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इसके साथ ही अन्य आवश्यक सुविधाएं भी कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी।

कांग्रेस ने किया ध्वजारोहण

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मोहगांव में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मोहगांव अध्यक्ष इकबाल खान द्वारा ध्वजारोहण किया गया तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन किया गया। समारोह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मंडलम अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, बूथ बीएलए ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

पार्षद ने किया ध्वजारोहण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। 15 अगस्त के अवसर पर सिंहवाहिनी वार्ड स्थित बुधवारी चौराहा में भगत सिंह की प्रतिमा में वार्ड पार्षद श्रीमती माया संजय गुप्ता के द्वारा ध्वजारोहण किया गया सांथ ही वार्ड में डिजिटल आंगनवाड़ी में स्वतंत्रता दिवस के प्रथम अवसर पर पार्षद द्वारा ध्वजारोहण किया गया जिसमें आंगनवाड़ी की आशा कार्यकर्ता सहायिका और सभी बच्चे उनके परिजन उपस्थित हुए।

इंजीनियर, डीपीसी, एसी तो कहीं डीईओ की मिलीभगत का खेल

कागजों में बन गए स्कूल, हो गई मरम्मत, सब तरफ सरकारी धन की लूट

मण्डला(स्वतंत्र मत)

शासन स्कूल चलें हम और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के बड़े-बड़े दावे कर रहा है लेकिन मण्डला जिले की जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। जिले के विकासखंड मवई अंतर्गत ग्राम पंचायत देवरीदादर के आश्रित ग्राम झूलनटोला में संचालित प्राथमिक शाला का भवन पिछले कई वर्षों से जर्जर अवस्था में है। छत और दीवारें पूरी तरह टूट चुकी हैं। डिस्मेंटल का आदेश करके अधिकारी नया भवन बनवाना भूल गए हैं। आज तक नए भवन की स्वीकृति नहीं मिली। मजबूरी में बच्चे असुरक्षित खुले आसमान के नीचे या किसी के निजी घर में पढ़ने को मजबूर हैं। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्रामीण जनसुनवाई पहुंचे। अक्टूबर 2024 को सरपंच द्वारा खंड शिक्षा अधिकारी मवई को पत्र लिखा गया। फिर अगस्त 2026 को ग्राम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर शासन से नए भवन की मांग की गई। इसके बावजूद विभाग ने आंखें मूंद रखी हैं। ग्रामवासियों ने बताया कि मुख्यमंत्री

जनविश्वास अभियान के शिविर में भी कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया था पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। शिक्षा विभाग के अधिकारी भले ही आंकड़ों में 100 प्रतिशत नामांकन दिखाए पर हकीकत यह है कि जिले के प्राय: सभी विकासखंडों के स्कूलों में शिक्षकों की कमी जर्जर भवन और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पालकों का कहना है कि जब तक जनप्रतिनिधि और अधिकारी स्कूल का निरीक्षण नहीं करेंगे तब तक स्थिति नहीं सुधरेगी। अगर किसी भी समय छत या दीवाल गिर गई तो जिम्मेदार कौन होगा क्या बच्चों की जान की कोई कीमत नहीं यह सवाल अब हर गांव में गूंज रहा है। विकासखंड मवई के देवरीदादर झूलन टोला में तीन वर्षों से प्राथमिक शाला के लगभग पांच दर्जन बच्चों की पढ़ाई किसी भी ग्रामीण के खुले असुरक्षित आंगन में लगाया जाना ग्रामीणों ने बताया है। इस तरह की परिस्थितियां जिले के सैकड़ों स्कूलों की हैं आवेदन निवेदन सोशल मीडिया, मीडिया के माध्यम से शासन-प्रशासन के सामने अनेक बार लाने के बाद भी कोई सुधार नहीं हो रहा है। वहीं जनपद पंचायत मंडला की ग्राम पंचायत खुडिया के नवीन प्राथमिक शाला कटंगाटोला की तस्वीर भी सामने आई है जो सिस्टम के दावों पर सवाल खड़े करती है यहां पहली से पांचवीं तक के 21 मासूम बच्चे जर्जर स्कूल भवन के डर के बीच पढ़ने को मजबूर हैं भवन की हालत इतनी खराब है कि छत से प्लास्टर गिर रहा है दीवारों में दरारें हैं और जगह-जगह लोहे की सरिया बाहर निकल आई है बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें स्कूल भवन से बाहर गांव के रंगमंच में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है लेकिन विडंबना देखिए जिस रंगमंच में पढ़ाई हो रही है उसके ठीक बाजू में गांव का कूड़ादान है स्कूल भवन की हालत देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां पढ़ने वाले बच्चे किस डर के साये में अपना भविष्य संवार रहे हैं कहीं दीवारों में गहरी दरारें हैं कहीं छत का प्लास्टर गिर रहा है तो कहीं लोहे की सरिया बाहर निकल आई है बारिश के दौरान छत से पानी टपकने की समस्या भी बनी हुई है ऐसे में स्कूल भवन कभी भी किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल के शिक्षकों ने उन्हें जर्जर भवन से बाहर निकालकर गांव के रंगमंच में बैठाना शुरू कर दिया। लेकिन यहां भी समस्या कम नहीं है महज 10 बाय 10 के रंगमंच में तीन शिक्षक अलग-अलग समय पर बच्चों को पढ़ाने को मजबूर हैं। पहली से पांचवीं तक की कक्षाओं की पढ़ाई इसी छोटे से स्थान पर हो रही है ग्रामीण जनसुनवाई से लेकर सरकारी कार्यालयों तक के चक्कर लगा चुके हैं शिक्षकों ने भी अधिकारियों को कई बार स्कूल की स्थिति से अवगत कराया लेकिन अब तक न तो नया भवन मिला और न ही पुराने भवन की मरम्मत कराई गई। स्कूल भवन सन 1996-97 में स्वीकृत हुआ था और पंचायत के माध्यम से बनाया गया था अब भवन की हालत काफी नाजुक है वहीं जिला परियोजना समन्वयक अशोक शुक्ला ने भी माना कि जिले में कुछ स्कूल भवन जर्जर हालत में हैं। उन्होंने मामले को संज्ञान में लेकर आगे आवश्यक कार्यवाही की बात कही है।

विधायक ने चीरी में किया लोकार्पण

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। विधानसभा क्षेत्र निवास में विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक चैनसिंह वरकड़े ने विकासखंड नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत बम्हनी के पोषक ग्राम चीरी में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया विधायक ने ग्राम चीरी में 5 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीसी रोड तथा नर्मदा नदी के तट पर 5 लाख रुपये की लागत से निर्मित सीढ़ी निर्माण कार्य का लोकार्पण किया दोनों विकास कार्यों पर कुल 10 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है इन कार्यों से ग्रामीणों को आवागमन के साथ-साथ नर्मदा तट तक पहुंच और सुविधा का लाभ मिलेगा लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत बम्हनी के सरपंच हरेसिंह मरकाम, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजुल ज्योतिषी, मंडलम अध्यक्ष सुनील मलगाम, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्यामलाल पटेल, रामलाल पटेल, रतनसिंह वरकड़े एवं प्यारी बाई गोठारिया सहित ग्राम पंचायत के सचिव, समस्त पंचगण एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

तुलसीदास जयंती पर दिव्य अनुष्ठान

मण्डला(स्वतंत्रमत)

सावन मास के पावन अवसर पर सकवाह स्थित सूर्यकुंड धाम में रामायण व हनुमान चालीसा के रचियता गोस्वामी तुलसीदास जी की 529वीं जन्मजयंती मनाई गई। इस अवसर पर श्री श्री 1008 ब्रह्मलीन भारती जी महाराज के आशीर्वाद से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी धाम में दिव्य अनुष्ठान आयोजित किया गया। इस दौरान रुद्रावतारी हनुमान जी महाराज का महामंत्र सहस्त्राभिषेक एवं रुद्राक्ष अभियंत्रण विधि-विधान से संपन्न हुआ। अनुष्ठान का शुभारंभ ब्रह्ममुहूर्त में सुबह 3:45 बजे हनुमान लला की महाआरती के साथ हुआ। इसके बाद भगवान श्री गणेश का विधिवत आवाहन कर पूजन-अर्चन किया गया। मंत्रोच्चार के बीच रुद्रावतारी हनुमान जी महाराज का सहस्त्राभिषेक किया गया। इस दौरान पूरे सूर्यकुंड धाम का वातावरण हनुमान जी के जयकारों और वैदिक मंत्रों से भक्तिमय हो उठा। शिवम कृष्णवार्य महाराज, पंडित अभिषेक आचार्य महाराज एवं पंडित कार्तिक तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान की विधिवत संपन्न कराई। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर हनुमान जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में समिति अध्यक्ष देवसिंह सैयाम, संरक्षक भीष्म द्विवेदी, पुरोहित मुरलीधर पंडा एवं मुख्य पुजारी सहित समिति के पदाधिकारी और श्रद्धालु मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं ने निकाली तिरंगा रैली

मण्डला(स्वतंत्रमत)। स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ के गौरवशाली अवसर पर स्थानीय मां रेवती कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा विशाल रैली का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी आयोजन में कॉलेज के समस्त विद्यार्थियों शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अत्यंत उत्साह और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ सहभागिता की। यह पूरा कार्यक्रम संस्था के डॉयरेक्टर डॉ. अभिषेक चौबे एवं प्राचार्या प्रिंसिपल डॉ. कनिका खरे के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस भव्य कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से आयोजित करने रूपरेखा तैयार करने और पूरी पहल को सफल बनाने में कार्यक्रम आयोजक कविता भावसार और दीक्षा कछवाहा ने मुख्य भूमिका निभाई। रैली के पश्चात कॉलेज परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें देशभक्ति से ओत-प्रोत कविताओं और ओजस्वी भाषणों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। इस अवसर पर कॉलेज का समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सीआरपीएफ ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

मण्डला(स्वतंत्रमत)। 148वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यालय पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में बटालियन के अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदेमातरम के सामूहिक से गायन किया गया। तत्पश्चात् आलोक वीर यादव पीएमजी कमाण्डेन्ट, 148वीं बटालियन सीआरपीएफ द्वारा क्वार्टर गार्ड पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी गई। कमाण्डेन्ट ने अपने संबोधन में देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों वीर शहीदों एवं राष्ट्रनिर्माताओं को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके त्याग बलिदान एवं देशभक्ति को याद किया। इस अवसर पर बटालियन के वीरता पदक एवं अन्य महत्वपूर्ण पदकों से सम्मानित अधिकारियों एवं जवानों के नाम भी पढ़कर सुनाए गए तथा उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं उत्कृष्ट सेवाओं को सराहा गया। इस अवसर पर प्रमोद कुमार यादव द्वितीय कमान अधिकारी, मनोरंजन कुमार उप कमाण्डेन्ट सहित बटालियन के अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को भेंट की चादर

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)

नगर के सामाजिक धार्मिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहे प्रतिष्ठित पूर्व पत्रकार किसान नेता पूर्व मंडी अध्यक्ष तथा मध्य प्रदेश शासन में पूर्व कृषि विशेषज्ञ एवं भारतीय जनता पार्टी के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन कर चुके स्व. सुनील नामदेव के जन्मदिवस पर शुभचिंतकों एवं मित्रों द्वारा भावपूर्ण स्मरण किया गया इस अवसर पर भुआ बिछिया घुटास रोड स्थित कल्याण आश्रम एकलव्य आदिवासी आवासीय परिसर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया कार्यक्रम में नगर के प्रतिष्ठित नागरिकों तथा राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने सहभागिता की। वक्ताओं ने स्व.सुनील नामदेव के साथ बिताए अपने संस्मरण साझा करते हुए उनके व्यक्तित्व सामाजिक सरोकारों सेवा भावना और समाज के प्रति समर्पण को याद किया। जन्मदिवस के अवसर पर कल्याण आश्रम में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति समुदाय के जरूरतमंद विद्यार्थियों को उनके शुभचिंतकों एवं मित्रों द्वारा बिछाने के लिए चादरें प्रेमपूर्वक भेंट की गईं। कार्यक्रम में कल्याण आश्रम अध्यक्ष आजाद चौबे सहित वरिष्ठ व्यापारी यशवंत बजाज, जगदीश ठाकुर, सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य राम बहोरी पटेल, सामाजिक कार्यकता राजेंद्र साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट, राकेश यादव, कैलाश डेहरिया, जमुना यादव, नरेश सार्वे, पलेश यादव, लड्डू डेहरिया, सुदेश नामदेव, जितेंद्र यादव, योगेश यादव, अतुल कटारे, राजेंद्र यादव, अनुज उपाध्याय, नरेंद्र धुर्वे, नैनसिंह सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुक्तिधाम की गौशाला में लगातार गायों की मौत

गौशाला को अन्यत्र स्थानांतरित करने पर भी चर्चा

नैनपुर(स्वतंत्र मत)

नगर में विचरण कर रहे आबारा निराश्रित, घटना दुर्घटना में घायल हुए पशु को नगरपालिका परिषद के द्वारा प्रस्ताव पारित कर मुक्तीधाम के पिछले हिस्से में जेसे तेसे स्थान बनाकर पशुओं की देखभाल के साथ साथ डाक्टर से उपचार कराते आ रहे हैं। इस गोशाला में नगर के बुद्धिजीवी वर्ग भी अपना योगदान प्रति दिन देकर गोमाता की सेवा करते देखे जा रहे हैं । वर्षा काल में पशुओं को अनेक गम्भीर बीमारियों से जूझना पड़ता है । नगरपालिका के द्वारा इनका उपचार करनाकराना निर्धारित किया गया है किन्तु वृद्ध उम्र दराज पशुओं को इस वर्षा काल के दौरान उपचार के बावजूद भी डाक्टरो के द्वारा बचाया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है। जबकि पशु सेवकों के द्वारा डाक्टरो के सहयोग से उपचार व उपयुक्त दबाइया देकर उन्हें सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता आ रहा है। परंतु दुर्भाग्य बस रोगी पशुओ की मोत होती आ रही हैं ।

पशुओं की मृत्यु संख्या को देखते हुए एसडीएम महादेव सिंह ठाकुर के द्वारा चिन्ता जताते हुए गौशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों एंव संचालक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान गौशाला को अन्य स्थान पर विस्थापित करने के संबंध में भी चर्चा की गई। फिलहाल कुछ दिनों के लिए गौशाला को प्रतिबंधित क्षेत्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ताकि मुक्तिधाम में पशु यहाँ वहाँ न जाये। साथ ही गौशाला की क्षमता से अधिक पशु आने की स्थिति में अतिरिक्त पशुओं को दूसरी गौशाला में विस्थापित करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने गौवंश के उचित स्वास्थ्य परीक्षण, उनकी देखभाल और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। प्रशासन का उद्देश्य गौशाला में मौजूद पशुओं को बेहतर व्यवस्था और उचित उपचार उपलब्ध कराना है। इस दौरान नपा अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, नपा पार्षद और प्रभारी सीएमओ अरूण यादव मौजूद रहे। जाहिर है कि नगर में आवारा पशुओं की उचित देखभाल के मद्देनजर स्थानीय मुक्ति धाम में एक अस्थाई गौशाला स्थापित की गई थी। मगर पिछले एक माह से यह गौवंश की लगातार हो रही मौतों से नपा और स्थानीय प्रशासन चिंतित नजर आ रहा है। अब यहां उचित व्यवस्थाओं पर बल दिया जा रहा है। साथ ही पशुओं के निरन्तर स्वास्थ्य जांच और अन्य आवश्यक कदम उठाए जाने निर्देशित किया गया है।

नैनपुर में नागपुर के डॉ. ममतानी द्वारा आयुर्वेदिक रोग निदान शिविर का आयोजन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। पूज्य सिंधी पंचायत नैनपुर व आरोग्यधाम हेल्थकेयर सोसायटी, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. ममतानी दंपति द्वारा घर-घर में आयुर्वेद पहुंचाने के उद्देश्य से अलग-अलग स्थानों पर नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किये जा रहे है। इसी तारतम्य में 306 वां भव्य आयुर्वेदिक रोग निदान शिविर 22 अगस्त शनिवार को 11 बजे से 4 बजे तक पूज्य सिंधी धर्मशाला वार्ड नं.11 नैनपुर में आयोजित किया जा रहा है। पूज्य सिंधी पंचायत अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि जीकुमार आरोग्यधाम के संचालक डॉ. जी. एम. ममतानी व डॉ. अंजू ममतानी के अनुसार शिविर में संधिवात, लकवा, गठियावात, गाऊट, साइटिका, स्नायु पीड़ा, ऑस्टियोपोरोसिस, स्पांडिलाइटिस, स्लिपडिस्क, पी.आय.डी, फ्रोजन शोल्डर, मस्क्यूलर डिस्ट्रॉफी, पोलियो, एवैस्कुलर नेक्रोसिस (ड्ढ्ठ्ठ), कंपवात, ऑस्टियो आर्थराइटिस, कमरदर्द, घुटने का दर्द, लिगामेंट इंज्युरी, डायबिटीज, हृदय रोग, हाइपरटेंशन, हाइपरकोलेस्ट्रोल, मिर्गी, माइग्रेन, साइनोसाइटिस, दमा, पुरानी सर्दी, खांसी, थायराइड विकार, वैरिकोज वेन्स, एसिडिटी, अल्सर, कब्ज, अल्सरेटिव कोलाइटिस, इरिटेबल बोवेल सिंड्रोम (ड्ढ.क्क्स.) एलर्जी, उदर विकार, किडनी व प्रोस्टेट विकार, बवासीर, पथरी, सोरिएसिस, सफेद दाग, चर्मरोग, एक्जिमा, मानसिक विकार, नींद न आना, डिप्रेशन, एन्जाइटी, रक्तप्रदर, श्वेतप्रदर, कष्टार्तव, बांझपन (संतान न होना), स्त्रीरोग, सौंदर्य समस्याएं, मुंहासे, झाइयां, मोटापा, दुबलापन, बालों का झड़ना, असमय बाल सफेद होना सहित अन्य रोगों का नि:शुल्क आयुर्वेदिक पंचकर्म चिकित्सा परामर्श दिया जाएगा। अध्यक्ष चंद्र कुमार नागपाल व सचिव श्री नानकराम नागरानी के अनुसार शिविर में आए हुए रुग्णों का चेकअप, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर इत्यादि जांच फ्री व स्वास्थ्य वाटिका पत्रिका नि:शुल्क दी जाएगी। शिविर स्थल पर अपना पंजीकरण करें। इसके पहले जीकुमार आरोग्यधाम (नागपुर) में फोन नं. 0712- 2645600, 2646600, 9373397258 पर भी रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

छिंदवाड़ा- नैनपुर-मंडलाफोर्ट पैसेंजर की समय-सारणी में बदलाव

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 58823 छिंदवाड़ाङ्कमंडलाफोर्ट पैसेंजर के परिचालन समय में संशोधन किया गया है। यह संशोधित समय-सारणी 22 अगस्त 2026 से प्रभावी होना बताई जा रही है। संशोधित समय के अनुसार गाड़ी संख्या 58823 अपने प्रारंभिक स्टेशन छिंदवाड़ा से सुबह 07:15 बजे रवाना होकर सिवनी स्टेशन आगमन 08:45 बजे और प्रस्थान 08:50 बजे होगा। जबकि नैनपुर जंक्शन आगमन 11:20 बजे और प्रस्थान 11:30 बजे होगा। उक्त ट्रेन मंडला फोर्ट स्टेशन पर 12:30 बजे पहुंचेगी। इस प्रकार संशोधित समय-सारणी के अनुसार गाड़ी संख्या 58823 छिंदवाड़ा से 07:15 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों एवं हॉल्ट पर निर्धारित ठहराव के बाद 12:30 बजे मंडला फोर्ट पहुंचेगी। इस प्रकार गाड़ी संख्या 11202 शहडोल नागपुर एक्सप्रेस से जबलपुर से नैनपुर जंक्शन आकर यात्री को मंडला फोर्ट जाने के लिए इस पैसेंजर से यात्रा करने की विशेष सुविधा मिलने लगेगी।

संपादकीय

एफसीआरए का क्या होगा?

एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियामक अधिनियम) संशोधन बिल को संयुक्त संसदीय समिति के पास विचारार्थ भेजे जाने के साफ मायने हैं कि यह बिल लटक गया। बेशक जेपीसी में भाजपा-एनडीए सांसदों का बहुमत है और अध्यक्ष भी उन्हीं का है, लेकिन विमर्श, सार्वजनिक प्रतिक्रियाओं, प्रभावित क्षेत्रों-संगठनों के तर्क और पक्ष-विपक्ष की टकरावपूर्ण राजनीति के मद्देनजर बिल पर सम्यक विचार करने में 4-6 महीने का वक्त लगना स्वाभाविक है। जेपीसी की रपट के बाद भी संसद में सहमति बन पाएगी और बिल सहजता से पारित होगा, इसके आसार नगण्य हैं। इस कानून में संशोधन करना और उसे सख्ती से लागू करना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि एफसीआरए के जरिए देश की सुरक्षा, संप्रभुता, लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिशें जारी रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ दुराग्रही अभियान और 'नवजात' कॉकरोच जनता पार्टी आदि को भी विदेशी पैसा मिलता रहा है। यह कोई छिपा हुआ रहस्य नहीं है, बेशक कोई कुछ भी स्पष्टीकरण देता रहे या दावे करे, लेकिन विदेशी फंडिंग मिलती रही है। अमरीका, ब्रिटेन के कौन से फाउंडेशन और संगठन भारत में देश-विरोधी हरकतों को पैसा दे रहे हैं, उनके ब्यौरे स्पष्ट हैं। भारतीय स्टेट बैंक और केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास तमाम रिकॉर्ड दर्ज हैं। अमरीकी फंडिंग भारत में उसके राजदूत सर्जियो गोर के जरिए भी मिलती रही है। एफसीआरए में स्पष्ट प्रावधान है कि राजनेता, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार, जज-न्यायाधीश, सरकारी कर्मचारी और पत्रकार आदि विदेशी अंशदान नहीं ले सकते। गृह मंत्रालय ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उनमें 15,491 डॉलर 'कॉकरोच' के नाम भी दर्ज हैं। पुणे में पूर्व न्यायाधीशों और न्यायविदों के एक ताकतवर एनजीओ को भी विदेशों से पैसा मिलता रहा है। भारत में औसतन 18,500-22,963 करोड़ रुपए सालाना की विदेशी फंडिंग आती रही है। कुल 52,159 एनजीओ पंजीकृत किए गए थे। उनमें से अब 14,455 ही सक्रिय हैं। 22,498 एनजीओ के लाइसेंस रद्द कर दिए गए और 15,206 संस्थाओं के लाइसेंस 'डीम्ड एक्सपायर्ड' माने गए। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि पांच साल की अवधि पूरी होने के बाद लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया गया। अमरीका के संगठनों, सांसदों और ईसाई प्रतिनिधियों ने एफसीआरए संशोधन बिल का सबसे अधिक विरोध किया है। अमरीकी कांग्रेस (संसद) में यहां तक धमकी दी गई कि यदि यह संशोधन बिल भारतीय संसद में पारित किया जाता है, तो 'रणनीतिक साझेदारी' के संबंध प्रभावित होंगे। क्या अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ऐसा जोखिम उठा सकते हैं? भारत में भी कांग्रेस समेत लगभग सभी विपक्षी दलों ने बिल के विरोध के ऐलान किए हैं। उन्होंने बिल को 'अल्पसंख्यक-विरोधी' करार दिया। ईसाई समुदाय के प्रतिनिधि गृहमंत्री अमित शाह से मिले। उन्हें आश्वस्त किया गया कि बिल किसी के भी खिलाफ नहीं है। अलबत्ता विदेशी फंडिंग को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह, निश्चित काम के लिए अंशदान, देशहित तय करने की व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, लिहाजा यह बिल जरूरी है। यह भी साफ किया कि विदेशी फंडिंग किसी भी तरह के 'धर्मान्तरण' के लिए नहीं होगी। एफसीआरए उसे सिर्फ कानूनी रूप देगा और नियंत्रित करेगा कि पैसा किसलिए बाहर से आया है? देश में सबसे अधिक एनजीओ 2104 तमिलनाडु में सक्रिय हैं। उनमें से कुछ ने कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना का जमकर विरोध किया था। महाराष्ट्र में 1583 एनजीओ सक्रिय हैं, लेकिन जिन एनजीओ, संस्थाओं के एफसीआरए लाइसेंस रद्द किए गए, उनमें बिहार सबसे ऊपर है। उसके अलावा, उप्र, नगालैंड, त्रिपुरा, महाराष्ट्र, मणिपुर, पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक लाइसेंस रद्द किए गए। सवाल सुरक्षा, संप्रभुता, लोकतांत्रिक ढांचे का है।

जयंती पर विशेष

संस्कारधानी की यादों में आज भी जीवंत हैं राजीव गांधी

अमित कुमार भट्टाचार्य

संस्कारधानी जबलपुर की राजनीतिक स्मृतियों में कुछ घटनाएं ऐसी हैं, जिनका जिक्र होते ही पूरा एक दौर आंखों के सामने जीवंत हो उठता है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जबलपुर से ऐसा ही गहरा राजनीतिक और भावनात्मक जुड़ाव रहा है। वर्ष 1985 और 1991 में उनके दो चुनावी दौरे आज भी संस्कारधानी के राजनीतिक इतिहास की चर्चित घटनाओं में गिने जाते हैं। एक ओर सिविक सेंटर की विशाल सभा थी, तो दूसरी ओर 1991 का वह ऐतिहासिक रोड शो, जिसमें उमड़ा जनसैलाब लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में बना रहा। इन आयोजनों के प्रत्यक्षदर्शी आज भी उन दिनों को याद करते हुए बताते हैं कि राजीव गांधी को देखने और सुनने के लिए शहरवासियों में किस तरह का उत्साह था।

सिविक सेंटर में उमड़ा जनसैलाब

वर्ष 1985 में कांग्रेस प्रत्याशी कर्नल अजय नारायण मुश्रान के चुनाव प्रचार के लिए राजीव गांधी पहली बार जबलपुर पहुंचे थे। उस समय वे देश के सबसे लोकप्रिय युवा नेताओं में शुमार थे। सिविक सेंटर में आयोजित उनकी जनसभा को लेकर शहर में विशेष उत्साह दिखाई दिया। सभा में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग राजीव गांधी को सुनने के लिए जबलपुर आए। उस दौर में देश की राजनीति एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही थी। युवा नेतृत्व, आधुनिक सोच और तकनीक के माध्यम से भारत को नई दिशा देने की बात राजीव गांधी के राजनीतिक व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी थी। जबलपुर की सभा में भी उन्हें सुनने के लिए लोगों की उत्सुकता देखते ही बनती थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सभा समाप्त होने के बाद भी काफी समय तक लोगों के बीच राजीव गांधी के भाषण और उनके व्यक्तित्व की चर्चा होती रही। उनके सहज व्यवहार और युवा नेतृत्व की छवि ने उस समय विशेष रूप से युवाओं को प्रभावित किया था।

जब सड़कों पर उमड़ पड़ा शहर

राजीव गांधी का 1991 का जबलपुर दौरा उनके राजनीतिक जीवन और शहर की स्मृतियों में और भी विशेष स्थान रखता है। यह लोकसभा चुनाव का समय था और वे कांग्रेस प्रत्याशी श्रवण भाई पटेल के समर्थन में चुनाव प्रचार के लिए जबलपुर पहुंचे थे। डुमना एयरपोर्ट से जैसे ही राजीव गांधी का काफिला शहर की ओर बढ़ा, सड़कों पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी। हजारों लोग अपने लोकप्रिय नेता की एक झलक पाने के लिए घंटों पहले से सड़क किनारे खड़े थे। उस समय संचार के आधुनिक साधन आज की तरह व्यापक नहीं थे, लेकिन राजीव गांधी के आगमन की खबर ने शहर में ऐसा उत्साह पैदा किया कि लोग स्वत: ही रास्तों पर जमा होते चले गए।

डुमना से सुपर मार्केट तक का यह रोड शो जबलपुर के राजनीतिक इतिहास की यादगार घटनाओं में शामिल हो गया। भीड़ इतनी अधिक थी कि सुरक्षा कारणों से राजीव गांधी को रास्ते में कई बार अपना वाहन बदलना पड़ा। उनके काफिले के गुजरने के दौरान सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों में उन्हें करीब से देखने की होड़ दिखाई देती थी।

जबलपुर से शुरू हुई अंतिम चुनावी यात्रा

1991 का जबलपुर दौरा इसलिए भी ऐतिहासिक बन गया कि यह राजीव गांधी के जीवन की अंतिम चुनावी यात्राओं की कड़ी में शामिल था। जबलपुर से वे दक्षिण भारत में चुनाव प्रचार के लिए रवाना हुए थे। इसके कुछ ही दिनों बाद 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक आत्मघाती बम विस्फोट में उनकी हत्या कर दी गई। राजीव गांधी की हत्या की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। जबलपुर के लोगों के लिए यह सदमा और भी गहरा था, क्योंकि कुछ दिन पहले ही हजारों लोगों ने उन्हें अपने बीच देखा था। जिन सड़कों पर उनका काफिला गुजरा था, जिन लोगों ने उन्हें हाथ हिलाकर अभिवादन किया था और जिन कार्यकर्ताओं ने उनके कार्यक्रम में भाग लिया था, उनके लिए यह खबर लंबे समय तक अविश्वसनीय बनी रही। एक लोकप्रिय युवा नेता, जिसे लोगों ने कुछ दिन पहले ही शहर की सड़कों पर देखा था, अचानक इतिहास का हिस्सा बन गया था।

प्रत्यक्षदर्शियों की स्मृतियों में वह दौर

वरिष्ठ राजनीतिज्ञयों और पत्रकारों की स्मृतियों में भी इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की चुनावी सभाओं का दौर आज तक जीवंत है। उस समय इन नेताओं की सभाओं में भीड़ जुटाने के लिए अलग से बहुत अधिक प्रयास नहीं करना पड़ता था। लोग स्वयं बड़ी संख्या में पहुंचते थे। उनका मानना है कि उस समय राष्ट्रीय नेताओं की सभाओं का चुनावी माहौल पर गहरा प्रभाव पड़ता था। भाषण केवल चुनावी अपील नहीं होते थे, बल्कि वे

राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और भविष्य को लेकर लोगों के बीच चर्चा का विषय बनते थे। राजीव गांधी की सभाओं में युवाओं की विशेष रुचि दिखाई देती थी। आज की पीढ़ी के लिए शायद यह कल्पना करना कठिन हो कि किसी राष्ट्रीय नेता को सुनने के लिए हजारों लोग घंटों सड़क किनारे खड़े रहते थे। लेकिन उस दौर के प्रत्यक्षदर्शियों की यादों में यह तस्वीर आज भी उतनी ही स्पष्ट है।

युवा भारत के सपनों का चेहरा थे राजीव गांधी

राजीव गांधी भारतीय राजनीति में ऐसे समय में आए, जब देश बदलाव की नई आकांक्षाओं से गुजर रहा था। उनके व्यक्तित्व में एक ओर नेहरू-गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत थी, तो दूसरी ओर आधुनिक तकनीक और युवा भारत के सपनों को लेकर उनका अपना दृष्टिकोण था। कंप्यूटर, दूरसंचार और तकनीकी शिक्षा को लेकर उनकी सोच ने उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित किया, जो भारत को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने की बात करता था। उस दौर में तकनीक को लेकर उनके विचार आज के डिजिटल भारत की पृष्ठभूमि को समझने में भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। जबलपुर जैसे ऐतिहासिक और शैक्षणिक महत्व वाले शहर में उनके प्रति युवाओं और शिक्षित वर्ग की दिलचस्पी स्वाभाविक रूप से दिखाई देती थी। उनके भाषणों में आधुनिक भारत, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विकास की बातें लोगों को आकर्षित करती थीं।

यादों में सुरक्षित वह चेहरा

आज कई दशक बीत चुके हैं। उस दौर के अनेक चेहरे बदल गए, शहर का स्वरूप बदल गया और राजनीति का अंदाज भी बदल गया। लेकिन जिन लोगों ने राजीव गांधी को सिविक सेंटर में सुना था या 1991 में डुमना से सुपर मार्केट तक सड़क किनारे खड़े होकर उनका रोड शो देखा था, उनके लिए वे दृश्य आज भी कल की तरह हैं। जबलपुर की राजनीतिक स्मृतियों में राजीव गांधी की ये यात्राएं इसलिए हमेशा याद की जाती रहेंगी, क्योंकि वे केवल एक नेता के चुनावी दौरे नहीं थीं, वे एक दौर की राजनीति, जनता के उत्साह और बदलते भारत के सपनों की जीवंत तस्वीर थीं। राजीव गांधी का जबलपुर से रिश्ता भले ही समय की दृष्टि से बहुत लंबा न रहा हो, लेकिन उनकी यात्राओं ने शहर की राजनीतिक स्मृति पर गहरी छाप छोड़ी। 1985 की सभा ने उनके युवा नेतृत्व की लोकप्रियता दिखाई और 1991 का रोड शो उनकी लोकप्रियता के चरम तथा उनके जीवन के अंतिम चुनावी दौर का साक्षी बना।

जब दिव्यांग तक पहुँचा, राजीव जी का दिल

जबलपुर की वह तस्वीर आज भी स्मृतियों में जीवंत है। राजीव गांधी डुमना एयरपोर्ट से चुनावी यात्रा पर आगे बढ़ रहे थे। सड़क के दोनों ओर हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी थी। हर कोई अपने प्रिय नेता की एक झलक पाने को आतुर था। इसी भीड़ में सड़क किनारे, लोगों के पैरों के पास एक दिव्यांग युवा हाथ में माला लिए राजीव जी के आने की प्रतीक्षा कर रहा था। राजीव जी का काफिला आगे बढ़ रहा था, लेकिन उनकी नजर भीड़ के बीच बैठे उस युवा पर पड़ गई। शायद भीड़ में वह सबसे पीछे था, लेकिन राजीव जी की नजरों में वह सबसे आगे आ गया। उन्होंने तत्काल काफिला रुकवाया।

राजीव जी स्वयं उसके पास पहुंचे। उस दिव्यांग युवा से हाथ मिलाया, उसका अभिवादन स्वीकार किया और फिर उसे स्नेहपूर्वक गले लगा लिया। उस क्षण मानो राजनीति, पद और प्रोटोकॉल सब पीछे छूट गए थे। सामने केवल एक संवेदनशील इंसान था, जो दूसरे इंसान के मन की भावनाओं को समझ रहा था। जिस युवा के हाथ में राजीव जी के लिए माला थी, उसी के गले में सम्मान और अपनत्व की ऐसी माला पड़ गई, जिसे वह शायद जीवनभर नहीं भूल पाया होगा।

राजीव गांधी जी की यही संवेदनशीलता उन्हें भीड़ में भी अलग पहचान देती थी। वे केवल मंच से जनता को संबोधित नहीं करते थे, बल्कि जनता के बीच छिपे उस चेहरे को भी पहचान लेते थे, जिसे बाकी दुनिया अक्सर अनदेखा कर देती है। आज जब उस प्रसंग को याद करते हैं, तो आंखें नम हो जाती हैं और मन कह उठता है, नेता बहुत आते हैं, लेकिन दिल से जनता को छू लेने वाले विरले ही होते हैं। राजीव जी उन्हीं विरले नेताओं में से एक थे।

वंदे मातरम् प्रेम : हकीकत या फसाना

नर्मल रानी

राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर 2026 के नये सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम बजाना और सभी के लिए सम्मान में खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही औपचारिक अवसरों पर इसके सभी छह छंदों को गाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपक्ष सहित कुछ अन्य संगठन इस अनिवार्य प्रोटोकॉल को संविधान के अनुच्छेद 25 अर्थात व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हैं। बहरहाल, इन सब के बावजूद वंदेमातरम को संसद में और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लाल क़िले पर गाया गया ॥ बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा1875 में मूल रूप से बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखे इस गीत के शब्द काफ़ी कठिन हैं। 6 छंदों पर आधारित यह गीत काफ़ी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं।

समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीवीज़न लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को वंदे मातरम् गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फ़ोन में देखने के बावजूद गीत की ग़लत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने वंदे मातरम् की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर में भाजपा के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, मंच पर राष्ट्रगीत गाते समय ग़लत धुन और ग़लत वर्जन बज गया। कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं, जहाँ वे वंदे मातरम् और राष्ट्रगान के बीच अंतर करने में भ्रमित हो जाते हैं या गीत की पंक्तियों को आपस में मिला देते हैं। हाल ही में गुज़रे संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जब वंदे मातरम् को लेकर नया क़ानून और राष्ट्रगीत विवाद गरमाया, तो विपक्ष ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि जिन्होंने वंदे मातरम् को लेकर कड़े क़ानून बनाये हैं, हक़ीक़त यह है कि उनके अपने नेताओं-मंत्रियों को भी यह गीत पूरा याद नहीं है।

उधर मुस्लिम समुदाय के भीतर इस गीत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण और विचार हैं। हालाँकि समग्र मुस्लिम समाज वंदे मातरम् गायन का विरोध नहीं करता है परन्तु समाज के कुछ लोग या कुछ धार्मिक संगठन इसके पूरे पाठ या कुछ विशिष्ट छंदों का विरोध करते हैं। जबकि अनेक अन्य मुस्लिम नागरिक,प्रतिष्ठित लोग और कलाकार इसे देशभक्ति के प्रतीक के रूप में सहजता से गाते भी हैं। दरअसल मुसलमानों के एक वर्ग के वंदे मातरम् का विरोध करने के पीछे मुख्य रूप से धार्मिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक कारण हैं। एकेश्वरवाद के सिद्धांत पर आधारित इस्लाम धर्म में केवल एक अल्लाह की इबादत की अनुमति है। जबकि वंदे मातरम् का शाब्दिक अर्थ माँ, मैं आपकी वंदना/पूजा करता हूँ होता है जहाँ देश को एक देवी दुर्गा के रूप में चित्रित किया गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे धार्मिक संगठनों का मानना है कि अल्लाह के अलावा किसी भी अन्य सत्ता, भूमि या मूर्ति के सामने झुकना या उसकी पूजा करना उनके धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। कुछ इतिहासकारों और मुस्लिम विचारकों का मानना है कि इस उपन्यास की पृष्ठभूमि और कुछ अंशों में मुस्लिम विरोधी भावनाएं निहित थीं, जिससे इस गीत को लेकर ऐतिहासिक रूप से एक संशय पैदा हुआ। कई मुस्लिम नेताओं और क़ानूनी विशेषज्ञों का यह तर्क भी है कि भारत का संविधान अनुच्छेद 19 और 25 नागरिकों को अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उनका कहना है कि देशभक्ति साबित करने के लिए किसी को भी ऐसा गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए जो उनकी धार्मिक आस्था से टकराता हो। हालांकि इस विषय पर मुस्लिम समाज भी एकमत नहीं है। कुछ उलेमाओं का मानना है कि इसके छंदों में मूर्तिपूजा और देवी स्वरूप की स्तुति शामिल है, इसलिए वे इसे गाने से परहेज़ करते हैं। यही वजह थी कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1937 में कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए ही इस गीत के केवल शुरुआती दो छंदों को ही राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया था। पहले दो छंदों में देश की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन है, जिस पर कई प्रगतिशील मुस्लिम संगठनों को कोई आपत्ति नहीं है। जबकि कई उदारवादी मुस्लिम, आम नागरिक और कलाकार इसे बिना किसी धार्मिक चश्मे के केवल अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम के रूप में देखते हैं। जैसे कि संगीतकार ए.आर. रहमान द्वारा गाया गया मां तुझे सलाम वंदे मातरम बेहद लोकप्रिय है। ऐतिहासिक रूप से भी, स्वतंत्रता संग्राम जैसे कि 1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जैसे महान मुस्लिम नेताओं ने इस गीत और नारे का खुलकर समर्थन किया था। वर्तमान में भी यह मुद्दा पूरे मुस्लिम समाज का नहीं, व्यक्तिगत धार्मिक प्राथमिकताओं और आस्था से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

परन्तु आज जब देश का बड़ा वर्ग ख़ासकर युवा शिक्षा की होती दुर्गति, पेपर लीक, भयंकर बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार, दयनीय स्वास्थ सेवाओं, बेतहाशा बढ़ती मंहगाई, मंदिर दान चोरी आदि से दुखी होकर सड़कों पर उतर रहा है। आज जब भारत में बाल कुपोष की यह स्थिति है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार हर दूसरा भारतीय बच्चा कुपोषित है,देश का ग़रीब व्यक्ति और ग़रीब होता जा रहा है,ख़ुद सरकारी दावों के अनुसार 80 करोड़ लोग सरकार के 5 किलो मुफ़्त राशन पर आश्रित है। ऐसे में क्या वंदे मातरम गाने से लोगों को बेहतर ज़िन्दगी मिल सकेगी, उनका जीवन स्तर ऊपर उठ सकेगा? या फिर भाजपा इसे अपने राजनैतिक स्वभाव के अनुरूप मात्र हिन्दू मुस्लिम के बीच का भावनात्मक मुद्दा बनाकर उछालना चाह रही है? वह भी तब जबकि इसके अपने अधिकांश सांसद व नेता न तो वंदे मातरम गा सकते हैं न ही उन्हें कंठस्थ है। दरअसल भाजपा द्वारा वंदे मातरम के प्रति प्रेम प्रदर्शन के पीछे की हक़ीक़त कुछ और है और फ़साना कुछ और।

चिंतन मनन

ध्वनि तंरगों से रोगों का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

डोनाल्ड ट्रंप को क्यों भा गया भारतीय निर्वाचन आयोग?

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो भारत के साथ टैरिफ पर टैरिफ खेल रहे थे अचानक युद्ध छोड़कर भारत की चुनाव व्यवस्था और मतदाता पहचान प्रणाली यानी भारतीय निर्वाचन आयोग को पंसद कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि हाल ही में अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी चुनाव व्यवस्था की तुलना भारतीय चुनाव मतदाता पहचान प्रणाली से की है। ट्रंप ने भारत के विशाल चुनावी तंत्र, फोटो पहचान-पत्र की व्यवस्था और सीमित डाक मतपत्र व्यवस्था को अमेरिका के लिए उदाहरण के रूप में पेश किया। उन्होंने भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से कथित बातचीत का भी उल्लेख किया, हालांकि इस बातचीत का स्वतंत्र सार्वजनिक रिकॉर्ड अभी स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया है।

अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान केवल भारत की चुनाव प्रणाली की प्रशंसा भर नहीं है। इसके पीछे अमेरिकी राजनीति, मतदाता पहचान, चुनावी पारदर्शिता और आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की राजनीति भी दिखाई देती है। सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि आखिर भारत की चुनाव व्यवस्था में ऐसा क्या है जो दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक अमेरिका के राष्टपति को आकर्षित कर रहा है? भारत का निर्वाचन आयोग कोई सामान्य प्रशासनिक संस्था नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे संसद, राज्य विधानसभाओं तथा राष्टपति और उपराष्टपति के चुनावों की देखरेख, निर्देशन और नियंत्रण का संवैधानिक दायित्व प्राप्त है। निर्वाचन आयोग स्वयं भी इसे स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण के रूप में वर्णित करता है।

भारत में चुनाव कराना अपने आप में दुनिया का एक असाधारण प्रशासनिक अभियान है। करोड़ों मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाना, मतदाता सूची तैयार करना, पहचान सुनिश्चित करना, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखना तथा परिणामों को घोषित करना-यह पूरा तंत्र विशाल स्तर पर काम करता है। ट्रंप ने भारत के हालिया आम चुनाव में लगभग 646 मिलियन मतदाताओं का उल्लेख करते हुए भारतीय फोटो पहचान व्यवस्था को अमेरिका के संदर्भ में उपयोगी बताया। यहीं से भारत और अमेरिका के चुनावी मॉडल में एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। अमेरिका में चुनावों का संचालन काफी हद तक राज्यों के स्तर पर होता है और नियमों में राज्यवार अंतर दिखाई देता है। इसके विपरीत भारत में निर्वाचन आयोग एक केंद्रीय संवैधानिक संस्था के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए व्यापक अधिकार रखता है। ट्रंप की नजर में यही केंद्रीकृत चुनाव प्रबंधन एक आकर्षक मॉडल हो सकता है। ट्रंप की टिप्पणी को समझने के लिए अमेरिकी राजनीति को समझना आवश्यक है। अमेरिका में मतदाता पहचान और नागरिकता सत्यापन लंबे समय से राजनीतिक बहस का विषय रहे हैं। ट्रंप लगातार यह तर्क देते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया में पहचान और नागरिकता की पर्याप्त जांच होनी चाहिए।इसी पृष्ठभूमि में उन्होंने भारत का उदाहरण दिया। उनका उद्देश्य केवल भारत की प्रशंसा करना नहीं, बल्कि अमेरिकी मतदाता पहचान कानूनों के पक्ष में राजनीतिक समर्थन जुटाना भी है। ट्रंप प्रशासन के माध्यम से मतदाता पंजीकरण में नागरिकता प्रमाण और देशव्यापी फोटो पहचान जैसे प्रावधानों पर जोर दे रहा है।इसलिए यह कहना अधिक उचित होगा कि ट्रंप को भारत इसलिए भा रहा है क्योंकि भारतीय चुनाव प्रणाली का एक हिस्सा उनके घरेलू राजनीतिक एजेंडे के अनुकूल दिखाई देता है।यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है-क्या ट्रंप वास्तव में भारतीय चुनाव प्रणाली को अमेरिकी चुनाव व्यवस्था का आदर्श मानते हैं या वे भारत का उदाहरण अपनी घरेलू राजनीति में एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं?

भारत की चुनाव व्यवस्था की अपनी खूबियां हैं। लेकिन भारत भी पूर्ण व्यवस्था होने का दावा नहीं कर सकता। मतदाता सूची में नाम जुडने या हटने, पहचान संबंधी समस्याओं, चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर समय-समय पर राजनीतिक विवाद उठते रहे हैं। हाल के वर्षों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी तीखी राजनीतिक बहस हुई है। 2026 में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष और नागरिक समूहों ने सवाल उठाए हैं, जबकि निर्वाचन आयोग ने अपने संवैधानिक अधिकारों के भीतर काम करने का पक्ष रखा है। इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय में भी निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची तैयार करने की शक्तियों को लेकर प्रश्नों पर विचार हुआ है।इसलिए ट्रंप की प्रशंसा को भारत की चुनाव प्रणाली के लिए अंतिम प्रमाणपत्र मान लेना उचित नहीं होगा।किसी भी चुनाव की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि कितने लोगों ने मतदान किया। असली सफलता तब होती है जब हारने वाला उम्मीदवार और उसके समर्थक भी परिणाम को स्वीकार करें।

भारत में निर्वाचन आयोग की भूमिका इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संविधान ने उसे चुनावी प्रक्रिया की देखरेख का व्यापक अधिकार दिया है ताकि सत्ता परिवर्तन शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से हो सके। निर्वाचन आयोग स्वयं अपने संवैधानिक दायित्व को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने से जोड़ता है।लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं बनती। वह जनता के विश्वास से बनती है। इसलिए निर्वाचन आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती आज यही है कि उसकी प्रत्येक कार्रवाई ऐसी हो जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को समान रूप से भरोसा हो।

ट्रंप के बयान के बाद भारत में राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अमेरिका ले जाने संबंधी व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। यह प्रतिक्रिया बताती है कि भारत में निर्वाचन आयोग को लेकर राजनीतिक विवाद अभी समाप्त नहीं हुआ है।यदि सरकार निर्वाचन आयोग की प्रशंसा करे तो विपक्ष को संदेह हो सकता है। यदि विपक्ष आयोग पर सवाल उठाए तो सरकार इसे राजनीतिक हमला बता सकती है। लेकिन इन दोनों के बीच संस्थागत निष्पक्षता का प्रश्न कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।निर्वाचन आयोग को न तो सरकार के पक्ष में दिखाई देना चाहिए और न विपक्ष के। उसे केवल संविधान के पक्ष में दिखाई देना चाहिए।

अमेरिका यदि भारतीय अनुभव से कुछ ग्रहण करता है तो उसे केवल पहचान-पत्र नहीं, बल्कि चुनाव प्रबंधन की संस्थागत संरचना पर भी विचार करना होगा। यहां बात केवल अमेरिका को भारत से सीखने की नहीं है। भारत को भी अपने चुनावी तंत्र में लगातार सुधार करते रहना होगा। आज मतदाता पहले से अधिक जागरूक है। सोशल मीडिया के दौर में चुनावी जानकारी कुछ सेकंड में करोड़ों लोगों तक पहुंच सकती है। गलत सूचना, डीपफेक, फर्जी वीडियो और डिजिटल प्रचार चुनावी वातावरण को प्रभावित कर सकते हैं।ऐसे में निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता और संवाद की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।मतदाता सूची में किसी नागरिक का नाम क्यों जोड़ा गया या क्यों हटाया गया, चुनावी निर्णय किस आधार पर लिया गया, राजनीतिक दलों की शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई-इन सभी सवालों के जवाब समय पर और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना लोकतंत्र के हित में है।डोनाल्ड ट्रंप का भारतीय निर्वाचन आयोग की व्यवस्था की ओर ध्यान जाना निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय हो सकता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की चुनावी व्यवस्था को अमेरिका के राष्टपति द्वारा उदाहरण के तौर पर पेश करना भारत की संस्थागत क्षमता को अंतरराष्ट्रीय पहचान देता है। लेकिन लोकतंत्र में बाहरी प्रशंसा से ज्यादा महत्वपूर्ण आंतरिक विश्वास है। यदि भारत के नागरिक अपने निर्वाचन आयोग पर भरोसा करते हैं, यदि राजनीतिक दल चुनावी परिणामों को स्वीकार करते हैं और यदि हर मतदाता को यह विश्वास रहता है कि उसका वोट सुरक्षित है तथा उसकी आवाज सुनी जाएगी, तभी चुनाव प्रणाली वास्तव में मजबूत कही जाएगी।आज आवश्यकता इस बात की है कि निर्वाचन आयोग अपनी उपलब्धियों पर संतुष्ट होकर न रुके। उसे लगातार खुद को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना होगा।ट्रंप को भारत इसलिए भाया क्योंकि उन्हें अपनी घरेलू राजनीतिक बहस के लिए भारतीय मॉडल में कुछ उपयोगी तत्व दिखाई दिए। लेकिन भारत के लिए इससे बड़ा संदेश यह है कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं दुनिया के लिए उदाहरण बन सकती हैं-बशर्ते हम उनके प्रति जनता का विश्वास बनाए रखें। चुनाव केवल सत्ता चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव लोकतंत्र में नागरिक और राज्य के बीच विश्वास का सबसे बड़ा सेतु है। निर्वाचन आयोग उस सेतु का प्रहरी है।

इसलिए ट्रंप की प्रशंसा अच्छी खबर हो सकती है, लेकिन असली परीक्षा यह है कि भारत का आम मतदाता अपने निर्वाचन आयोग के बारे में क्या सोचता है। लोकतंत्र की अंतिम कसौटी वाशिंगटन की प्रशंसा नहीं, बल्कि भारत के मतदान केंद्र पर खड़ा वह सामान्य नागरिक है जो अपने हाथ में मतदाता पहचान-पत्र लेकर यह विश्वास करता है कि उसकी एक-एक वोट की कीमत है। और यही विश्वास भारत के निर्वाचन आयोग की सबसे बड़ी पूंजी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
गुरूवार 20 अगस्त 2026

चीन सीमा से टूटा संपर्क : कुलागाढ़ पुल क्षतिग्रस्त, आवागमन पूर्णतः ठप

पिथौरागढ़, (वार्ता)। उच्च हिमालयी क्षेत्र में हो रही भारी बारिश के चलते धारचूला से आगे कुलागाड़ के पास वैली ब्रिज क्षतिग्रस्त होने से चीन सीमा से संपर्क कट गया है। भूस्खलन के कारण दो अन्य बार्डर मार्ग भी ठप हो गए हैं। प्रशासन युद्धस्तर पर जुट गया है। पिथौरागढ़ जिले में भारी बारिश का कहर जारी है। लगातार हो रही बारिश से जिले में 19 सड़कें भूस्खलन के कारण बंद हैं। इनमें से तीन बार्डर मार्ग शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार धारचूला-गुंजी मार्ग पर धारचूला से लगभग आठ किलोमीटर आगे स्थित कुलागाढ़ पुल क्षतिग्रस्त हो जाने से चीन सीमा को जोड़ने वाले इस अहम मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है, जिससे सीमांत क्षेत्र गुंजी और आगे के इलाकों का सड़क संपर्क कट गया है। धारचूला के उप जिलाधिकारी आशीष जोशी के अनुसार कुलागाड़ वैली ब्रिज पर भारी बोल्डर गिरने से पुल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे गुंजी और आगे संपर्क टूट गया है। वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है।

नेपाल सीमा पर चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

बहराइच, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिला अंतर्गत भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में थाना मोतीपुर पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 583 ग्राम चरस और एक मोटरसाइकिल बरामद करने का दावा किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,उच्चाधिकारियों के दिशानिर्देश पर प्रभारी निरीक्षक मोतीपुर ब्रह्मा गोंड के नेतृत्व में 19 अगस्त को पुलिस और 59वीं वाहिनी एसएसबी बलईगांव की संयुक्त टीम भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान बलईगांव पुलिया के पास पुलिस टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर तलाशी ली। पुलिस का दावा है कि तलाशी में उसके कब्जे से 583 ग्राम चरस बरामद हुई। इसके अलावा एक प्लेटिना मोटरसाइकिल भी पुलिस ने कब्जे में ली। पूछताछ के बाद पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान शाहरूख खान उर्फ लल्लू (31) पुत्र सलीम खान, निवासी मेढ़किया पोंडा, थाना मोतीपुर, जनपद बहराइच के रूप में की है।

पूर्व एमएलसी कमलेश पाठक समेत 10 को उम्रकैद

औरैया। औरैया जिले के सबसे चर्चित और सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड मामले में बुधवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। अदालत ने समाजवादी पार्टी के पूर्व एमएलसी कमलेश पाठक, उनके भाई व पूर्व ब्लॉक प्रमुख संतोष पाठक, भाई रामू पाठक समेत कुल 10 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इससे पूर्व एमपी-एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश विनय प्रकाश ने सुनवाई पूरी करते हुए मामले से जुड़े सभी 10 आरोपियों कमलेश पाठक, संतोष पाठक, रामू पाठक, कुलदीप, विकल्प, आशीष दुबे, लला चौबे, शिवम अवस्थी, गनर अवनीश प्रताप सिंह और भागवत आचार्य राजेश शुक्ला को हत्या, हत्या के प्रयास तथा आर्म्स एक्ट के तहत दोष सिद्ध किया था। लंच के बाद अदालत ने सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए सभी को आजीवन कारावास की सजा का एलान किया। फैसले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए न्यायालय परिसर और उसके आसपास सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे।

ईरान का सैन्य भंडार भरेगा रूस: कैस्पियन सागर के रास्ते तेहरान को ड्रोन पार्ट्स और विस्फोटक भेज रहा मॉस्को

मॉस्को

ईरान, अमेरिका और इजराइल के साथ युद्ध के दौरान खत्म हुए अपने सैन्य भंडार को फिर से भरने की कोशिश कर रहा है। इसके लिए रूस कैस्पियन सागर के रास्ते ईरान को विस्फोटक, ड्रोन के पार्ट्स और गोला-बारूद भेज रहा है। ह्क्ष्ट न्यूज को मिले और एक पश्चिमी अधिकारी द्वारा पुष्टि किए गए यूरोपीय सरकार के दस्तावेज के अनुसार से जानकारी सामने आई है। एनबीसी को मिले यूरोपीय सरकार के एक आधिकारिक दस्तावेज से पुष्टि हुई है कि इन शिपमेंट्स में ञ्ह्ञ, ड्रोन के पार्ट्स और गोला-बारूद शामिल हैं। विश्लेषकों द्वारा देखी गई सैटेलाइट तस्वीरों से भी पता चलता है कि इस शिपमेंट में बैलिस्टिक मिसाइल बनाने के लिए जरूरी पार्ट्स भी शामिल हैं।

ये ट्रांसफर मॉस्को और तेहरान के बीच सैन्य संबंधों में एक बड़ा बदलाव दिखाते हैं। जहां पहले ईरान ने यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को बड़ी संख्या में शाहेद टाइप के ड्रोन सप्लाई किए थे, वहीं हालिया रिपोर्टों से पता चलता है कि अब रूस ईरान की सैन्य क्षमताओं को फिर से बढ़ाने में मदद कर रहा है। कैस्पियन सागर की सीमाएं केवल रूस, ईरान, कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और अजरबैजान से लगती हैं। अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत, यह सागर पूरी तरह से इन पांच देशों के अधिकार क्षेत्र में आता है।

पश्चिमी नौसेना बल को कैस्पियन सागर से जाने की इजाजत नहीं

किसी भी पश्चिमी नौसेना बल को इसके पानी में कानूनी रूप से जाने की इजाजत नहीं है, कोई भी सहयोगी युद्धपोत रूसी और ईरानी बंदरगाहों के बीच जाने वाले कार्गो को रोक नहीं सकता है। जहाज बिना किसी का ध्यान खींचे अपने ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम ट्रांसपोंडर को बंद कर सकते हैं। यह रास्ता उन सभी चोकपॉइंट्स से बचकर निकलता है जिन पर अमेरिका नजर रख सकता है। ये कथित ट्रांसफर इस साल की शुरुआत में इजराइल द्वारा किए गए हमलों के बाद हुए हैं। इन हमलों में कैस्पियन सागर पर स्थित ईरानी बंदरगाह बंदर अंजली को निशाना बनाया गया था, जिसे सैन्य सप्लाई रूट का हिस्सा माना जाता था। द टाइम्स ऑफ इजराइल ने रिपोर्ट किया था कि इन हमलों से बंदरगाह के इंफ्रास्ट्रक्चर और ईरानी नौसेना की संपत्तियों को नुकसान पहुंचा था।

हालिया संघर्ष के दौरान ईरान के ड्रोन भंडार का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया और उसे निशाना बनाया गया, साथ ही उसकी मिसाइल और सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी अमेरिका और इजराइल के लगातार हमले हुए।

रूस से मिलने वाली कथित सप्लाई तेहरान को अपने खत्म हो चुके हथियारों के भंडार के कुछ हिस्सों को फिर से तैयार करने में मदद कर सकती है, हालांकि उपलब्ध रिपोर्टों से यह पता नहीं चलता है कि कितना सामान ट्रांसफर किया गया है या ईरान का सैन्य पुनर्निर्माण किस हद तक आगे बढ़ा है।

अफगानिस्तान के स्कूल में बम धमाका, कम से कम 42 बच्चे घायल

काबुल

अफगानिस्तान में यूएन मिशन ने मंगलवार को बताया कि काबुल के एक एजुकेशन सेंटर में हुए धमाके में कम से कम 42 बच्चे घायल हो गए हैं। मिशन ने धमाके की वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। अफगानिस्तान में मानवाधिकारों पर यूएन के विशेष दूत रिचर्ड बेनेट ने इससे पहले काबुल के पश्चिमी इलाके दश्त-ए-बरची में एक स्कूल के पास हुए भयानक हमले की निंदा की थी। यह इलाका ऐतिहासिक रूप से सताए गए शिया हजारा समुदाय का घर है। सोमवार को हुए धमाके के शिकार लोगों की उम्र 9 से 14 साल के बीच थी।

न्यूज एजेंसी एएफपी ने बताया, अभी तक धमाके की परिस्थितियों की पुष्टि नहीं की गई है। हमले या बिना फटे विस्फोटक दोनों तरह की अलग-अलग रिपोर्टें मिल रही हैं। कई दशकों के संघर्ष के कारण अफगानिस्तान में युद्ध के बाद बचे विस्फोटक पदार्थ बिखरे पड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया भर में हताहत होने वालों की संख्या के मामले में यह देश तीसरे स्थान पर है।

अफगानिस्तान के डायरेक्टरेट ऑफ माइन एक्शन कोऑर्डिनेशन ने घटनास्थल की जांच के बाद बताया कि सोमवार दोपहर स्कूल में एक ग्रेनेड फटा था। यह जानकारी काबुल पुलिस द्वारा पहले दी गई जानकारी से मेल खाती है। उन्होंने कहा, हमारी संवेदनाएं घायल बच्चों और उनके परिवारों के साथ हैं। हम इस घटना के हालात का पता लगाने के लिए जांच की मांग करते हैं। स्कूलों और शिक्षा केंद्रों को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। निजी प्राइमरी स्कूल ने अपने फेसबुक पेज पर एक मैसेज पोस्ट करके लोगों से घायलों के लिए प्रार्थना करने को कहा, लेकिन घटना के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। पास में रहने वाली 38 साल की एक महिला ने एएफपी को बताया कि धमाका ठीक उस समय हुआ जब बच्चों की छुट्टी हो रही थी। सुरक्षा कारणों से अपनी पहचान गुप्त रखने की शर्त पर उन्होंने बताया, वहां इतने घायल लोग थे कि मैं उन्हें गिन भी नहीं सकती थी। तालिबान सरकार के पिछले पांच सालों के शासन के दौरान काबुल में बीच-बीच में हमले होते रहे हैं। इनमें जनवरी में एक चीनी रेस्टोरेंट में हुआ धमाका भी शामिल है, जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई थी।

दिमागी बनो, अंधभक्त नहीं स्कूल अभियान की जीत पर प्रकाश राज ने सीजेपी का किया समर्थन

मुंबई। अभिनेता प्रकाश राज ने एक बार फिर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) मूवमेंट को अपना समर्थन दिया है। महाराष्ट्र के एक सरकारी स्कूल की हालत को लेकर हुए हालिया विरोध-प्रदर्शन के बाद स्कूल के प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया गया, जिस पर अभिनेता ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने मंगलवार को हिंगोली से एक वीडियो शेयर किया। लिंबाला के ग्रामीणों के लिए इसे एक बड़ी जीत बताया। दीपके के अनुसार, सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल, जो नशे की हालत में काम पर आते थे, उन्हें विरोध-प्रदर्शन के बाद सस्पेंड कर दिया गया। दीपके ने लिखा, हिंगोली जिले के लिंबाला गांव वालों के लिए पहली बड़ी जीत। शराबी प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया गया है। मैं यह जीत अब्दुल और उनके पिता को समर्पित करना चाहता हूं। जैसा कि अब्दुल ने कल कहा था- अब रुकना नहीं है, स्कूल ठीक करके ही रहेंगे। वह स्कूल प्रिंसिपल को सस्पेंड कराने के लिए ग्रामीणों के साथ विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए थे। प्रकाश राज ने वीडियो शेयर किया और इस घटनाक्रम पर खुशी जताते हुए एक नोट लिखा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से हाल ही में इस्तेमाल किए गए शब्द दिमागी नक्सल पर तंज कसा गया। अभिनेता ने लिखा धन्यवाद कॉकरोचेस। यह सिस्टम से जवाबदेही की मांग करने वाले नागरिकों की ताकत है। दिमागी बनो.. अंधभक्त नहीं (सवाल पूछो, गुलाम मत बनो। अपने दिमाग का इस्तेमाल करो, अंधविश्वास मत करो)। बस पूछ रहा हूं। स्कूल ठीक करो। एक्टर का दिमागी बनो कहना, पीएम मोदी के स्वतंत्रता दिवस भाषण में दिमागी नक्सल शब्द के इस्तेमाल के कुछ समय बाद आया। तब से यह वाक्यांश सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है और कई मशहूर हस्तियों ने अलग-अलग संदर्भों में इसका इस्तेमाल किया है। सीजेपी का 'स्कूल ठीक करो' अभियान महाराष्ट्र में अभिजीत दीपके के पैतृक गांव में शुरू किया गया था। यह आंदोलन सरकारी स्कूलों की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करता है और बेहतर सुविधाओं और जवाबदेही की मांग करता है। दीपके ने पहले सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी के बारे में चिंता जताई थी। हिंगोली में हालिया विरोध प्रदर्शन ने तब ध्यान खींचा जब स्कूल प्रिंसिपल के खिलाफ कार्रवाई की ग्रामीणों की मांग पर ध्यान दिया गया।

महबूबा ने अमेरिकी राजदूत से कश्मीर यात्रा परामर्श वापस लेने का आग्रह किया

श्रीनगर, (वार्ता)

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से केन्द्रशासित प्रदेश के लिए अमेरिका के उच्चतम-स्तरीय यात्रा परामर्श की समीक्षा करने और उसे वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने बुधवार को कहा कि इससे घाटी की पर्यटन-आधारित अर्थव्यवस्था को लगातार नुकसान हो रहा है। सुश्री महबूबा ने पद संभालने के बाद जम्मू-कश्मीर की अपनी पहली यात्रा के दौरान श्री गोर के लिए एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह परामर्श क्षेत्र के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक बड़ी बाधा बन गई है। उन्होंने लिखा, भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं कि कश्मीर यात्रा के खिलाफ उच्चतम-स्तरीय परामर्श की समीक्षा करें और उसे वापस लें। अमेरिकी विदेश विभाग ने वर्तमान में जम्मू-कश्मीर को %लेवल 4ः यात्रा न करें परामर्श के तहत रखा है, सिवाय पूर्वी लद्दाख क्षेत्र और लेह की यात्राओं के। परामर्श में आतंकवाद और नागरिक अशांति से संबंधित चिंताओं का हवाला दिया गया है। इसमें विशेष रूप से क्षेत्र में छिटपुट हिंसा की संभावना का उल्लेख किया गया है, जिसमें श्रीनगर, गुलमर्ग और पहलगाम जैसे पर्यटन स्थल भी शामिल हैं। सुश्री महबूबा ने परामर्श को केवल एक चेतावनी से कहीं अधिक बताते हुए कहा कि इसने कश्मीर और दुनिया के बीच एक दीवार खड़ी कर दी है, ऐसे समय में जब हजारों परिवार अपनी आजीविका के लिए पर्यटन पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि परामर्श वापस लेने से विश्वास का एक सशक्त संदेश जाएगा, अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की वापसी को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों को राहत मिलेगी।

बसपा का सर्वसमाज में जनाधार बढ़ने से विरोधी बेचैन : मायावती

लखनऊ, (वार्ता)

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच विरोधी दलों पर निशाना साधते हुए कहा है कि उनकी पार्टी का जनाधार सर्वसमाज में बढ़ाने के साथ उम्मीदवारों के चयन और उनके नामों की घोषणा की प्रक्रिया भी चल रही है, जिसे लेकर विरोधी दलों में बेचैनी है। सुश्री मायावती ने बुधवार को 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर बसपा का जनाधार सर्वसमाज में मजबूत करने के साथ पार्टी उम्मीदवारों के चयन और उनके नामों की विधानसभा स्तर के कार्यकर्ता सम्मेलनों में घोषणा की प्रक्रिया चल रही है। इसे लेकर विरोधी दलों में काफी बेचैनी है और सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समेत अन्य विपक्षी दलों में बदलाव होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि बसपा सर्वसमाज में खासकर ब्राह्मण समाज को भी वर्ष 2007 की तरह पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की तैयारी के तहत पार्टी का उम्मीदवार बनाने की प्रक्रिया में आगे बढ़ रही है। बसपा की इस रणनीति को लेकर विरोधी दलों में चर्चा और चिंता स्पष्ट है। उन्होंने 'बहुजन समाज' के लोगों को विरोधी दलों के हथकंडों से सजग और सतर्क रहने की सलाह दी। बसपा प्रमुख ने कहा कि इसी क्रम में पार्टी के लंबे समय से राष्ट्रीय महासचिव, वरिष्ठ अधिवक्ता तथा बसपा शासनकाल में उत्तर प्रदेश के महाधिवक्ता रहे सतीश चंद्र मिश्रा को पार्टी ने चुनाव आयोग संबंधी कार्यों के साथ-साथ विधिक और मीडिया से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग से संबंधित मामलों में श्री मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

शादी के सिर्फ तीन दिन बाद सेट पर लौटीं आकांक्षा रंजन

आकांक्षा रंजन शादी के महज तीन दिन बाद ही अपने काम पर लौट आयीं। नई-नई शादी की खुशियों और व्यस्त वर्क कमिटमेंट्स के बीच आकांक्षा ने ब्राइडल मेहंदी के साथ अपनी प्रोफेशनल जिम्मेदारियां भी बखूबी निभायीं।आकांक्षा का पहला पड़ाव 31 लेबल्स की पहली 'द क्यूरेटर्स टेबल' रही। फैशन इंडस्ट्री के प्रभावशाली चेहरों और टेस्टमेकर्स को एक साथ लाने वाली इस क्लोज्ड-डोर गैदरिंग को क्रिएटिव माइंड्स की एक खास और अंतरंग मुलाकात के तौर पर तैयार किया गया था। आकांक्षा ने इस खास आयोजन की झलक सोशल मीडिया पर साझा किये गये एक वीडियो के जरिए अपने प्रशंसकों को दिखायी। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम के अनुभव भी साझा किये। इस इंटिमेट गैदरिंग में ग्लोबल लग्जरी और होमग्रोन क्रिएटिविटी का मेल देखने को मिला। कार्यक्रम में सोच-समझकर तैयार किया गया फाइव-कोर्स टेस्टिंग मेन्यू भी शामिल था। हालांकि, आकांक्षा के लिए इस आयोजन का सबसे खास हिस्सा खाना नहीं, बल्कि वहां हुई बातचीत रही। अपने अनुभव को याद करते हुए आकांक्षा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि एक कमरे में क्रिएटिव लोगों को एक ही टेबल पर बैठाने से ढेर सारी कहानियां, राय, हंसी-मजाक और ऐसी बातचीत सामने आती है, जो घंटों तक चल सकती है। उन्होंने कहा कि 31 लेबल्स की 'द क्यूरेटर्स टेबल' उन्हें किसी सामान्य इंडस्ट्री इवेंट के बजाय फैशन को लेकर समान जुनून रखने वाले लोगों की अंतरंग मुलाकात लगी।

92 वर्ष के हुए गुलजार

बॉलीवुड के जाने-माने फिल्मकार, शायर और गीतकार गुलजार आज 92 वर्ष के हो गये।पंजाब के अब पाकिस्तान में स्थित झेलम जिले के छोटे से कस्बे दीना में 18 अगस्त 1934 को कालरा अरोड़ा सिख परिवार में जन्मे संपूर्ण सिंह कालरा उर्फ गुलजार को स्कूल के दिनों से ही शेरो-शायरी और वाद्य संगीत का शौक था। कॉलेज के दिनों में उनका यह शौक परवान चढ़ने लगा और वह अक्सर मशहूर सितार वादक रविशंकर और सरोद वादक अली अकबर खान के कार्यक्रमों में जाया करते थे।

भारत विभाजन के बाद गुलजार का परिवार अमृतसर में बस गया। अपने सपनों को पूरा करने के लिये गुलजार मुंबई आ गये और वर्ली में एक गैरेज में कार मैकेनिक का काम करने लगे। गैरेज के पास ही एक पुस्तक विक्रेता था, जो आठ आने के किराये पर दो किताबें पढ़ने को देता था। गुलजार को वहीं पढ़ने का चस्का लग गया।

एक दिन फिल्मकार बिमल रॉय की कार खराब हो गयी। संयोग से बिमल रॉय उसी गैरेज पहुंचे, जहां गुलजार काम करते थे। उन्होंने गुलजार और उनकी किताबों को देखा और पूछा कि कौन पढ़ता है यह सब? गुलजार ने जवाब दिया, "मैं।" बिमल रॉय ने उन्हें अपना पता देते हुए अगले दिन मिलने के लिये बुलाया। गुलजार जब उनके दफ्तर पहुंचे तो बिमल रॉय ने उनसे कहा कि अब कभी गैरेज में मत जाना। इसके बाद गुलजार उनके सहायक बन गये। गीतकार के रूप में गुलजार ने पहला गीत 'मोरा गोरा अंग लई ले' वर्ष 1963 में प्रदर्शित बिमल रॉय की फिल्म 'बंदिनी' के लिये लिखा। इसके बाद वह कवि के रूप में प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन (पीडब्ल्यूए) से जुड़ गये। गुलजार ने वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म 'मेरे अपने' के जरिये निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म की सफलता के बाद उन्होंने 'कोशिश', 'परिचय', 'अचानक', 'खुशबू', 'आंधी', 'मौसम', 'किनारा', 'किताब', 'नमकीन', 'अंगूर', 'इजाजत', 'लिबास', 'लेकिन', 'माचिस' और 'हू तू तू' जैसी कई फिल्मों का निर्देशन किया। प्रारंभिक दिनों में गुलजार का झुकाव वामपंथी विचारधारा की ओर था, जिसकी झलक 'मेरे अपने' और 'आंधी' जैसी उनकी फिल्मों में दिखाई देती है। 'आंधी' में भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की परोक्ष आलोचना की गयी थी और इस फिल्म पर कुछ समय के लिये प्रतिबंध भी लगाया गया था। गुलजार साहित्यिक कहानियों और विचारों को फिल्मों में ढालने की कला में भी सिद्धहस्त हैं। उनकी फिल्म 'अंगूर' शेक्सपियर की कहानी 'कॉमेडी ऑफ एरर्स', 'मौसम' ए. जे. क्रोनिन के उपन्यास 'द जुडास ट्री' और 'परिचय' हॉलीवुड की क्लासिक फिल्म 'द साउंड ऑफ म्यूजिक' से प्रेरित थी। राहुल देव बर्मन के संगीत निर्देशन में गीतकार के रूप में गुलजार की प्रतिभा और निखरी। उन्होंने 'मुसाफिर हूं यारों', 'तेरे बिना जिंदगी से कोई शिकवा तो नहीं', 'घर जाएगी', 'मेरा कुछ सामान' और 'तुझसे नाराज नहीं जिंदगी' जैसे यादगार और साहित्यिक भाव लिये गीतों से दर्शकों और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। निर्देशन के अलावा गुलजार ने कई फिल्मों की पटकथा और संवाद भी लिखे। उन्होंने वर्ष 1977 में 'किताब' और 'किनारा' फिल्मों का निर्माण भी किया। गुलजार को अपने फिल्मी और साहित्यिक योगदान के लिये कई बार फिल्मफेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें कई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिले हैं। गुलजार के शानदार करियर में एक गौरवपूर्ण अध्याय वर्ष 2009 में जुड़ा, जब फिल्म 'स्लमडॉग मिलियनेयर' के उनके लिखे गीत 'जय हो' को सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत के लिये ऑस्कर पुरस्कार मिला। भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को देखते हुए वर्ष 2004 में उन्हें देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मभूषण से सम्मानित किया गया। उर्दू में उनके कहानी संग्रह 'धुआं' को वर्ष 2002 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गुलजार ने काव्य की एक नयी शैली विकसित की, जिसे 'त्रिवेणी' कहा जाता है। भारतीय सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान के लिये उन्हें फिल्म जगत के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

कार्तिक आर्यन बने निर्माता, लॉन्च किया डोपामाइन स्टूडियोज

अभिनेता कार्तिक आर्यन ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम रखते हुए अपने प्रोडक्शन हाउस डोपामाइन स्टूडियोज़ की शुरुआत की है। कार्तिक के बैनर की पहली बड़ी भागीदारी निर्देशक कबीर खान की आगामी फिल्म में हुई है, जिसमें कार्तिक खुद मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म कार्तिक और कबीर खान की दूसरी साझेदारी है। इससे पहले दोनों वर्ष 2024 में प्रदर्शित फिल्म 'चंदू चैंपियन' में साथ काम कर चुके हैं। मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित इस फिल्म में कार्तिक के अभिनय की काफी सराहना हुई थी और हाल ही में उन्हें 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी मिला। कबीर खान के निर्देशन में बन रही नई फिल्म भी एक प्रेरणादायक वास्तविक घटना से जुड़ी कहानी पर आधारित बतायी जा रही है। फिल्म में कार्तिक एक किकबॉक्सिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं, जिसकी जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब वह कश्मीर की एक युवा लड़की को खेल की दुनिया में आगे बढ़ने के लिए प्रशिक्षित करता है। फिल्म की कहानी संघर्ष, सपनों को पूरा करने की जिद और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल करने के जज्बे के इर्द-गिर्द घूमती है। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाली युवा कश्मीरी किकबॉक्सर तजामुल इस्लाम के जीवन से प्रेरित है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी है। सूत्रों के अनुसार , कहानी सुनने के बाद कार्तिक इससे बेहद प्रभावित हुए। उन्हें लगा कि यह सिर्फ एक स्पोर्ट्स फिल्म नहीं, बल्कि संघर्ष और जज्बे की ऐसी कहानी है, जिसे बड़े दर्शकों तक पहुंचना चाहिए।

नागरिक संहिता विधेयक 2026 से होगा धार्मिक स्वतंत्रता का हनन

मुस्लिम समाज ने सौंपा ज्ञापन

नरसिंहपुर।

राष्ट्रपति के नाम मुस्लिम समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में कलेक्टर कार्यालय पहुंच कर डिप्टी कलेक्टर को मध्यप्रदेश समान नागरिक संहिता विधेयक 2026 के और संविधान के विपरीत प्रावधानों के विरोध तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों के संरक्षण के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

इस ज्ञापन में उल्लेख किया है कि समान नागरिक संहिता का विचार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत केवल एक निदेशक तत्व के रूप में दर्ज है, जिसे खुद संविधान सभा में डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने शुरुआत में पूरी तरह स्वैच्छिक रखने का सुझाव दिया था। भारत जैसे बहुसांस्कृतिक देश में विविधता में एकता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। पर्सनल लॉ के दुरुपयोग या विसंगतियों को पूरी कानूनी व्यवस्था को नष्ट करके नहीं, बल्कि सामाज सुधार और जागरूकता के माध्यम से ही सुधारा जाना चाहिए। ज्ञापन में मांग की गई है कि मध्य प्रदेश समान नागरिक संहिता विधेयक, 2026 को इसके वर्तमान स्वरूप में तुरंत वापस लिया जाए या इस पर रोक लगाई जाए, नागरिकों के मौलिक अधिकारों जैसे धार्मिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25) और निजता के अधिकार (अनुच्छेद 21) की रक्षा की जाए,बिना सभी समुदायों, कानूनी विशेषज्ञों और प्रभावित पक्षों के साथ व्यापक व सार्थक परामर्श किए किसी भी प्रकार का पर्सनल लॉ विस्थापन न किया जाए एवं जिस तरह 21 प्रतिशत आबादी को कस्टम आधारित छूट दी गई है उसी तरह मुस्लिम्स एवं धर्म निर्देशित समुदायों को अपवाद की श्रेणी में रखा जाए। ज्ञापन में राष्ट्रपति से अनुरोध किया गया है कि इस मामले में हस्तक्षेप कर मध्य प्रदेश सरकार को हमारी मांगों के अनुरूप दिशा निर्देशित करेंगे। इस मौके पर पार्षद एवं अधिवक्ता अब्दुल हकीम खान बाबी ने कहा कि सरकार द्वारा लाए जा रहे इस अधिनियम में धार्मिक मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। सरकार संविधान में दी गई धार्मिक स्वतंत्रता के विपरीत कार्य कर रही है जो की आपत्तिजनक है ।

दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार मोबाइल मेडिकल यूनिट में आयुष उपचार भी शुरू

घर के नजदीक मिल रही आधुनिक चिकित्सा के साथ आयुष पद्धति की सुविधा

नरसिंहपुर। जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा आयुष विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) में अब राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से आयुष चिकित्सा पद्धति से उपचार की सुविधा भी प्रारंभ कर दी गई है। जिले में 6 अगस्त 2026 से निर्धारित रोस्टर के अनुसार मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा दूरदराज क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को उनके घर के नजदीक ही आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से उपचार के लिए दूर स्थित स्वास्थ्य संस्थानों तक जाने की आवश्यकता कम हुई है। मोबाइल मेडिकल यूनिट में सामान्य रोगों का उपचार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग एवं उपचार तथा फिजियोथैरेपी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब इन सेवाओं के साथ आयुष चिकित्सा पद्धति को भी जोड़ा गया है, जिससे नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं का अधिक व्यापक लाभ मिल सकेगा। मोबाइल मेडिकल यूनिट में पदस्थ आयुष चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुसार दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचकर नागरिकों को आयुष चिकित्सा परामर्श, आवश्यक औषधियों का वितरण तथा योग एवं स्वस्थ जीवनशैली संबंधी परामर्श दिया जा रहा है। नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ ही रोगों की रोकथाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में भी आवश्यक जानकारी प्रदान की जा रही है।

गंभीर मरीजों को समय पर किया जा रहा रेफर- मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग के दौरान गंभीर अथवा विशेष उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों की पहचान की जा रही है। ऐसे मरीजों को उनकी स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार के लिए रेफर किया जा रहा है, ताकि उन्हें समय पर बेहतर एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधा मिल सके। आयुष अधिकारी, नरसिंहपुर ने बताया कि मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से जिले के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। आयुष चिकित्सा सेवाओं के शामिल होने से ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्र के नागरिकों को आधुनिक चिकित्सा सेवाओं के साथ आयुष पद्धति से उपचार एवं स्वास्थ्य परामर्श की अतिरिक्त सुविधा भी उपलब्ध हो रही है। यह पहल दूरस्थ क्षेत्रों में समग्र एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्राकृतिक खेती की राह पर अरहर की उन्नत फसल, वैज्ञानिकों ने खेतों में पहुंचकर परखी स्थिति

निरीक्षण में कृषकों को मिला वैज्ञानिक मार्गदर्शन

नरसिंहपुर। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को कम लागत में टिकाऊ एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों से जोड़ने के उद्देश्य से जिले में राष्ट्रीय मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग (एन.एम.एन.एफ.) के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, नरसिंहपुर द्वारा खरीफ मौसम में चयनित कृषकों के खेतों में अरहर की उन्नत किस्म जी.आर.जी.-152 (भीमा) का प्रदर्शन कराया जा रहा है। फसल की प्रगति एवं प्राकृतिक खेती आधारित प्रबंधन की स्थिति जानने के लिए कृषि वैज्ञानिकों एवं फार्मर मास्टर ट्रेनर ने खेतों का निरीक्षण किया। इस पहल के तहत चयनित कृषकों को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा अरहर की उन्नत किस्म जी.आर.जी.-152 (भीमा) का बीज उपलब्ध कराया गया है। इसका उद्देश्य किसानों को उन्नत बीज के साथ प्राकृतिक, कम लागत वाली और टिकाऊ कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा स्थानीय परिस्थितियों में इन तकनीकों की उपयोगिता का आकलन करना है। निरीक्षण दल ने जिले के करेली, चावरपाठा और गोटेगांव विकासखंड में चयनित कृषकों के खेतों का भ्रमण किया। करेली विकासखंड के ग्राम बटेसरा में श्री रविशंकर रजक, चावरपाठा विकासखंड के ग्राम दुधवारा में श्री कृष्ण कुमार वर्मा तथा गोटेगांव विकासखंड के ग्राम चिरचिटा में श्री कृष्ण पाल लोधी के खेतों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विशाल मेश्राम, वैज्ञानिक डॉ. निधि प्रजापति एवं प्रगतिशील कृषक कार्यक्रम के फार्मर मास्टर ट्रेनर ने खेत में पहुंचकर फसल की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। वैज्ञानिकों ने पौधों की वृद्धि एवं विकास, खेत में नमी की स्थिति तथा कीट एवं रोगों की संभावित स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों ने कृषकों से फसल की स्थिति एवं खेती में आ रही समस्याओं के संबंध में संवाद किया। किसानों को फसल की नियमित निगरानी, उचित नमी प्रबंधन, खरपतवार नियंत्रण तथा कीट एवं रोगों की प्रारंभिक अवस्था में पहचान के संबंध में आवश्यक सलाह दी गई। वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों के अनुरूप स्थानीय एवं जैविक संसाधनों के अधिकतम उपयोग, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, कृषि लागत कम करने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया। किसानों को समझाया गया कि फसल में किसी भी प्रकार की समस्या दिखाई देने पर उसका समय पर निदान जरूरी है, ताकि उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। अरहर की उन्नत किस्म जी.आर.जी.-152 (भीमा) के प्रदर्शन को लेकर कृषकों में रुचि देखने को मिली। खेत निरीक्षण के दौरान किसानों ने फसल की वर्तमान स्थिति, उत्पादन क्षमता, प्राकृतिक खेती तथा कीट एवं रोग प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिकों से जानकारी प्राप्त की। वैज्ञानिकों ने बताया कि उन्नत किस्म के साथ अनुशंसित फसल प्रबंधन तकनीकों एवं प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों का समन्वय कर किसान उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और कृषि की स्थिरता में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विशाल मेश्राम ने कहा कि राष्ट्रीय मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों से जोड़ना, कृषि लागत को कम करना और मिट्टी एवं प्राकृतिक संसाधनों के स्वास्थ्य को बनाए रखते हुए टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि खेत स्तर पर वैज्ञानिकों का नियमित भ्रमण किसानों की वास्तविक समस्याओं को समझने और उन्हें समय पर तकनीकी समाधान उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। इससे किसानों का वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के प्रति विश्वास भी बढ़ता है। वैज्ञानिक डॉ. निधि प्रजापति ने किसानों को फसल की नियमित निगरानी, प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग एवं प्राकृतिक खेती की तकनीकों को व्यवहारिक रूप से अपनाने की जानकारी दी। उन्होंने कृषकों से स्वयं प्राकृतिक खेती अपनाने के साथ आसपास के अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

कृषकों ने वैज्ञानिक मार्गदर्शन को बताया उपयोगी

खेत भ्रमण के दौरान चयनित कृषकों ने अरहर की फसल के बेहतर प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा उत्पादन बढ़ाने से संबंधित जानकारी प्राप्त की। किसानों ने कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे बीज, तकनीकी सलाह एवं खेत स्तर पर मार्गदर्शन को उपयोगी बताते हुए संतोष व्यक्त किया। कृषि विज्ञान केंद्र नरसिंहपुर द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के अंतर्गत चयनित कृषकों के खेतों का नियमित निरीक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन आगे भी जारी रहेगा। इस पहल के माध्यम से प्राकृतिक खेती आधारित कृषि प्रणाली को मजबूत करने के साथ-साथ जिले के अन्य किसानों को भी कम लागत, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान

नरसिंहपुर। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत 21 अगस्त को जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत हीरापुर में तीसरा जनसंवाद शिविर आयोजित होगा। अभियान के तहत अधिकारी निर्धारित ग्रामों का भ्रमण कर आमजन की समस्याएं सुनेंगे और उनके निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बंधी, पिठेहरा, डोंगरगांव (नर्मदा), मुर्गाखेड़ा एवं हीरापुर में अधिकारी क्षेत्र भ्रमण करेंगे। इस दौरान विकास कार्यों, शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा लेकर ग्रामीणों से संवाद किया जाएगा। हीरापुर में शिविर का कार्यक्रम- दोपहर 2 से 3-30 बजे तक शिकायतों, लोक सेवा गारंटी एवं अन्य प्रकरणों की समीक्षा होगी।

मानवता की ओर बढ़ाया एक आत्मीय कदम महिला बंदियों के साथ मनाया

नरसिंहपुर।

अंतर्राष्ट्रीय मानवता दिवस जिला जेल में महिला बंदी साथियो के बीच साथ निभाना कार्यक्रम में स्नेह, संवेदना और सावन की रंगत के साथ राज्य आनंद संस्थान के तत्वावधान ,नरसिंह आनंद क्लब नरसिंहपुर में विश्व मानवता दिवस पर महिला बंदियों के बीच आत्मीयता, संवेदना और सकारात्मकता से भरा कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के अंतर्गत साथ निभाना गतिविधि के माध्यम से मास्टर ट्रेनर मुक्ति राय द्वारा महिलाओं के साथ संवाद स्थापित किया गया तथा उन्हें यह एहसास कराया गया कि मानवता का अर्थ केवल किसी की सहायता करना ही नहीं, बल्कि किसी को सम्मान देना, उसकी बात सुनना और कठिन समय में उसके साथ खड़े रहना भी है।कार्यक्रम में सावन की थीम को भी विशेष रूप से शामिल किया गया। महिलाओं के लिए मेहंदी, महावर बिंदी एवं सावन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन मास्टर ट्रेनर यमुना विश्वकर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। गतिविधियों के माध्यम से उन्हें अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने और एक-दूसरे के साथ सकारात्मक भाव साझा करने का अवसर मिला। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि मानवता किसी परिस्थिति, स्थान या पहचान की सीमा में बंधी नहीं होती। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला जेल अधीक्षक अदिति चर्तुवेदी एवं विशेष सहयोग सहायक जेल,अधीक्षक शिल्पा छत्तर द्वारा दिया गया।,,,

कार्यक्रम का समापन राजेश्वरी नेमा एवं आरती चौकसे के भावपूर्ण गीत एवं भावपूर्ण संकल्प के साथ हुआ कि मानवता की ओर बढ़ाया गया हर छोटा कदम समाज में बड़े परिवर्तन की शुरुआत बन सकता है।

अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को कोचिंग का अवसर

नरसिंहपुर। अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए नई दिल्ली के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थानों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। योजना के तहत 100 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी 31 अगस्त 2026 तक एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

6 सितंबर को होगी स्क्रीनिंग परीक्षा-चयन के लिए मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा 6 सितंबर 2026 को दोपहर 2 से 4 बजे तक स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा केंद्र भोपाल, इंदौर, जबलपुर एवं शहडोल में निर्धारित किए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर गूंजे सकारात्मकता के स्वर एवं शिव शक्ति लीडरशिप एप्रोच

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से पधारीं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका, अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता एवं 100 से अधिक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित राजयोगिनी डॉ. बी.के. सुनीता दीदी जी के सानिध्य में ब्रह्माकुमारीज प्रभु उपवन भवन, गाडरवारा में विशेष प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय सकारात्मक रहो, चाहे कुछ भी हो एवं शिव शक्ति लीडरशिप एप्रोचज्ज रहा। कार्यक्रम की शुरुआत परमात्मा शिव की स्मृति एवं पूजन अर्चन से हुई। सभी मेहमानों का स्वागत ब्रह्माकुमारी दीदियों ने तिलक, पट्टा, एवं पुष्प गुच्छ से किया। सकारात्मक सोच ही वास्तविक शक्ति : डॉ. सुनीता दीदी

डॉ. बी.के. सुनीता दीदी जी ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, हमें अपनी सकारात्मकता नहीं छोड़नी चाहिए। नकारात्मक परिस्थिति में शक्ति नहीं होती, बल्कि आत्मा का मूल स्वरूप ही शांति, प्रेम, पवित्रता और सकारात्मकता है।

शिव शक्ति लीडरशिप एप्रोच से सशक्तिकरण का संदेश- कार्यक्रम में च्शिव शक्ति लीडरशिप एप्रोचज्ज विषय पर विशेष रूप से मातृशक्ति को संबोधित किया गया। इसमें बताया गया कि आध्यात्मिक शक्ति, सकारात्मक सोच, निर्णय क्षमता और आत्मविश्वास के साथ महिलाएं परिवार, समाज एवं राष्ट्र निर्माण में प्रभावशाली नेतृत्व प्रदान कर सकती हैं।

गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर शिवाकांत मिश्रा नगर पालिका अध्यक्ष, शिवकांत न्यायिक मजिस्ट्रेट सिविल कोर्ट तेंदूखेड़ा, मिनेन्द्र डागा समाजसेवी मध्यप्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं रोटरी क्लब गाडरवारा के फाउंडर मेंबर, आशीष राय अध्यक्ष साईं सेवा समिति एवं कलचुरी समाज युवा जिला अध्यक्ष की उपस्थिति रही ।

सफलता की कहानी

जेसीबी और उर्वरक व्यवसाय से रोशन आरा ने संवारा परिवार का भविष्य

नरसिंहपुर। कभी परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की चिंता थी, लेकिन मन में कुछ कर गुजरने का हौसला था। इसी हौसले को अपनी ताकत बनाकर ग्राम श्यामनगर, ग्राम पंचायत झौत की शारदा स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती रोशन आरा ने आज अपने लिए आत्मनिर्भरता की नई राह बनाई है। मेहनत, आत्मविश्वास और सही अवसर मिला तो उन्होंने न केवल अपना व्यवसाय खड़ा किया, बल्कि अपने परिवार के भविष्य को भी नई दिशा दी। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ना रोशन आरा के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया। स्व-सहायता समूह की नियमित बैठकों, बचत और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता ने उनके भीतर आत्मविश्वास पैदा किया। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें यह विश्वास मिला कि वे भी अपने पैरों पर खड़ी होकर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकती हैं। इसी आत्मविश्वास के साथ उन्होंने स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का संकल्प लिया। रोशन आरा ने रोजगार के बेहतर अवसर तलाशते हुए स्व-सहायता समूह और बैंक के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त की।

20 अगस्त को संत गुरु रविदास मंदिर से निकलेगी कलश वंदन यात्रा

नरसिंहपुर। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर जिला प्रशासन, नरसिंहपुर द्वारा 20 अगस्त से 10 सितंबर 2026 तक कलश वंदन यात्रा एवं समरसता संकल्प अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ 20 अगस्त को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ होगा। अभियान के शुभारंभ अवसर पर प्रात: 11 बजे संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास मंदिर, झिरना पावर हाउस के पास, डेडवारा, नरसिंहपुर में कलश एवं संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी का पूजन किया जाएगा। इसके पश्चात कलश वंदन यात्रा संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास मंदिर, झिरना से शासकीय पीजी कॉलेज, नरसिंहपुर तक निकाली जाएगी। इसके उपरांत दोपहर 1 बजे शासकीय पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, नरसिंहपुर में समरसता संवाद आयोजित किया जाएगा।

ताज कृपा दरबार में वार्षिकोत्सव उर्स सम्पन्न

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

सर्व धर्म समभाव की भावना से ओतप्रोत स्थली स्थानीय ताज कृपा दरबार में प्रतिवर्षानुसार वार्षिकोत्सव उर्स प्रभाकरराव डहाके के कर कमलों द्वारा दरबार संस्थापक मकसूदअहमद नासिर मासाब व्दारा स्थापित परम्पराओं के अनुसार अल्लामा ईजराईल कारी साहब करेली , अमित कावले, उपेन्द्र मिश्रा, अमित गायकवाड़, सभी नागपुर व समस्त दरबारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ । कार्यक्रम की प्रथम श्रृंखला में दरबार की ओर से सर्व प्रथम दरबार क्षेत्र में स्थित शिव धाम डमरू घाटी स्थित शिवालय मे वैदिक पूजा अर्चना, प्रसाद वितरण किया गया । कार्यक्रम की व्दितीय श्रृंखला में संध्या समय दरबार संस्थापक मकसूदअहमद नासिर मासाब व्दारा स्थापित परम्पराओं का अनुशरण करते हुए उमंग और

उत्साह के साथ समकालीन परम हंसी संतो सरकार ताजुल औलिया, दादा केशवानंदजी धूनी वाले, शिर्डी वाले साई बाबा, गजानन महाराज शेगांव, के अलावा माता रानी के उपासक रामकृष्ण परमहंस को फूल माला, सेहरा, चंदन इत्र तथा महाभोग प्रसादी पेश की गई तथा करेली से पधारे ईसराईल कारी साहब ने संतो की शान में गीत गायन करते हुए देश में अमन-चैन व भाईचारा, सौहार्द के लिए प्रार्थना की वही दूसरी ओर ताजुल औलिया की शान में कब्बाली और शहनाई वादन का मनमोहक, मंत्रमुग्ध कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा ।

तदुपरांत दरबार क्षेत्र के बच्चों, के अलावा आंमत्रित जनो के साथ ही साथ अनेक श्रृध्दावान लोगों ने इस अध्यात्मिक विशाल भंडारा में शामिल होकर प्रसादी का रसास्वादन आंनद लिया / प्रमुख रूप से रविशेखर जायसवाल, एच व्ही रफीक एडवोकेट, इन्दभूषण श्रीवास्तव,राव पवनसिंह, हरिओम चौधरी, हिमांशु दुबे, मिनेन्द्र डागा, अशोक भार्गव, सुरेंद्र गूजर, सतीश कौरव, खेरापति मठ के प्रधान विमल गुप्ता, संजु मिश्रा, मकसूद खान पत्रकार, तथा जिले के विभिन्न स्थानों से श्रृध्दावान लोगों शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई तो वही दूसरी ओर टन्टु दादा प्रधान अर्चक, महेश नेमा मिठ्ठु मासाब, सुरेंद्र सोनी, विमलेश प्रजापति, मुलायम सिंह केवट, सगीर भाईजान, , महेंद्र महाराज भटेरा वाले, अखिलेश चौरसिया, हेमन्त रूपेश परचानी, एम एस मेहरा बडे बाबु, राजेन्द्र साहू शोभापुर, देवेन्द्र पालीवाल, रामकृष्ण सेन, रिंकू सोनी पिपरिया, प्रनव पाराशर कौडिया, मोहित सोनी, पूरन भाई कुशवाहा, हेमराज कुशवाहा, पप्पू कुशवाहा ढुरसरू , श्रीमती कामिनी निगम, अल्ताफ हुसैन बोहरा, अशोक मोलासरिया, परषोतम पलोड, आदि का सहयोग प्रशंसनीय रहा । कार्यक्रम सर्वत्र प्रशंसा की जा रही है,! सहयोग करने वालो का दरबार की ओर से आभार व्यक्त किया गया।

एनएसयूआई का छात्र अधिकार पैदल मार्च वाटर कैनन चलाकर छात्रों को किया गिरफ्तार

छात्र संघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से करने, शासकीय मेडिकल कॉलेज की माँग पर जोरदार प्रदर्शन

कटनी (स्वतंत्रमत)

सूबे में लगभग नौ साल से बंद छात्र संघ चुनावों को हाई कोर्ट से हरी झंडी मिलते ही एनएसयूआई ने प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्रों के चुनाव करने की माँग सरकार से की है। छात्रों की विभिन्न लंबित मांगों को जैसे प्रदेश में प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव कराए जाएं। कटनी में पीपीपी मॉडल के मेडिकल कॉलेज के स्थान पर शासकीय मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाए। कटनी में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज एवं लॉ कॉलेज की स्थापना की जाए। लीड तिलक कॉलेज को ऑटोनॉमस (स्वायत्त) कॉलेज का दर्जा दिया जाए जैसी मांगों को लेकर कटनी में एनएसयूआई मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे एवं एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय खटिक के नेतृत्व में विशाल छात्र अधिकार पैदल मार्च निकाला गया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं कांग्रेसजनों ने गणेश चौक से कचहरी चौक तक पैदल मार्च कर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। भारी बारिश के बीच बड़ी संख्या में छात्र प्रदर्शन में शामिल हुए। पुलिस प्रशासन द्वारा मार्च को कचहरी चौक तक पहुंचने से रोकने के लिए बैरिकेडिंग की गई। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं एवं छात्रों द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़कर ज्ञापन सौंपने का प्रयास किया गया, लेकिन पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और कई छात्रों एवं कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। इसके बावजूद छात्रों का उत्साह कम नहीं हुआ और उन्होंने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया एवं धरने पर बैठ गए। जिसके उपरांत प्रदेश अध्यक्ष समेत कई नेताओं को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। एवं मुचलके पर रिहा किया। एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे ने कहा कि छात्रों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। हम लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को सरकार एवं प्रशासन के सामने रख रहे थे, लेकिन छात्रों पर वाटर कैनन चलाकर और गिरफ्तारियां करके सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह छात्रों की जायज मांगों को सुनना नहीं चाहती। भाजपा सरकार छात्र विरोधी सरकार है हमारी सरकार से मांग है कि प्रदेश के प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्र संघ चुनाव हो। युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव शिद्व्यांशु मिश्रा अंशु ने कहा कि आज का छात्र अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतर चुका है। शांतिपूर्ण पैदल मार्च को रोकना और छात्रों पर वाटर कैनन चलाना लोकतांत्रिक आवाज को दबाने का प्रयास है। कटनी के छात्रों के साथ कांग्रेस और युवा कांग्रेस मजबूती से खड़ी है। कटनी को मेडिकल कॉलेज का सपना दिखा कर पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज खोला जा रहा है जो की पूर्णत: एक लूट केंद्र है कांग्रेस पूर्ण शासकीय मेडिकल कॉलेज की जनहित में मांग करती है। जब तक छात्रों की जायज मांगों पर ठोस निर्णय नहीं होता, संघर्ष जारी रहेगा। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अजय खटिक ने कहा कि आज हजारों छात्रों ने एकजुट होकर यह संदेश दिया है कि छात्र अपने अधिकारों के लिए किसी भी दबाव के सामने झुकने वाले नहीं हैं। प्रशासन चाहे जितनी बैरिकेडिंग कर ले, छात्रों की आवाज को कैद नहीं किया जा सकता। हमारी लड़ाई पूरी तरह लोकतांत्रिक और छात्र हित में है तथा मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। एनएसयूआई ने कहा कि छात्र अधिकारों, बेहतर शिक्षा व्यवस्था और कटनी के शैक्षणिक विकास की मांग को लेकर संघर्ष आगे भी निरंतर जारी रहेगा। छात्र हितों में लीड तिलक कॉलेज को हम ऑटोमोमिस बनाके रहेंगे। साथ ही कटनी को शासकीय लॉ कालेज, इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की जाये। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहम्मद इसराइल ने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है। छात्रों की मांगें किसी राजनीतिक स्वार्थ की नहीं, बल्कि कटनी के युवाओं और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य की मांग हैं। हम छात्रों की इस लड़ाई में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, बसंत सिंह पूर्व विधायक, राजेश चौबे विधानसभा प्रभारी मुड़वारा, मौसुफ अहमद बिट्टू, मुकेश यादव, कमल पांडेय, अभिषेक प्यासी नानु, शशांक गुप्ता गोलू, मनोज गुप्ता, सचिन गर्ग, शुभम् मिश्रा, सूर्यकांत कुशवहा, सुरेंद्र राणा, चोखे भाईजान, अजय जैसवानी, हाजी मुन्ना कादिर, मंगल सिंह, आदित्य कटारे, ज़ालिम यादव, रानु कूदरहा, रमेश अहिरवार, श्याम यादव, राहुल पटरिया, प्रज्ज्वल साहु, विष्णु पटेल, सत्यम द्विवेदी, सौरभ पांडे, प्रशांत सिन्हा, राहुल यादव, शुभम रजक, मीनाक्षी बलवी, हेमा शर्मा, नीरा सोनी, मनीषा सिह, रुक्मणी पांडे, प्रिंस वंशकार, अवध लालयादव, राजन साहू, दीपक यादव, करण चौधरी, राजीव पटेल, हरीश यादव, विकास यादव, वैभव सिंह, अमन तिवारी, दुर्गेश सिंह, अनूप सिंह, अहमद सिद्दीकी, श्रद्धा विश्वकर्मा, तान्या दुबे, धनश्री अग्रवाल, राधा पटेल, आशिका शर्मा, अमित पटेल आदि उपस्थित रहे।

ग्राम जुहली से तृतीय वर्ष निकली विशाल कावड़ यात्रा

शिव धाम सुरखी टैंक में हुआ अभिषेक-पूजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। ग्राम जुहली में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रभात फेरी के तत्वाधान में तृतीय वर्ष विशाल कावड़ यात्रा सुरही मंदिर से शिव धाम सुर्खी टैंक निकल गई। जिसमें जगह-जगह पर लोगों ने पुष्प वर्षा स्वागत फलों से स्वागत किया गया शिव धाम पहुंचने पर सभी कावड़ यात्रा के लोगों ने अभिषेक पूजन कर भगवान भोलेनाथ की आरती सभी भक्तों द्वारा की गई इसके पश्चात प्रसाद वितरण हुआ सभी भक्तगण बच्चे बुजुर्ग महिलाएं सभी का सहयोग प्राप्त हुआ इस शुभ अवसर पर प्रभात फेरी जूहली के सूत्रधार पंडित विनय द्विवेदी, रवि शंकर तिवारी, राजकुमार दुबे, अनिल दुबे, पहलाद गर्ग, राकेश द्विवेदी, राजेंद्र पटेल, नीलकमल श्रीवास, रामदेव श्रीवास, राजेश श्रीवास, संतोष श्रीवास, प्रमोद श्रीवास, पूरन लाल श्रीवास, अश्विनी गर्ग, पार्क सिंह चिंटू तिवारी, बलराम तिवारी, सुरेंद्र तिवारी, विनीत तिवारी, रोहित दुबे, सनी दुबे, विनोद दुबे, अभिषेक दुबे, महेंद्र दुबे, तरुण दुबे, अखिलेश दुबे, राजू तिवारी, संजय तिवारी, बच्चों निषाद, प्रदीप गौतम, श्रीकांत शुक्ला, दिनेश संपूरिया, आवत राज सिंह, मक्खन सिंह, टिंकू दुबे, अनु पाठक, सोनी करी, साहिल पटेल, जगदीश पटेल, दीपक शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, सुदामा चक्रवर्ती, ओला चक्रवर्ती, बिहारी चौधरी, टेकचंद चौधरी, सुदामा चक्रवर्ती, मुकेश तिवारी, रमेश मिश्रा, हरि दहिया, भल्लू दहिया, राजा दहिया, कवेंद्र दुबे, धीरज यादव, कैसे यादव, दुर्गा बर्मन, रामलाल बर्मन, देव कुमार दुबे, शारदा प्रसाद दुबे, गौतम, अनमोल दुबे, जियालाल बर्मन, संदीप कैचर, शिवपाल विश्वकर्मा, लक्ष्मी श्रीवास, निलेश विश्वकर्मा, गोलू विश्वकर्मा, छोटा विश्वकर्मा, जगदीश साहिल हजारी पटेल, दादू मुन्ना पटेल, मुकेश, बधाई बल्लू पांडे, राजू, कपिल, दहिया आदि लोगों की उपस्थिति रही।

नाग पंचमी पर सर्प मित्र अमिता श्रीवास की अनूठी पहल

सपेरों से मुक्त कराए सांप वन विभाग के साथ सुरक्षित जंगल मे छोड़ा गया

कटनी (स्वतंत्रमत)। नाग पंचमी के अवसर पर जहां एक ओर शहर में धार्मिक आस्था और परंपराओं के तहत नाग देवता की पूजा-अर्चना की गई, वहीं दूसरी ओर सांपों के साथ होने वाली क्रूरता को रोकने के लिए सर्प मित्र एवं पशु प्रेमी अमिता श्रीवास ने अपनी टीम के साथ सराहनीय पहल की। उन्होंने नाग पंचमी के दिन शहर के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर सपेरों के कब्जे से सांपों को मुक्त कराया और उन्हें सुरक्षित जीवन देने का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, नाग पंचमी के दिन अमिता श्रीवास अपनी टीम के साथ सुबह करीब 7 बजे से शाम 5 बजे तक शहर के अलग-अलग क्षेत्रों, गलियों और चौराहों पर पहुंचीं। इस दौरान टीम ने ऐसे सपेरों पर नजर रखी, जो आस्था के नाम पर सांपों को पकड़कर उनके साथ अमानवीय व्यवहार कर रहे थे। टीम द्वारा करीब 10 सांपों को सपेरों के कब्जे से मुक्त कराया गया। सर्प मित्र अमिता श्रीवास ने बताया कि धार्मिक आस्था अपनी जगह है, लेकिन इसके नाम पर

वन्यजीवों के साथ किसी भी प्रकार की क्रूरता उचित नहीं है। सांपों को पकड़कर उनके मुंह सिल देना, दांत निकाल देना अथवा उन्हें लंबे समय तक भूखा-प्यासा रखना उनके लिए बेहद पीड़ादायक होता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि नाग पंचमी पर नाग देवता की पूजा अवश्य करें, लेकिन जीवित सांपों को पकड़कर तमाशा बनाने या उन्हें प्रताड़ित करने की परंपरा को बढ़ावा न दें। लगातार बारिश के बीच भी अमिता श्रीवास और उनकी टीम ने पूरे दिन सक्रिय रहकर सांपों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का कार्य किया। सपेरों के कब्जे से मुक्त कराए गए सांपों को आवश्यक प्रक्रिया के बाद वन विभाग के माध्यम से सुरक्षित जंगल क्षेत्र में छोड़ दिया गया, जहां वे प्राकृतिक वातावरण में अपना जीवन व्यतीत कर सकें। अमिता श्रीवास की इस पहल को पशु प्रेमियों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों ने सराहा। उनका कहना है कि सांप भी प्रकृति के महत्वपूर्ण जीव हैं और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में उनकी अहम भूमिका है। इसलिए आस्था के साथ-साथ जीवों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता रखना भी समाज की जिम्मेदारी है।

नाग पंचमी के पावन अवसर पर वन विभाग एवं सभी सर्प मित्रों के द्वारा एक अभियान चलाया गया। जिसमें सापेरो से घायल एवं बंधक 15 सांपों को मुक्त कराया गया। सुबह से ये अभियान चलाया गया, जिसमे शहर के गली-गली चौराहे में घूम घुम कर सापेरो को पकडा गया उनसे सांप लेकर देखे सभी साँपो के दाँत टूटे हुये एवम जबड़ा धागे से बधा हुआ पाया गया सभी 15 सर्प को वन विभाग की टीम के साथ वन विभाग के जंगल मे सुरक्षित छोड़ा गया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल को स्वच्छ एवं हरित विद्यालय का गौरव

डीपीएस कटनी को 5-स्टार स्टेट/यूटी लेवल मान्यता, मध्य प्रदेश में पाँचवाँ स्थान

कटनी (स्वतंत्रमत)

दिल्ली पब्लिक स्कूल ने स्वच्छ एवं हरित विद्यालय मूल्यांकन 2025-26 में उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल कर एक बार फिर पूरे शहर को गौरवान्वित किया है। विद्यालय को स्टेट/यूटी लेवल रिकग्निशन के अंतर्गत 5-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है। कई चरणों में हुए निरीक्षण एवं मूल्यांकन के बाद दिल्ली पब्लिक स्कूल, कटनी को कटनी का सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ एवं हरित विद्यालय घोषित किया गया। विद्यालय ने पूरे मध्य प्रदेश में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया तथा 94.40 प्रतिशत के उत्कृष्ट समग्र स्कोर के साथ 5-स्टार रेटिंग हासिल की। यह सम्मान विद्यालय द्वारा जल प्रबंधन, स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं साफ-सफाई, साबुन से हाथ धोने, संचालन एवं रखरखाव, पर्यावरण संरक्षण, व्यवहार परिवर्तन एवं क्षमता निर्माण तथा मिशन लाइफ गतिविधियों के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को मान्यता प्रदान करता है। विद्यालय ने साबुन से हाथ धोने तथा व्यवहार परिवर्तन एवं क्षमता निर्माण में 100 प्रतिशत, जबकि संचालन एवं रखरखाव तथा मिशन लाइफ गतिविधियों में 95.24 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इस उल्लेखनीय उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के मुख्य प्रशासक सैयद नईम अख्तर, प्राचार्या सीमा दुबे एवं उपप्राचार्या शबनम अख्तर के कुशल नेतृत्व, समर्पण एवं अथक प्रयासों के साथ-साथ उनकी पूरी टीम को जाता है। टीम के सामूहिक प्रयासों से विद्यालय परिसर को स्वच्छ, स्वस्थ, पर्यावरण-अनुकूल एवं टिकाऊ बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया गया। इस प्रतिष्ठित सम्मान की घोषणा डॉ. संजय गोयल, सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा की गई। स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त 2026 के गौरवपूर्ण अवसर पर यह सम्मान डीपीएस प्रबंधन को आशीष तिवारी कलेक्टर कटनी, अभिनव विश्वकर्मा तथा तपस्या परिहार कमिश्नर नगर निगम द्वारा प्रदान किया गया। यह उपलब्धि दिल्ली पब्लिक स्कूल कटनी और पूरे कटनी शहर के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। मध्य प्रदेश में पाँचवाँ स्थान प्राप्त कर डीपीएस कटनी ने यह उदाहरण प्रस्तुत किया है कि शैक्षणिक संस्थान स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्कूल की मैनेजिंग डायरेक्टर जूही जैन के मार्गदर्शन में दिल्ली पब्लिक स्कूल, कटनी ने एक बार फिर साबित किया है कि सच्ची उत्कृष्टता केवल ज्ञान प्रदान करने में नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करने और एक स्वच्छ एवं टिकाऊ भविष्य की नींव रखने में भी निहित है।

शारदा माता मंदिर चोरी का खुलासा

एक दर्जन वारदातों का खुलासा लाखों का माल बरामद

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस कमल मौर्य व अनुविभागीय अधिकारी वीरेन्द्र धार्वे महोदय के मार्गदर्शन पर निरीक्षक अभिषेक चौबे थाना प्रभारी विजयराघवगढ़ की पुलिस टीम ने सफलता प्राप्त करते हुये चोरी के शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। 24-25 जुलाई की दरम्यानी रात में अज्ञात आरोपियों द्वारा विजयराघवगढ़ स्थित माता शारदा मंदिर के लगे 6-7 ताले तोड़कर मंदिर के गर्भग्रह के अंदर प्रवेश कर माता शारदा का चांदी का मुकुट, चांदी का छत्र एवं माता शारदा के गले में पहने हुये सोने का लाकिट, भगवान नरसिंह का मुकुट एवं छत्र एवं दान पेटी में रखे नगद रूपया चोरी किया गया, बदमाशों द्वारा साक्ष्य को खत्म करने के उद्देश्य से मंदिर में लगा सीसीटीव्ही कैमरा का डी.व्ही.आर. उखाड़कर ले गये, शारदा माता मंदिर की देख-रेख करने वाले प्रार्थी मुकेश त्रिपाठी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता के खण्ड 305 (ए), 331 (4) के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट लेख कर पुलिस कप्तान अभिनय विश्वकर्मा के लगातार निर्देश पर पुलिस टीम तैयार की गई, जिसमें निरीक्षक अभिषेक चौबे थाना प्रभारी विजयराघवगढ़, थाना प्रभारी एन.के.जे. उनि रूपेन्द्र राजपूत, थाना प्रभारी उमरियापान उनि महेन्द्र जायसवाल, चौकी प्रभारी बिलहरी

उनि नवीन नामदेव, उनि सिद्धार्थ राय स्लीमनाबाद, उनि योगेश मिश्रा थाना माधवनगर, प्रधान आरक्षक मज्जू कोल, अंजनी झा, पप्पू प्रजापति, आरक्षक उमाकांत बिलहरी, आरक्षक लोकेन्द्र थाना माधवनगर एवं सायबर सेल से आरक्षक अजय केवट को लगाया गया, उक्त टीम के द्वारा शारदा माता मंदिर के आस-पास आने-जाने वाले सभी रास्तों के सी.सी.टी.व्ही. फुटेज को चेक किया गया। घटना स्थल के पास संदिग्धों को मूमेंट चेक करने के सुराग इकट्ठा किये गये। सभी संदिग्धों से पूछताछ की गई। घटना स्थल के आस-पास तलाशी ली गई। पुलिस टीम के भरसक प्रयास एवं मुखबिर की सहायता से 19 अगस्त के समय करीब 08 बजे सुबह एक संदिग्ध सफेद रंग की कार ग्राम पड़खुरी होते हुये मैहर तरफ जाने की सूचना मिलने पर निरीक्षक अभिषेक चौबे की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर घेरा बंदी कर संदिग्ध कार को रोककर चेक किया, कार में सवार प्रेमनगर तिलक कालेज निवासी राजा उर्फ मोहन साहू एवं उसकी पत्नी राजनंदनी साहू से बहुत ही बारीकी एवं सूझबूझ से पूछताछ की गई, जिसने बताया कि माता शारदा मंदिर विजयराघवगढ़, ग्राम जिवारा, थाना बरही क्षेत्र का ग्राम पिपरिया एवं अन्य स्थानों पर चोरी किये गये सोने चांदी के जेबरात को मैहर तरफ बेचने के लिये जा रहा था, पुलिस टीम द्वारा संदेही राजा उर्फ मोहन साहू एवं उसकी पत्नी राजनंदनी साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसने बताया की घटनाओं को स्वयं एवं अपने बाल अपचारी पुत्र तथा साथी आदी बर्मन जो ग्राम परसवारा विजयराघवगढ़ का निवासी हैए वर्तमान में सिवनी जेल में चोरी के मामले में बंद है, चारों लोगों ने मिलकर कटनी जिला के कई स्थानों पर चोरी किये हैं, विजयराघवगढ़ पुलिस टीम के द्वारा दोनों आरोपी राजा उर्फ मोहन साहू एवं उसकी पत्नी राजनंदनी साहू द्वारा अपने लड़का एवं साथी के साथी आदि बर्मन के साथ मिलकर चोरी किये गये सोने चांदी के जेबरात एवं वाहन स्विफ्ट डिजायर को जब्त किया गया है, दोनों आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय न्यायिक अभिरक्षा में पेश किया जा रहा है। बाल अपचारी फरार है एवं जिला जेल सिवनी में परिरूद्ध बदमाश आदि बर्मन को जिला जेल सिवनी से लाकर वैधानिक कार्यवाही की जाती है। आरोपीयान से पूछताछ की जा रही है, और भी वारदातों के खुलासा होने की संभावना है। आरोपियों का तरीका वारदात- आरोपीगण एक वाहन में बैठकर चोरी करने के उद्देश्य से रवाना होते थे। और मौके पर पहुंचकर दो लोग ताला तोड़कर अन्दर घुसते थे और शेष दो लोग बाहर रखवाली करते थे और किसी के आने की आहट पाकर अंदर गये दो लोगों को सूचना देते थे। सभी आरोपी बंद स्थनों में चोरी करते थे। आरोपियों के द्वारा स्वीकार की गई वारदातें- थाना विजयराघवगढ़ के अपराध क्रमांक 318/26 शारदा माता मंदिर में भगवान के छत्र मुकुट, मंगलसूत्र एवं दान पेटी के पेसै। थाना माधवनगर के अपराध क्रमांक 616/26 पिपरौंध में जैन मंदिर की दानपेटी से पैसे चोरी करने। थाना बरही के अपराध क्रमांक 655/25 रामजानकी मंदिर से भगवान के मुकुट चोरी करना। थाना कुठला चैकी बिलहरी के अपराध क्रमांक 567/26 हनुमान मंदिर से भगवान का मुकुट चोरी करना। जिला सतना थाना उचेहरा के अपराध क्रमांक 265/26 राधाकृष्ण मंदिर से भगवान की बासूरी, सिक्के एवं चांदी का सामान चोरी करना।

अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्यवाही

मुड़वारा रेलवे स्टेशन के पास 18.748 किलोग्राम गांजा के साथ हरियाणा का तस्कर गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जिले में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं समाज को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के पालन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा गांजा, स्मैक, नाईट्रावेट एवं अवैध शराब सहित अन्य मादक पदार्थों के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में 17-18 अगस्त की दरम्यानी रात्रि को कोतवाली पुलिस की टीम द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चैकिंग के उद्देश्य से मुड़वारा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पेट्रोलिंग की जा रही थी। पेट्रोलिंग के दौरान मुड़वारा स्टेशन से सिविल लाइन की ओर जाने वाले मार्ग पर फुट ओवर ब्रिज के पास एक युवक संदिग्ध अवस्था में 02 ट्रॉली बैग एवं 01 पिट्ठू बैग लेकर खड़ा दिखाई दिया। पुलिस वाहन को अपनी ओर आता देखकर युवक दोनों ट्रॉली बैग मौके पर ही छोड़कर वहां से जाने का प्रयास करने लगा। पुलिस स्टाफ द्वारा तत्काल घेराबंदी कर युवक को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम योगेश यादव पिता जुगल किशोर यादव, उम्र 22 वर्ष, निवासी गदाईपुर, थाना पटौदी, जिला गुरुग्राम (हरियाणा) बताया। युवक से उसके वहां खड़े होने तथा दोनों ट्रॉली बैग छोड़कर जाने का कारण पूछने पर वह घबराने लगा और संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। संदेह होने पर स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में युवक के साथ मिले 02 ट्रॉली बैग एवं 01 पिट्ठू बैग की विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैगों से कुल 18 पैकेट बरामद हुए। पैकेटों को खोलकर चैक करने पर उनमें अवैध मादक पदार्थ गांजा होना पाया गया। मौके पर गांजे की तौल करने पर कुल 18.748 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 1,85,000/- (एक लाख पचासी हजार रुपये) है। आरोपी का कृत्य धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत दण्डनीय पाए जाने पर विधि अनुसार कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थाना कोतवाली कटनी में अपराध क्रमांक 908/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

भारत के 600वें टेस्ट में चमका स्पिन का नया बाजीगर

मानव सुथार ने हिरवानी-अक्षर की खास कतार में बनाई जगह

भारत ने सीरीज में 1-0 से बनाई बढ़त

गॉल (वार्ता)

मानव सुथार (छह विकेट) और प्रसिद्ध कृष्णा (दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत भारत ने बुधवार को पहले टेस्ट मैच के पांचवें दिन भोजनकाल के बाद श्रीलंका की पूरी टीम को दूसरी पारी में 206 रनों पर समेट कर मुकाबला 165 रनों से अपने नाम कर लिया। यह 600वें टेस्ट में भारत की ऐतिहासिक जीत है।

देवदत्त पड्डिक्ल को प्लेयर ऑफ द मैच

इस जीत के साथ भारत ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। देवदत्त पड्डिक्ल को उनकी (167) रनों की शानदार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इससे पहले रवींद्र जडेजा और प्रसिद्ध कृष्णा ने सुबह के सत्र में भारत को दो सफलताएं दिलाई, जिससे भोजनकाल के समय तक श्रीलंका का दूसरी पारी में स्कोर छह विकेट पर 175 रन हो गया था।

जडेजा ने धनंजय डीसिल्वा का किया शिकार

आज यहां श्रीलंका ने चार विकेट पर 84 रन से आगे खेलना शुरू किया। कप्तान धनंजय डीसिल्वा और सोनल दिनुशा ने संभल कर खेलते हुए स्कोर को 156 रन तक ले गये 56वें ओवर की दूसरी गेंद पर रवींद्र जडेजा ने धनंजय डीसिल्वा का शिकार कर भारत को दिन की पहली सफलता दिलाई। धनंजय डिसिल्वा ने 151 गेंदों में सात चौके लगाते हुए (59) रन बनाये। इसके बाद 60वें ओवर की आखिरी गेंद पर प्रसिद्ध कृष्णा ने नये बल्लेबाज निरोशन डिकवेला (10) को विकेटकीपर पंत के हाथों कैच आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई।

मानव सुथार ने दूसरी पारी में भी शानदार गेंदबाजी की

भोजनकाल के बाद मानव सुथार ने शतक की ओर बढ़ रहे सोनल दिनुशा को आउटकर श्रीलंका को बैकफुट पर धकेल दिया। सोनल दिनुशा को 128 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए (84) रनों की पारी खेली। इसके बाद सुथार ने 76वें ओवर में प्रभात जयसूर्या , लाहिरू कुमारा को खाता भी खोलने का मौका नहीं दिया। सुथार ने 78वें ओवर की चौथी गेंद पर केशरा नुवंता (20) का शिकार कर श्रीलंका की दूसरी पारी का 206 रन के स्कोर पर अंत कर दिया। भारत की ओर से पहली पारी 4 विकेट लेने वाले मानव सुथार ने दूसरी पारी में भी शानदार गेंदबाजी की और 23.4 ओवर में 55 रन खर्च करके 6 विकेट हासिल किए। प्रसिद्ध कृष्णा को दो विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। मानव सुथार ने पहली पारी में चार ओर दूसरी पारी में छह विकेट सहित कुल 10 विकेट लिये। दूसरा टेस्ट मेच 28 अगस्त को कोलंबो में खेला जायेगा। भारत पहली पारी 462 रन , भारत दूसरी पारी 193 रन। श्रीलंका पहली पारी 284 रन और दूसरी पारी 206 रन।

यह जीत हमारे लिए बेहद संतोषजनक: गिल

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने बुधवार को मानव सुथार और देवदत्त पड्डिकल के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह जीत हमारे लिए बेहद संतोषजनक है। श्रीलंका पर मिली 165 रनों की जीत के बाद शुभमन गिल ने कहा, मानव सुथार ने शानदार बॉलिंग की है, चाहे वो भारत में खेला गया पहला मैच हो (अफगानिस्तान के खिलाफ़) या फिर यह मैच। वह बहुत होनहार खिलाड़ी लगते हैं और ऐसे खिलाड़ी हैं जो लंबे समय तक भारत के लिए खेल सकते हैं। उन्होंने कहा कि देवदत्त पडिक्कल को खेलते देखना शानदार था। शतक बनाना ज़रूरी है, लेकिन शतक बनाने के बाद भी उन्होंने जिस तरह से अपनी पारी जारी रखी और हमारे लिए बड़ा स्कोर खड़ा किया, वही एक कॉम्पिटिटिव मैच और आरामदायक स्थिति के बीच का फ़र्क है। और दूसरी पारी में भी उन्होंने जिस तरह की बल्लेबाजी की और स्पिनरों पर हावी रहे, उसे देखना बहुत अच्छा लगा। इस मैच में इससे ज्यादा मैं क्या मांग सकता था। यह एक बेहतरीन टेस्ट विकेट था। तीसरे दिन के बाद से इसमें ज्यादा टर्न दिख रही थी। आखिर में बात इस पर आकर टिकी कि कौन अपनी कौशल क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करता है। विकेट थोड़ी धीमी थी और उसमें ज्यादा उछाल या मूवमेंट नहीं था। इसलिए बाएं हाथ के बल्लेबाज बाएं हाथ के स्पिनरों को बेहतर तरीके से खेल सके।

वर्ल्ड नंबर 92 खिलाड़ी ने घरेलू स्टार लक्ष्य सेन को चौंकाया

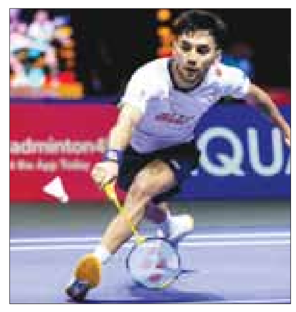

नयी दिल्ली (वार्ता)। पहले राउंड में ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स वेलेंटाइन फिलिमोन के खिलाफ मुश्किल से बचने के बाद, लक्ष्य सेन को अमेरिका के वर्ल्ड नंबर 92 गैरेट टैन ने हरा दिया। टैन, जो पहले जूनियर वर्ल्ड नंबर 1 और ऑल इंग्लैंड जूनियर चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट रह चुके हैं, ने 73 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 19-21, 21-19, 21-17 से उलटफेर भरी जीत हासिल की। पहले गेम में तेज़ गति वाली साइड से खेलते हुए, लक्ष्य को गैरेट के ओवरहेड और क्रॉस-कोर्ट स्मैश का सामना करने में संघर्ष करना पड़ा। जब भी लक्ष्य ने शटल को छोटा (शॉर्ट) उठाया, तो 18 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने अपने स्मैश में काफी ताकत लगाई। दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर चल रही थी, तभी टैन ने 12-10 की बढ़त बनाई और नेट पर लक्ष्य को फंसाने की कोशिश की। हालांकि, लक्ष्य ने भी शटल को छोटा रखा और टैन को नेट पर गलतियां करने के लिए मजबूर किया।

गिल, यशस्वी शीर्ष दस में हैरी ब्रूक फिर बने शीर्ष बल्लेबाज

दुबई (वार्ता)

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ताजा आईसीसी पुरुष टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष दस में बरकरार है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड को पछाड़कर एक फिर से नंबर वन पर आ गए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के सलामी ट्रैविस हेड बंगलादेश के खिलाफ आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के पहले मैच में कम स्कोर बनाने के कारण सूची में नीचे खिसक गए हैं। यह चौथी बार है जब ब्रूक बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे है। उन्होंने पहली बार दिसंबर 2024 में नंबर वन पोजीशन हासिल की थी। जो रूट और स्टीव स्मिथ भी हेड से आगे निकल गए हैं। हेड डार्विन में सिर्फ 22 और 17 रन ही बना पाए, जहां बांग्लादेश ने नौ विकेट से बड़ी जीत हासिल करके दो मैचों की सीरीज में बढ़त बना ली। स्मिथ ने 71 और 44 रन बनाकर तीसरी पोजीशन हासिल की। ब्रूक के 852 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर पहुंचे है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल सातवें स्थान तथा यशस्वी जायसवाल नौवें स्थान पर बरकरार है। बंगलादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो अपने करियर की बेस्ट 20वीं पोजीशन पर पहुंच गए हैं। अपनी एकमात्र पारी में 84 रन की पारी खेलकर वे नौ स्थान ऊपर चढ़े और भारत के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अपने साथी खिलाड़ी लिटन दास से आगे निकल गए। नजमुल के 659 रेटिंग पॉइंट्स उनके देश के किसी बल्लेबाज के लिए छठे सबसे ज्यादा पॉइंट्स हैं। कैमरन ग्रीन ने दूसरी पारी में शतक लगाकर पांच स्थान की बढ़त के साथ 30वीं पोजीशन हासिल की है। वहीं मोमिनुल हक (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 31वें), शादमान इस्लाम (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 58वें), मेहदी हसन मिराज (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 59वें) और तंजिद हसन (84 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 88वें) बैटिंग रैंकिंग में ऊपर चढ़ने वाले अन्य खिलाड़ी हैं। डंडी में आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 मैच में स्कॉटलैंड के खिलाफ कनाडा के बल्लेबाज परगत सिंह की 42 रनों की पारी ने उन्हें 10 पायदान ऊपर चढ़कर 85वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है, जबकि आयरलैंड के एंड्रयू बालबर्नी पांच पायदान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

सात्विकऔर चिराग राउंड ऑफ़ 16 में

नयी दिल्ली (वार्ता)

स्कॉटलैंड की पुरुष डबल्स जोड़ी एलेक्जेंडर डन और एडम प्रिंगल ने डन के दाहिने टखने की चोट के कारण बीडब्ल्यूफ़ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। राउंड ऑफ़ 32 में उनके प्रतिद्वंद्वी, पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को राउंड ऑफ़ 16 में वॉकओवर मिल गया है।

कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर

पथुम निसंका के खेलने की संभावना कम

कोलंबो (वार्ता)

भारत के खिलाफ कोलंबो होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल बाहर हो गए हैं। रविवार से शुरू होने वाले इस मैच के लिए पथुम निसंका के भी समय पर फिट होने की उम्मीद कम है। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के शुरुआती दौर में हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद से मेंडिस ने कोई भी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है। टेस्ट टीम में उनकी जगह निरोशन डिकवेला को शामिल किया गया था, और पहली पारी में 80 रन बनाने के बाद, डिकवेला के अपनी जगह बनाए रखने की संभावना है। वहीं, चांदीमल दूसरे टेस्ट से अपने आप बाहर हो गए हैं क्योंकि आईसीसी के नियमों के अनुसार, सिर में चोट के कारण सब्स्टीट्यूट किए गए खिलाड़ी सात दिनों तक नहीं खेल सकते। गॉल में चौथे दिन उनके बाहर होने से पसिन्दु सूरियाबंदारा के डेब्यू का रास्ता साफ हुआ। सूरियाबंदारा अपनी पहली टेस्ट पारी में बिना खाता खोले आउट हो गए थे, लेकिन फिर भी प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाए रख सकते हैं।

नाकाशिमा ने 3 मैच पॉइंट बचाकर मेदवेदेव को हराया

सिनसिनाटी (वार्ता)। ब्रैंडन नाकाशिमा ने मंगलवार को नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट स्विंग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए तीन मैच पॉइंट बचाए और सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में पहुँचने के लिए दानिल मेदवेदेव को 6-7(3), 7-6(4), 6-1 से हराया। दूसरे सेट में 4-5 के स्कोर पर सर्विस करते हुए 0/40 से पिछड़ने के बाद, ऐसा लग रहा था कि एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में नाकाशिमा का सफ़र खत्म होने वाला है। इसके बजाय, अच्छी फ़ॉर्म में चल रहे अमेरिकी खिलाड़ी ने शांत भाव से शॉट खेले और निडर रवैया अपनाया। उन्होंने पूर्व सिनसिनाटी चैंपियन मेदवेदेव के खिलाफ़ मोमेंटम अपने पक्ष में किया और दो घंटे 51 मिनट में जीत हासिल की। नाकाशिमा पिछले हफ्ते मॉन्ट्रियल में अपने पहले मास्टर्स 1000 फ़ाइनल तक पहुँचने के शानदार प्रदर्शन के बाद ओहियो पहुँचे थे; इससे पहले इस महीने की शुरुआत में वह वाशिंगटन में सेमीफ़ाइनल तक भी पहुँचे थे।25 वर्षीय खिलाड़ी रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 22वीं रैंकिंग पर खेल रहे हैं।

कोकीन टेस्ट में फेल होने के बाद किर्गियोस पर गिरी गाज

टेनिस से हुए निलंबित फैंस से मांगी माफी

सिडनी (वार्ता)। ऑस्ट्रेलियाई टेनिस स्टार निक किर्गियोस ने बुधवार को कहा कि कोकीन टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। स्पेन के मालोर्का में 22 जून को एक एटीपी 250 टूर्नामेंट में ड्रग्स टेस्ट में फेल होने के बाद किर्गियोस को निलंबित कर दिया गया है। 31 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ कार्रवाई आगे बढ़ती है तो उन्हें कम से कम तीन महीने से लेकर चार साल तक के प्रतिबंध का सामना करना पड़ सकता है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) का कहना है कि किर्गियोस, जिनकी करियर विश्व रैंकिंग 13वें नंबर पर पहुंची थी, अस्थायी निलंबन के खिलाफ अपील कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। किर्गियोस ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, हाल ही में मलोरका में मेरा ड्रग टेस्ट हुआ, जिसमें कोकीन के लिए पॉजिटिव रिजल्ट आया। मैंने बहुत बड़ी गलती की है और मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। मैं अपने प्रशंसकों, अपने परिवार, अपने प्रायोजकों और अपने सभी करीबी लोगों से माफी मांगता हूं। सबसे बढ़कर, मैं उन बच्चों से माफी मांगता हूं जो मुझे फॉलो करते हैं। मैं जानता हूं कि इससे क्या गलत उदाहरण पेश होता है और मैं खुद से बहुत निराश हूं।

पर्यावरण अनुकूल उत्पादन से मिलेगी कपड़ा उद्योग को वैश्विक पहचान: शिंदे

मुंबई (वार्ता)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को कहा कि सिर्फ ज्यादा उत्पादन करने से नहीं बल्कि पर्यावरण अनुकूल उत्पादन करने से राज्य और देश के कपड़ा उद्योग को वैश्विक मंच पर पहचान मिल पायेगी। श्री शिंदे ने यहां जियो वर्ल्ड सेंटर में उद्योग मंडल एसोचैम द्वारा आयोजित फार्म टू फॉरेन सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि महाराष्ट्र का कपड़ा उद्योग के साथ लंबे समय से गौरवशाली संबंध रहा है। मुंबई का देश की वित्तीय राजधानी के रूप में उभरना ऐतिहासिक कपड़ा मिलों से भी गहराई से जुड़ा रहा है। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, राज्य सरकार अब आधुनिक बुनियादी ढांचे और निवेश के अवसर तैयार कर रही है, ताकि कपड़ा क्षेत्र को नयी दिशा दी जा सके। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के खेतों से लेकर दुनिया के बाजारों तक,

हमारी कपड़ा यात्रा के हर चरण में मूल्य का सृजन होना चाहिए। हमारा विजन केवल अधिक उत्पादन करना नहीं, बल्कि पर्यावरण अनुकूल और प्रतिस्पर्धी तरीके से उत्पादन करना है, ताकि हर धागे में हमारे किसानों की ताकत, हमारे उद्योग का नवाचार और नये भारत की पहचान दिखाई दे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नागपुर में पीएम मित्र पार्क और अमरावती टेक्सटाइल क्लस्टर जैसी परियोजनाएं कपड़ा उद्योग को नयी गति देंगी, रोजगार के अवसर पैदा करेंगी और महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को मजबूत करेंगी। राज्य की रणनीतिक स्थिति और तैयारियों पर प्रकाश डालते हुए एसोचैम महाराष्ट्र राज्य परिषद के चेयरमैन मिलिंद हार्डीकर ने कहा, इस यात्रा में महाराष्ट्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। मजबूत औद्योगिक आधार, उद्यमशीलता का मजबूत पारितंत्र, विनिर्माण क्षमताएं, विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचा और जीवंत कपड़ा क्षेत्र महाराष्ट्र को सतत विनिर्माण, नवाचार, निवेश और निर्यात-केंद्रित विकास के रास्ते पर आगे बढ़ायेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का 5एफ विजन - फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन - सिर्फ एक क्षेत्रीय रोडमैप नहीं है, बल्कि एक एकीकृत और भविष्य के लिए तैयार टेक्सटाइल मूल्य श्रृंखला तैयार करने की रूपरेखा है। आने वाले समय में वैश्विक प्रतिस्पर्धा केवल उत्पादन क्षमता, उत्पादकता और उत्पादों की विविधता से निर्धारित नहीं होगी, बल्कि इस बात से भी तय होगी कि हम कच्चे माल की जिम्मेदारी से खरीद कैसे करते हैं, अपने पर्यावरणीय प्रभाव का प्रबंधन कैसे करते हैं, सामाजिक जवाबदेही कैसे सुनिश्चित करते हैं और पूरी आपूर्ति श्रृंखला में आद्यांत पारदर्शिता कैसे बनाये रखते हैं।

चावल, चीनी मजबूत, दालों और तेलों में उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ चीनी में भी तेजी रही। गेहूं की कीमत पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 10 रुपये बढ़कर 4,101 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,833 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटे की कीमत भी लगभग अपरिवर्तित रही। दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत 10 रुपये प्रति क्विंटल और चना दाल की तीन रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। तुअर दाल 12 रुपये और मूंग दाल 10 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल का भाव लगभग स्थिर रहा। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.56 प्रतिशत चढ़कर 70.02 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजार में पाम ऑयल औसतन 30 रुपये और मूंगफली तेल 29 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। वनस्पति 25 रुपये और सूरजमुखी तेल 23 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सोया तेल की कीमत 10 रुपये और सरसों तेल की सात रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 39 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी 164 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई दाल चना 7927.55 रुपये, मसूर काली 8205.30 रुपये, मूंग दाल 10192.33 रुपये, उड़द दाल 11273.90 रुपये, तुअर दाल 11389.27 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2833.84 रुपये और चावल 4100.97 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3298.15 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 5003.53 रुपये और गुड़ 5406.52 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 18846.01 रुपये, मूंगफली तेल 19663.06 रुपये, सूरजमुखी तेल 18185.76 रुपये, सोया तेल 15445.08 रुपये, पाम ऑयल 14028.29 रुपये रहा।

कच्चे तेल के दबाव में फिसला शेयर बाजार

मुंबई (वार्ता)

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार चौथे दिन गिरावट देखी गयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 325.78 अंक (0.42 प्रतिशत) लुढ़ककर 76,909.68 अंक पर बंद हुआ। सुबह 17 अंक की मामूली गिरावट में खुलने के बाद यह पूरे दिन लाल निशान में रहा। बीच कारोबार में एक समय यह 422 अंक टूट गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 76.60 अंक यानी 0.32 प्रतिशत उतरकर 24,078.30

अंक पर रहा। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों का इस साल 28 जुलाई के बाद का निचला स्तर है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बने संशय के कारण कच्चे तेल में आज भी तेजी रही। यह एक प्रतिशत चढ़कर 91 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया जो तीन सप्ताह का उच्चतम स्तर है। इससे घरेलू शेयर बाजारों में निवेश धारणा कमजोर हुई। वृहत बाजार में भी निफ्टी मिडकैप-50 की 0.02 प्रतिशत की तेजी को छोड़कर अन्य सभी सूचकांक लाल निशान में रहे। स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.51 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी आईटी 0.73 प्रतिशत चढ़ गया। ऑटो, वित्त, बैंकिंग, मीडिया, धातु, फार्मा, रियल्टी, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस सेक्टरों के सूचकांक टूट गये। एनएसई में कुल 3,609 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें से 2,171 के शेयर लाल निशान में और 1,320 के हरे निशान में रहे। अन्य 118 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में पावरग्रिड का शेयर दो प्रतिशत फिसल गया। बजाज फाइनेंस में 1.31 प्रतिशत, एलएंडटी में 1.27, आईटीसी में 1.18, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 0.98 और रिलायंस इंडस्ट्रीज में 0.90 प्रतिशत की गिरावट रही। बीईएल, इंडिगो, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी गिरावट में रहे। मुनाफा कमाने वालों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 1.73 प्रतिशत ऊपर चढ़ हुआ। इटरनल में 1.33 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक में 1.23 प्रतिशत और सन फार्मा में 1.15 प्रतिशत की तेजी रही।

मैहर से मिली लाड़ली बहनों को नैहर की नेग : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने सवा करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को अंतरित किए 2148.30 करोड़ रुपए

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बहन-बेटियां हमारे घर-आंगन की रौनक हैं। बहन-बेटियों का मान-सम्मान और इनका आर्थिक सशक्तिकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन तो साल में एक बार आता है, लेकिन हमारी सरकार हर महीने बहनों से उनकी रक्षा का वादा पूरा कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी लाड़ली बहनों को हर महीने सौगात मिल रही है। उन्होंने कहा कि शारदा मां के आशीर्वाद से मैहर अद्भुत स्थान है। बुंदेलखंड की वीरता के प्रतीक आल्हा-ऊदल मां शारदा के अनन्य भक्त हैं। हमारी भारतीय संस्कृति में उदारता और रिश्तों का सम्मान करने की परम्परा है। हम वसुधैव कुटुम्बकम के भाव से पूरे विश्व को अपना परिवार मानते हैं। हमने आज ही मैहर से प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को नैहर की नेग (राज्य सरकार का उपहार) दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मैहर में हुए राज्यस्तरीय लाड़ली बहना सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर में मां शारदा भवानी के दर्शन किए। इसके बाद इसी जिले की प्रतिभावान हॉकी खिलाड़ी सुश्री अनन्या अवधिया और सुश्री उन्नति पांडे के साथ प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 13 हजार से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 39वीं किश्त और रक्षाबंधन के विशेष शगुन के 250 रुपए (कुल 1750 रुपए) के रूप में 2 हजार 148 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से बैंक खातों में अंतरित किये।

रक्षाबंधन का धागा भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के कार्यकाल में भारतीय सेना बहनों के मान-सम्मान की रक्षा के लिए सशक्त बनी है। रक्षाबंधन का धागा भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। राज्य सरकार बहनों के सम्मान से कभी समझौता नहीं करती है। लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत हर माह बहनों का राशि भेजी जा रही है। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख लाड़ली बहनों का आशीर्वाद सरकार को मिल रहा है। हर साल रक्षाबंधन से पहले बहनों को 250 रुपए का शगुन भी भेजा जा रहा है।

25 विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन भी किया

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर जिले में लगभग 256 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 25 विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर के उस्ताद अलाउद्दीन खां स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय लाड़ली बहना सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया।

भारतीय संस्कृति में मां-बेटियां परिवारों की धुरी हैं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी बहनें अपने जीवन में माता-पिता के घर को संवारती हैं और विवाह के बाद पूरे ससुराल की जिम्मेदारी अपने ऊपर उठा लेती हैं। बहनों का यह त्याग वंदनीय है। भारतीय संस्कृति में मां-बेटियां परिवारों की धुरी हैं। माताएं अपनी चिंता नहीं कर पूरे परिवार का ख्याल रखती हैं। राज्य सरकार ने अगले 5 साल तक लाड़ली बहनों को राशि देने का निर्णय कैबिनेट में लिया है। अगले 5 वर्ष में 1 लाख 14 हजार करोड़ से अधिक राशि बहनों को मिलेगी।

देवस्थानों के विकास का संकल्प लिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने महाकाल के महाकाल लोक के बाद प्रदेशभर में देवस्थानों के विकास का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में श्रीराम वन गमन पथ, चित्रकूट में मंदाकिनी नदी की धारा को अविरल रखने और विकास कार्यों के लिए 3 हजार करोड़ के कार्य मंजूर किए गए हैं। मैहर में 9 करोड़ रुपए की लागत से मां शारदा लोक निर्माण के पहले चरण का भूमि-पूजन आज हुआ है।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर जिले में चल रहे विकास कार्यों को और भी गति देते हुए घोषणा करते हुए कहा कि मैहर जिले के बदेरा पहाड़ में 132 केवीए का सब स्टेशन बनाया जायेगा। मैहर में 25 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक स्टेडियम बनाया जायेगा। लिलजी जलाशय का 50 करोड़ रुपए की लागत से नवीनीकरण किया जाएगा। मैहर में एक बड़ा सर्व सुविधायुक्त अस्पताल बनाया जाएगा। मैहर में 5000 गौवंश क्षमता की बड़ी गौशाला बनेगी। घुनवारा में आईटीआई संस्थान बनेगा, स्कूल का उन्नयन किया जाएगा।

लोकार्पण-भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैहर में 48 करोड़ 24 लाख रुपए की लागत से सांदीपनि विद्यालय, 7 करोड़ 58 लाख की लागत से ताला में शासकीय महाविद्यालय भवन, 3 करोड़ 44 लाख रुपए की लागत से अमरपाटन में 30 सीटर बालक छात्रावास तथा आवास का लोकार्पण किया। 21 करोड़ 11 लाख की लागत से बठिया-चोरहटा, ग्राम पंचायत जमताल में सड़क निर्माण कार्यों तथा 19 करोड़ से अधिक की लागत से जनपद पंचायत मैहर, अमरपाटन और जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़े 1 हजार 69 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया।

मध्यप्रदेश में मत्स्य निवेश को मिलेगी नई दिशा : पंवार

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार ने प्रदेश में मत्स्य क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग कर मत्स्य उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 के अंतर्गत कार्यप्रणाली एवं नीतिगत प्रावधानों को लेकर निवेशकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक ली। राज्यमंत्री श्री पंवार ने विभिन्न जलाशयों में मत्स्य निवेश की संभावनाओं, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा प्रदेश में मत्स्य उद्योग को आधुनिक, सशक्त, रोजगारोन्मुख एवं निवेश-अनुकूल बनाने को लेकर निवेशकों के साथ विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। इस दौरान निवेशकों से उनके सुझाव प्राप्त किए गए तथा निवेश के दौरान आने वाली संभावित चुनौतियों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से विमर्श हुआ। राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मत्स्य विभाग को केवल उत्पादन तक सीमित न रखते हुए इसे एक सशक्त व्यापार एवं उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि निवेशकों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उनकी आवश्यकताओं को समझना, निवेश से जुड़ी संभावित कठिनाइयों को दूर करना और उन्हें बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि सरकार की सभी नीतियां निवेशकों के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाई जा रही हैं। प्रदेश में निवेश करने वाले उद्यमियों को हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

नोडल अधिकारी नियुक्त

दमोह (स्वतंत्र मत)। राज्य शासन द्वारा बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर लोक संस्कृति, परम्पराओं, मान्यताओं, पर्यटन एवं ऐतिहासिक धरोहरों को आपस में जोड़ने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 4 सितंबर से आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। अपर कलेक्टर ने बताया कि 4 को बलराम जयंती एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम से संबंधित समस्त आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कहा।

बांधों एवं जल संरचनाओं में जल भराव की निरंतर करें मॉनिटरिंग : सिलावट

भोपाल (स्वतंत्र मत)। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि समस्त विभागीय बांध, जलाशय तथा अन्य जल संरचनाओं में जल भराव की स्थिति की सतत निगरानी की जाए और इसकी सूचना बाढ़ नियंत्रण कक्ष सहित जिला प्रशासन एवं वरिष्ठ अधिकारियों को प्रतिदिन दी जाए। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा राउंड द क्लॉक जिलों से संपर्क कर सतत समीक्षा सुनिश्चित की जाए, जिससे किसी भी प्रकार की हानि से बचा जा सके। बारिश के दौरान पूरा विभागीय अमला पूरी तरह सावधान और चौकस रहे. इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने बुधवार को जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता बोधी कार्यालय भोपाल स्थित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ का निरीक्षण किया और अधिकारियों की बैठक ली. मंत्री श्री सिलावट ने बांधों में जल भराव एवं इनसे संबंधित गेटों के ऑपरेशन संबंधी जानकारी प्राप्त और समस्त एहतियाती उपाय करने के निर्देश दिए।

गांवों के विकास से ही देश का विकास है : रंजीता पटेल

दमोह (स्वतंत्र मत)। विकसित भारत जी राम जी योजना को लेकर स्थानीय मानस भवन में जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटेल के विशेष अतिथि में जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 1 जुलाई से प्रारंभ हुई विकसित भारत की वीबीजीरामजी योजना के संबंध में जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना था। सम्मेलन में जिला पंचायत सीईओ प्रवीण फुलपगारे सहित जिले की सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सभी विकासखंडों से जनपद पंचायत अध्यक्ष, सरपंच, पंचायत रोजगार सहायक एवं सचिव सहित पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी शामिल थे।जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटैल ने कहा आज वीबीजीरामजी अधिनियम के तहत पंच सम्मेलन हुआ जिसमें सभी अधिकारी वर्ग उपस्थित है। त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ और मजबूत बनाने का यह अहम फैसला हमारी सरकार का है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री विकसित भारत, एक भारत श्रेष्ठ भारत का जो सपना देख रहे हैंए उसे हमें गाँव की तरफले जाना होगा। क्योंकि जब तक गाँव सुदृढ़ और सुरक्षित नहीं होंगे, तब तक विकसित भारत का सपना शायद अधूरा रहेगा। कार्यक्रम के माध्यम से पंचायत स्तर तक योजना की जानकारी पहुंचाने और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनप्रतिनिधियों एवं मैदानी अमले को तैयार करने पर जोर दिया गया।

दमोह से जबलपुर जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग फोरलेन में परिवर्तित किया गया : सांसद

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। दमोह से जबलपुर जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग पहले टू लेन था, लेकिन केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री से मुलाकात एवं निरंतर प्रयासों के बाद इसे फोरलेन में परिवर्तित किया गया है। सिंग्रामपुर में लगभग 3.5 किलोमीटर के हिस्से में एलिवेटेड रोड का निर्माण प्रस्तावित है। इससे सड़क यातायात सुगम होने के साथ वन्यजीवों के आवागमन में भी सुविधा होगीए क्योंकि एलिवेटेड मार्ग के नीचे से वन्यजीव आसानी से गुजर सकेंगे। इस आशय की बात सांसद राहुल सिंह लोधी ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में कही। सासंद राहुल सिंह लोधी ने कहा बकस्वाहा की ओर से आने वाले मार्ग, मुख्यमंत्री द्वारा एमपीआरडीसी को दिए गए लगभग 74 किलोमीटर लंबे सागर.दमोह मार्ग तथा जबलपुर-सागर फोरलेन को इस प्रकार जोड़ा जा रहा है कि यातायात को नीचे उतरने की आवश्यकता न पड़े और मार्ग सीधे कनेक्ट हो सके। इससे एक सर्किल के रूप में तीनों दिशाओं में आवागमन सुगम होगा तथा क्षेत्र की कनेक्टिविटी और विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक प्रत्येक तीन माह में आयोजित की जाती है। बैठक का उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की कार्यप्रगति की समीक्षा करना तथा जिले के विकास को गति देने के लिए आवश्यक दिशा में प्रभावी कार्ययोजना तैयार करना हैए साथ ही इस बात पर भी चर्चा की जाती है कि जिले को और बेहतर बनाने तथा विकास की दिशा में तेजी से आगे ले जाने के लिए किन क्षेत्रों में आवश्यक प्रयास किए जाएं।

उन्होने कहा दमोह मेडिकल कॉलेज में पानी की समस्या का निदान कर दिया गया है। मेडिकल कॉलेज अब पूर्णता की ओर है और जल्द ही इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री द्वारा किए जाने की संभावना है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज को जिले के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से जिलेवासियों को बेहतर एवं आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। सांसद ने कहा संपर्क क्रांति और गोंडवाना एक्सप्रेस से दिल्ली की ओर जाने वाले यात्रियों को बारिश के दौरान शेड नहीं होने से परेशानी होती है। रेलवे की डीआरएम बैठक में इस समस्या को उठाया गया था। रैक प्वाइंट होने के कारण शेड निर्माण में चुनौती आ रही थीए लेकिन अब करैया में लगभग 800 मीटर लंबा रैक प्वाइंट तैयार हो गया है। उन्होंने कहा दमोह का रैक प्वाइंट करैया में शिफ्ट होने के बाद एक साथ गेहूं, चना एवं यूरिया की लोडिंग की सुविधा मिल सकेगी। इससे शहर में ट्रैफिक की समस्या में भी कमी आएगी। दिल्ली की ओर जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए आगामी 1 से 1.5 वर्ष में शेड निर्माण सहित अन्य व्यवस्थाओं को भी सुदृढ़ किया जाएगा।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग (भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या: ईपीएस/26/2026)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/ डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/ विनिर्देशन के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेण्डर नं	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा
1	50265020	PVC इंसुलेटेड अर्मोरेड, unscreened, अंडरग्राउंड रेलवे सिग्नलिंग केबल ऑफ़ साइज 12C x1.5 Sq.mm	125.91 किलोमीटर
2	38264156	ATL टॉरशन स्प्रिंग (स्टील) फॉर टविस्ट लॉक	3764 नंबर्स
3	20264115	सिलिंड्रिकल रोलर एक्सल बॉक्स बिअरिंग	253 नंबर्स
4	50265027	25 वाट VHF सेट- सप्लाई ऑफ़ ट्रांस रिसीवर VHF डिजिटल रेडियो	195 नंबर्स
5	61262421	विनाइल कोटेड uphlostery फैब्रिक फॉर AC कोचेस	19291 मीटर
6	80261064	इंजन आयल SAE 15W 40 CI-4 प्लस ग्रेड लुब्रीकेंट आयल	45340 लीटर
7	38262403A	बोल्स्टर सस्पेंशन स्प्रिंग Snubber फॉर 22 HS बोगीज	15560 नंबर्स
8	80261139A	डिसॉल्वड एसिटिलीन गैस TO IS: 308/1988	109600 Cum.

नियत तारीख: क्रमांक 1: 24.08.2026, क्रमांक 2: 09.09.2026, क्रमांक 3: 11.09.2026, क्रमांक 4, 5: 15.09.2026, क्रमांक 6: 16.09.2026, क्रमांक 7: 21.09.2026, क्रमांक 8: 23.10.2026. 50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

(हस्ता.)
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

एक ही मारपीट की घटना में दर्ज हुई दूसरी एफआईआर

सोमवार रात चंडीजी मंदिर के सामने जमकर हुआ था विवाद

हटा (स्वतंत्र मत)।

सोमवार रात चंडीजी मंदिर के सामने दो दर्जन से अधिक लोगों के बीच लाठी-डंडों से मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। करीब आधे घंटे तक चले इस विवाद के कारण मंदिर के सामने से गुजरने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना के दौरान पुलिस के मौके पर नहीं पहुंचने की बात भी सामने आई है। अब इसी घटनाक्रम को लेकर अलग-अलग तारीख में दो एफआईआर दर्ज होने से पुलिस कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। घटना सोमवार रात करीब 8:30 बजे चंडीजी मंदिर के सामने हुई थी। मामले में हटा थाना पुलिस ने पहली एफआईआर अपराध क्रमांक 0395/26 के तहत दर्ज की है। एफआईआर में फरियादी अंकित रैकवार ने बताया कि वह अपने जीजा राकेश रैकवार के साथ चंडीजी मंदिर में प्रसाद चढ़ाने गया था।

इसी दौरान मुकेश बड़गैया और सोमू रैकवार वहां पहुंचे और पुराने विवाद को लेकर गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर दोनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान दुर्गेश रैकवार भी डंडा लेकर आया और मारपीट करने लगा। बीच बचाव करने पहुंचे राकेश रैकवार के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है। फरियादी के अनुसार बाद में एक अन्य व्यक्ति भी मौके पर आया और उसके साथ डंडे से मारपीट करने लगा। शोर सुनकर उसके दोस्त अंकुर रैकवार और आकाश रैकवार मौके पर पहुंचे और बीच बचाव किया। एफआईआर में फरियादी के कंधे , दाहिने हाथ की भुजा, बाईं आंख के नीचे और पीठ में चोट आने तथा उसके जीजा राकेश रैकवार की बाईं कलाई और सिर के दाहिने हिस्से में चोट लगने का उल्लेख है।

दो दिन बाद दर्ज हुई दूसरी एफआईआर

इसी घटनाक्रम को लेकर बुधवार को दूसरी एफआईआर दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। दूसरी एफआईआर दुर्गेश पिता राजू रैकवार की ओर से दर्ज कराई गई है जिसमें अनिकेत रैकवार और सत्यम रैकवार पर मारपीट करने के आरोप लगाए गए हैं। एक ही घटनाक्रम को लेकर दो अलग.अलग तारीख में एफआईआर दर्ज होने से पुलिस की कार्रवाई चर्चा में आ गई है। सवाल यह उठ रहा है कि जब घटना सोमवार रात की थी तो दूसरी एफआईआर बुधवार को किन परिस्थितियों में दर्ज की गई। साथ ही दोनों एफआईआर में घटना के क्रम, लोगों के बयानों में क्या अंतर है, यह भी जांच का विषय है। सोशल मीडिया पर वायरल मारपीट के वीडियो और दोनों एफआईआर सामने आने के बाद अब पुलिस की कार्रवाई को लेकर लोगों की नजर जांच के परिणाम पर है।

जिला खनिज प्रतिष्ठान मद की बैठक आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला खनिज प्रतिष्ठान मद मंडल बोर्ड की बैठक का आयोजन आज 20 अगस्त को दोपहर 11 बजे से कलेक्टर सभा कक्ष में किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दमोह ने दी।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर

(निविदा सूचना)

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविद की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO-479 DATE 19/8/2026 2026_UAD_529463_1	संभाग क्रमांक 6 अंतर्गत समस्त वार्ड में विभिन्न स्थानों पर G.S.B एवं DUST द्वारा फिलिंग एवं सड़क का मरम्मत कार्य।	04 माह 8.47/- लाख	2000/- 8500/-	9/9/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट https://mptender.gov.in पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.5
नगर पालिक निगम जबलपुर
पत्र क्रं./स.क्र.-05 26-27/44 जबलपुर
दिनांक 19/8/2026

भवन नामांतरण

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सोहन लाल केशरवानी पिता श्याम नारायण केशरवानी ने भवन क्रमांक 876, 876/1 वार्ड जवाहरगंज क्षेत्रफल 220, 50 वर्गफुट भूतल व्यवसाय टीन सेड विक्रयपत्र/ खसरा समग्र/ टेक्स रसीद के आधार पर नगर निगम द्वारा मकान नं. पर नामांतरण हेतु पंजीकृत स्वामी श्री हर्षित सिंघई पिता स्व. राजेश जैन (2)समदड़िया बिल्डर्स पुत्र राजेश जैन पिन नं. 1000392715/41401041 पर जिस किसी को उक्त में प्रमाण सहित आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 5 में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-5
नगर निगम जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक HIG-06 श्री देवेन्द्र सिंह निश्चल पिता श्री वीरेन्द्र सिंह निश्चल एवं श्रीमती नीरू निश्चल पति श्री देवेन्द्र सिंह निश्चल के नाम से आंवटित है। जिसका विक्रय विलेख 28.10.2005 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। आवंटी श्री देवेन्द्र सिंह निश्चल पिता श्री वीरेन्द्र सिंह निश्चल एवं श्रीमती नीरू निश्चल पति श्री देवेन्द्र सिंह निश्चल के द्वारा विक्रय विलेख दिनांक 18.06.2009 के माध्यम से उक्त संपत्ति को श्रीमती नीतू मिश्रा पति श्री राजेश कुमार मिश्रा को विक्रय किया गया है। श्रीमती नीतू मिश्रा प्रति श्री राजेश कुमार मिश्रा का निधन दिनांक 01.08.2021 को हो जाने के कारण उनके पति श्री राजेश कुमार मिश्रा पिता स्व. श्री राजनारायण मिश्रा के द्वारा स्वयं के नाम नामांतरण हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र के साथ आवेदन/दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति भान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भूखण्ड लीज नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आनंद नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक एल.आई. जी.-12 श्री सलमान रागिब आमिर पिता/पति श्री सैय्यद हफीज अहमद के नाम आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 19.09.2006 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन क्रमांक एल.आई. जी.-12 श्री सलमान रागिव आमिर पिता/पति श्री सैय्यद हफीज अहमद ने विक्रय विलेख दिनांक 22.09. 2011 के माध्यम से श्री शब्बीर हुसैन पिता/पति स्व. श्री जब्बार हुसैन एवं श्री बाबर हुसैन पिता/पति स्व. श्री जब्बार हुसैन को विक्रय किया है। श्री शब्बीर हुसैन पिता/पति स्व. श्री जब्बार हुसैन एवं श्री बाबर हुसैन पिता/पति स्व. श्री जब्बार हुसैन के द्वारा उक्त भवन क्रमांक एल.आई. जी.-12 उनके नाम लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उपरोक्त लीज हस्तांतरण/नामांतरण बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरांत हस्तांतरण / नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति / दावा मान्य नहीं होगा।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भूखण्ड लीज नामांतरण/ हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पी.पी. कालोनी जबलपुर में स्थित भवन क्रमांक एस.टी.आर.-123, श्री ईश्वर दीन प्रजापति पिता स्व.श्री निबरती लाल के नाम से आवंटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 08.01.2010 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन क्रमांक एस.टी.आर.-123 श्री ईश्वर दीन प्रजापति पिता स्व.श्री निबरती लाल ने दान पत्र दिनांक 12.08.2026 के माध्यम से श्री कमल किशोर प्रजापति पिता श्री ईश्वर दीन प्रजापति एवं श्रीमती ज्योति बाला प्रजापति पति श्री कमल किशोर प्रजापति को दान किया है। श्री कमल किशोर प्रजापति पिता श्री ईश्वर दीन प्रजापति एवं श्रीमती ज्योति बाला प्रजापति पति श्री कमल किशोर प्रजापति के द्वारा उक्त भवन क्रमांक एस.टी. आर.-123 उनके नाम लीज हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को उपरोक्त लीज हस्तांतरण/ नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि उपरांत हस्तांतरण/नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी एवं भविष्य में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति/ दावा मान्य नहीं होगा।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

सिहोरा के ईसाई मोहल्ले की घटना

नाबालिग ने लगाई फांसी, मौत

जबलपुर (स्वतंत मत)। सिहोरा स्थित ईमलहा मोहल्ला में रहने वाले नाबालिग नरेश उर्फ निहाल नामक नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नाबालिग द्वारा फांसी लगाए जाने की खबर भी लोगों को उस वक्त लगी जब उसकी मां काम से वापस घर आई। नरेश को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उस वक्त तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार ईमलहा मोहल्ला निवासी नरेश उर्फ निहाल कोल उम्र 17 वर्ष की मां सिहोरा में मजदूरी करने के लिए घर से निकल गई। घर में अकेले नरेश ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

हर गांव, हर समाज तक पहुंचाएंगे संत रविदास जी का संदेश

सात माह तक चलेगा समरसता अभियान

जबलपुर (स्वतंत मत)। गुरु रविदास जी केवल किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के महान संत, समाज सुधारक और समरसता के प्रणेता थे। उन्होंने जातिगत भेदभाव, सामाजिक विषमता और अन्याय के विरुद्ध समानता, आत्मसम्मान एवं भाईचारे का संदेश दिया, उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने वाले हैं और करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं, संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में 29 जुलाई 2026 (गुरु पूर्णिमा) से 20 फरवरी 2027 संत रविदास जी की जयंती तक देशव्यापी 'समरसता संकल्प अभियान' प्रारम्भ किया गया।

ओटी टेक्नीशियन भर्ती पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

288 पदों पर भर्ती में पात्रता नियम बदलने का मामला

हाईकोर्ट ने शासन-कर्मचारी चयन मंडल से मांगा जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत ओटी टेक्नीशियन के 288 पदों पर चल रही भर्ती प्रक्रिया में अंतरिम आदेश जारी करते हुए 31 मार्च 2026 को जारी मेरिट लिस्ट और उसके आधार पर की गई नियुक्तियों पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने राज्य शासन, संबंधित विभागों और कर्मचारी चयन मंडल सहित अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामला भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद ओटी टेक्नीशियन पद की पात्रता शर्तों में किए गए बदलाव से जुड़ा है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता आर्यन उर्मलिया ने कोर्ट में दलील दी कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद पात्रता के मूल नियमों में बदलाव कर नए अभ्यर्थियों को लाभ देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 में मिले समान अवसर के अधिकार के खिलाफ है।

याचिकाकर्ताओं के मुताबिक भर्ती का विज्ञापन जारी होने के समय ओटी टेक्नीशियन पद के लिए जो शैक्षणिक योग्यता और प्रमाण-पत्र संबंधी शर्तें तय थीं, अभ्यर्थियों ने उन्हीं के आधार पर आवेदन किया और चयन प्रक्रिया में शामिल हुए। इसके बाद शासन ने 10 अगस्त 2026 को राजपत्र अधिसूचना जारी कर पात्रता संबंधी प्रावधान में बदलाव कर दिया।याचिकाकर्ताओं का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद ऐसा संशोधन नहीं किया जा सकता, जिससे वे अभ्यर्थी भी पात्र हो जाएं जो विज्ञापन जारी होने के समय निर्धारित योग्यता पूरी नहीं करते थे। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला भी दिया गया।

5 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट में स्पष्ट किया कि निजी संस्थानों से प्राप्त योग्यता को भविष्य की भर्तियों में मान्यता दिए जाने पर उन्हें आपत्ति नहीं है। उनकी आपत्ति केवल यह है कि बाद में किए गए संशोधन को मौजूदा भर्ती प्रक्रिया पर लागू किया जा रहा है। इससे मूल विज्ञापन की शर्तों के आधार पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि भर्ती की मेरिट लिस्ट 31 मार्च 2026 को जारी हो चुकी थी, जबकि पात्रता संबंधी संशोधन 10 अगस्त 2026 को किया गया। संशोधित प्रावधानों के आधार पर कुछ अभ्यर्थियों को नियुक्ति भी दी जा चुकी है। मामले की सुनवाई जस्टिस विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ में हुई। कोर्ट ने प्रथमदृष्ट्या मामले को विचारणीय मानते हुए 31 मार्च 2026 को जारी मेरिट लिस्ट और उसके आधार पर की गई नियुक्तियों पर अंतरिम रोक लगा दी। राज्य शासन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, कर्मचारी चयन मंडल सहित संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए गए हैं। कोर्ट के आदेश के बाद फिलहाल इस मेरिट लिस्ट के आधार पर आगे की नियुक्तियों पर भी रोक रहेगी। मामले की अगली सुनवाई 5 सितंबर 2026 को होगी। याचिकाकर्ताओं ने मांग की है कि 10 अगस्त 2026 के संशोधन को वर्तमान भर्ती पर लागू न किया जाए और मूल विज्ञापन में तय पात्रता शर्तों के आधार पर भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाते हुए संशोधित मेरिट लिस्ट तैयार की जाए।

पदोन्नति में आरक्षण पर 26 अगस्त को हाईकोर्ट में होगी सुनवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश में पदोन्नति में आरक्षण को लेकर वर्ष 2025 में बनाए गए नियमों की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर हाईकोर्ट में अगली सुनवाई 26 अगस्त 2026 को होगी। मंगलवार को जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने मामले को आगामी सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि पदोन्नति में आरक्षण से जुड़े आरबी राय केस में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष राज्य सरकार और याचिकाकर्ताओं की ओर से अर्जेंट हियरिंग की मांग की गई है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट से मिलने वाले निर्देशों के आधार पर ही इन याचिकाओं पर आगे की सुनवाई की जाएगी। भोपाल की वेटरनरी सर्जन डॉ. स्वाति तिवारी सहित अन्य की ओर से दायर याचिकाओं में राज्य सरकार द्वारा पदोन्नति में आरक्षण को लेकर बनाए गए वर्ष 2025 के नियमों की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से नियमों के विभिन्न संवैधानिक पहलुओं पर अदालत के समक्ष दलीलें रखी गई हैं। मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नरेश कौशिक, मनोज शर्मा तथा अधिवक्ता अमोल श्रीवास्तव और लावण्या वर्मा पैरवी कर रहे हैं। वहीं राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन, महाधिवक्ता प्रशांत सिंह और अतिरिक्त महाधिवक्ता जान्हवी पंडित पक्ष रख रहे हैं। हस्तक्षेपकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर और अधिवक्ता विनायक शाह पैरवी कर रहे हैं। अब 26 अगस्त की सुनवाई पर नजर रहेगी, जब सुप्रीम कोर्ट में आरबी राय केस की स्थिति और वहां से जारी निर्देशों के आधार पर हाईकोर्ट आगे की कार्रवाई तय करेगा।

अवैध कॉलोनी निर्माणकर्ताओं पर चला नगर निगम का चाबुक

परसवाड़ा में 65 लाख रुपये की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नगर निगम जबलपुर द्वारा शहर में अवैध निर्माण और शासकीय भूमियों पर हो रहे अनाधिकृत कब्जों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया गया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के सख्त निर्देशों के परिपालन में नगर निगम की कॉलोनी सेल और अतिक्रमण दस्ते ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए परसवाड़ा क्षेत्र में लगभग 65 लाख रुपये मूल्य की 900 वर्गमीटर बेशकीमती सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया है। मामला वार्ड क्रमांक 16 (महाराणा प्रताप वार्ड), मौजा परसवाड़ा का है, जहाँ खसरा नंबर 118/1/1 एवं 118/1/2 की भूमि पर बिना वैधानिक अनुमतियों के अवैध रूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। इतना ही नहीं, कॉलोनी के पहुंच मार्ग के लिए शासकीय खसरा नंबर 118/2 की जमीन पर भी अवैध निर्माण कर लिया गया था।कॉलोनी सेल प्रभारी सुनील दुबे ने बताया कि अवैध कॉलोनी के निर्माणकर्ताओं ध्रुव भोला एवं रूपेश तिवारी को पूर्व में नियमानुसार कारण बताओ नोटिस जारी कर वैधानिक स्वीकृति दस्तावेज प्रस्तुत करने का समय दिया गया था। तय समय-सीमा में वैध दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए अवैध रास्ते एवं ढांचे को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।कार्रवाई के दौरान अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा, कॉलोनी सेल प्रभारी सुनील दुबे, सहायक अतिक्रमण अधिकारी दीपेंद्र रावत, मनोज तिवारी सहित कॉलोनी सेल व अतिक्रमण शाखा की टीम मौके पर मौजूद रही।

बीना बर्मन को महाकौशल खेल रत्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जोन संयोजक एवं मप्र कबड्डी संघ रेफरी बोर्ड के कन्वीनर शानू यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष 29 अगस्त को खेल दिवस पर महाकौशल क्रीडा परिषद द्वारा दिए जाने वाला महाकौशल खेल रत्न कबड्डी में अपने समय की जानी मानी ऑल राउंडर खिलाड़ी जिन्हें मप्र सरकार ने उत्कृष्ट खिलाड़ी घोषित कर शासकीय नौकरी प्रदान की श्रीमती बीना बर्मन को प्रदान किया जाएगा। श्रीमती बीना को अवार्ड दिए जाने पर मप्र कबड्डी संघ के उपाध्यक्ष एवं जबलपुर कॉरपोरेशन कबड्डी संघ के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह पप्पू,जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष डॉ अमित साहू कबड्डी संघ के अध्यक्ष गोविंद पटेल,समद खान जिला सचिव मनीष रजक जोफ सचिव सुनील ताम्रकार, कॉरपोरेशन सचिव राष्ट्रीय निर्णायक पुष्पेंद्र पांडे, इपरमू लाल, जितेंद्र सिंह, प्रवीण अग्रहरि , योगेश यादव,किशन बबलू आशीष शामल देवी भाई आशीष पहलवान हरेंद्र यादव हरीश खन्ना वी एफ जेके विजय भारती, मोना सेंगर जयलक्ष्मी स्वामी, नीरज कुमार,दिनेश तिवारी रजनीश यादव संजय पांडे, अनिल सैनी माधवी सैनी ने बधाई प्रेषित की है।

मिलावटखोरों पर खाद्य विभाग ने कसा शिकंजा

कई दुकानों पर की छापेमार कार्यवाही

जांच के लिए सैंपल किए जब्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन सख्त रुख अपनाए हुए है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा लगातार आकस्मिक जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को राजस्व और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम ने कटंगी और जबलपुर शहर के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापामार कार्यवाही की।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि टीम ने कटंगी स्थित अभिषेक खोवा भंडार से खोवा, झुर्रे के रसगुल्ला से खोवा एवं रसगुल्ला तथा सलैया नमकीन से बेसन व नमकीन के सैंपल एकत्र किए। इसके बाद शहर के प्रमुख बाजारों में कार्रवाई करते हुए नौदरा ब्रिज स्थित मनोहर स्वीट्स से पेड़ा, गोरखपुर स्थित उमेश डेयरी से घी व पनीर और नरेंद्र डेयरी से खोवा एवं पनीर के सैंपल लिए गए।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जब्त किए गए सभी नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रुपयों की मांग कर छात्र पर चाकू से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संजीवनी नगर पुलिस ने बताया कि धनवंतरी नगर सागर कालोनी निवासी 17 वर्षीय अर्नब दुबे कक्षा ग्यारहवीं का छात्र है। बीती रात वह होलीक्रास स्कूल के पास अपनी कालोनी में साथी अर्ग त्रिपाठी के साथ था। जहां पर विनय लोधी भी था। जिसने शराब पीने के लिये रुपयों की मांग करते हुए गालीगलौज कर चाकू से हमला कर वाये पैर की जांघ में चोट पहुंचा दी। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

कूलर के करंट की चपेट में आई युवती की मौत

गोसलपुर गांधीग्राम की घटना, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गोसलपुर थाना क्षेत्र स्थित गांधीग्राम में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी देर रात कूलर में करंट उतरने से 19 वर्षीय युवती अंजली असाटी की मौत हो गई। उक्त घटना देररात करीब डेढ़ बजे घटित हुई। परिजन युवती को तत्काल अस्पताल ले गये, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार अंजली असाटी अपने बिस्तर पर सो रही थी। ठंड लगने पर वह चादर लेने के लिए उठी। इसी दौरान कमरे में लगे कूलर के पास से गुजरते समय वह अचानक उसमें फैले करंट की चपेट में आ गई। करंट का झटका लगने से वह मौके पर ही अचेत होकर गिर गई। घटना के बाद परिजन तुरंत अंजली को अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए जबलपुर स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

निर्माणाधीन मकान का ताला तोड़कर कटर व ग्लेण्डर मशीन चुरा ले गये चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

ग्वारीघाट पुलिस ने बताया कि सिलुआ चौखड़ा निवासी टाईल्स मिस्त्री राहुल चौधरी का काम ग्वारीघाट में प्रजापति के मकान पर चल रहा है। 17 अगस्त को राहुल 2 पत्थर की कटर मशीन, 2 ग्लेण्डर मशीन, कमरे में रख कर अपने घर सिलुआ चला गया था। दूसरे दिन सुबह जब वह काम पर वापस आया तो देखा कि मकान का ताला टूटा था और अंदर जाकर देखा कमरे में रखी काम करने की मशीने नहीं थीं। उसने आसपास तलाश की पता नहीं चला है। कोई अज्ञात चोर उसकी मशीनें चुरा ले गया है। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

किसानों को नहीं मिल रहा सोलर कृषि पंप का लाभ

259 में सिर्फ 67 किसानों को मिले कनेक्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सरकार की सोलर कृषि पंप योजना का लाभ पाने के लिए आवेदन करने वाले जिले के सैकड़ों किसान अब भी इंतजार कर रहे हैं। रबी सीजन करीब है, लेकिन स्वीकृत 259 आवेदनों में अब तक केवल 67 किसानों के खेतों में ही सोलर सिंचाई पंप स्थापित हो सके हैं। किसान संगठनों ने मांग की है कि शेष पात्र किसानों के खेतों में रबी फसल से पहले पंप स्थापित किए जाएं, ताकि योजना का वास्तविक लाभ मिल सके। इसी सिलसिले में भारत कृषक समाज के वरिष्ठ किसान प्रतिनिधियों ने सिविक सेंटर स्थित मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम के कार्यालय पहुंचकर जिला अक्षय ऊर्जा अधिकारी इंजी. प्रिंस केशरवानी से मुलाकात की और जिले में सोलर कृषि पंप स्थापना की स्थिति की जानकारी ली।

पीड़ितों को शिकार बनाकर साइबर ठगों ने हड़पे लाखों

सिहोरा, माढ़ोताल व घमापुर थानाक्षेत्र में हुई घटनाए, पुलिस ने किया मामला दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर में लगातार साइबर ठगी की घटनाएं बढ़ती जा रही है। रोजाना ही ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिसमें नए-नए पैतरे अपनाकर आमजन के साथ ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे ही चार मामलों में साइबर ठगों ने नये-नये तरीकों से हितग्राहियों को अपने झांसे में लिया और उनके खातों से लाखा रुपये की राशि पार कर दी। ऐसे ही चार मामले सिहोरा, माढ़ोताल व घमापुर क्षेत्र में सामने आये है। जिनकी शिकायतों पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामलों को विवेचना में लिया है।

केस-1

सिहोरा पुलिस ने बताया खम्हरिया दिनारी निवासी 39 वर्षीय अमित कुमार सेन गांधीगंज गंजताल में सहायक सचिव के पद पर पदस्थ है। जिसने अपने एटीएम से छह हजार रुपये निकाले, लेकिन राशि नहीं निकली। जिसने मामले की शिकायत सेंट्रल बैंक में की, लेकिन चौबीस घंटे बाद भी राशि वापस नहीं हुई। इसके बाद उसने कस्टमर केयर के टोल फ्री नंबर में शिकायत दर्ज करायी। जिसके बाद जालसाजों ने एक लिंक भेजकर जानकारी सबमिट करने कहा और पीड़ित के एकाउंट से एक लाख 35 हजार पांच सौ रुपये ऑनलाईन हड़प लिये।

केस-2

माढ़ोताल पुलिस ने बताया कि रिमझा ग्रीनसिटी निवासी 27 वर्षीय अमित कुमार तिवारी सोलर पेनल का बिजनेस करता है। जिसने मटेरियल खरीदने पाईनर नट बोल्टल प्रालि. में वीडियों कालिंग के माध्यम से बात हुई। इसके बाद ऑनलाईन एडवांस पेमेंट किया। इसके बाद उसके मोबाईल पर माल ट्रांसपोर्ट भाड़े के लिये पेमेंट के लिये काल आया। उसने अलग-अलग माध्यमों से राशि ट्रांसफर की, इकसे बाद कहा गया कि ट्रांसपोर्ट पेमेंट प्रोसस करनी होग और आपास पैसा वापस रिफंड ऑनकाल आ जायेगा, लेकिन राशि नहीं आई, जब उन्होंने उक्त मोबाईल पर संपर्क किया तो वह बंद आने लगा, इस तरह पीड़ित से अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी करते हुए 80 हजार 375 रूपये वित्तीय धोखाधड़ी की है।

केस-3

घमापुर पुलिस ने बताया कि सरकारी कुआं निवासी लीला दाहिया शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतवानी में एएनएम के पद पर कार्यरत् है। विगत दिनो अज्ञात व्यक्ति ने काल कर खुद को नायब तहसीलदार अशोक मीना बताते हुए झांसा दिया कि हर आंगनबाड़ी में पांच-पांच हजार रुपये आना है, इसके लिये दस हजार रुपये आपकों डालने होंगे। इसके बाद अलग-अलग तरीके का झांसा देकर उससे 96 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिये। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

केस-4

सिहोरा पुलिस ने बताया कि ग्राम बोड़ी निवासी कृषक राजेन्द्र प्रसाद साहू का बैंक खाते का योनो एप दो वर्ष से बंद था। जब उसने बैंक में जाकर संपर्क किया तो बैंक वालों ने मोबाईल चेंज करने कहा। इसके बाद उसके नंबर पर अज्ञज्ञत व्यक्ति ने फोन कर खुद को एसबीआई का अधिकारी बताते हुए उसे अपने झांसे में लिया और पूरी जानकारी मांगते गया। इसके बाद उसके खाते से कुल 42,160 रुपये निकाल लिये। उक्त सभी शिकायतों पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामलों को विवेचना में लिया है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-smatjbp1@ gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**